- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- विपक्षी घुसपैठिया, मोदी बना रहे औद्योगिक कॉरिडोर

- 12

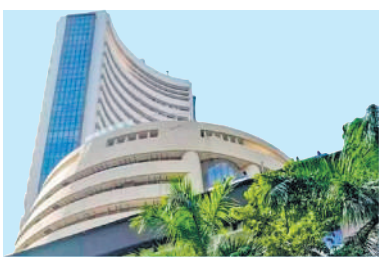

- कंपनियों के तिमाही नतीजे बदलेंगे बाजार की चाल, ईएफआई गतिविधियों पर निवेशकों की नजर

- 12

- पाकिस्तान : 27वें संविधान संशोधन के विरुद्ध देशव्यापी प्रदर्शन का एलान

- 13

- लखनऊ सुपर जायंट्स के फील्डिंग कोच बन सकते हैं अभय शर्मा

- 14

आज का मौसम

25.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.32

सूर्यास्त 05.20

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष षष्ठी 12:08 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 10 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 260, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

रिसिन जहर से बड़े आतंकी हमले की साजिश का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

- गुजरात एटीएस ने की बड़ी कार्रवाई, लखनऊ दिल्ली और अहमदाबाद में की थी रेकी
- गिरफ्तार आतंकियों में एक राजस्थान का रहने वाला, दो आतंकी यूपी के रहने वाले

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने चीन से एमबीबीएस की डिग्री करने वाले एक डॉक्टर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर एक संदिग्ध आतंकी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। सभी आईएसआईएस संगठन से जुड़े हैं। आरोपी डॉक्टर अत्यधिक घातक रासायनिक जहर रिसिन तैयार कर रहा था और उसका आका इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) से जुड़ा हुआ है, जिसके तार पाकिस्तान से जुड़े हैं।

चीन से एमबीबीएस करने के बाद आईएस से जुड़ा डॉक्टर

डॉ. अहमद मोहिउद्दीन

आज़ाद सुलेमान शेख

मोहम्मद सुहैल

आतंकियों से बरामद हथियार।

एटीएस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों में एक डॉ. अहमद मोहियुद्दीन सैयद और आजाद सुलेमान शेख और मोहम्मद सुहैल मोहम्मद सलीम के रूप में हुई है और उन्होंने लखनऊ, दिल्ली और अहमदाबाद में कई संवेदनशील स्थानों की रेकी की थी। गुजरात एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया, डॉ. सैयद उच्च शिक्षित व कट्टरपंथी है, उसने बड़ी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश के तहत धन इकट्ठा करने और लोगों की भर्ती करने की योजना बनाई थी। आरोपियों ने यह भी खुलासा किया है कि उनका आका ड्रोन के जरिए हथियारों की खेप पाकिस्तान से भेजता है। गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस की एक टीम ने 7 नवंबर को गांधीनगर के अडालज के निकट तेलंगाना के हैदराबाद निवासी डॉ. अहमद मोहिउद्दीन सैयद को गिरफ्तार किया, जिसके पास दो ग्लॉक पिस्तौल, एक बेरेटा पिस्तौल, 30 कारतूस और अरंडी का चार लीटर तेल बरामद किया गया।

रिसिन एक रासायनिक जहर

जोशी ने बताया कि डॉ. अहमद मोहियुद्दीन सैयद ने जरूरी शोध शुरू कर दिया था, उपकरण और कच्चा माल जुटा लिया था और शुरुआती रासायनिक प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। रिसिन एक रासायनिक जहर है और इसे अरंडी के बीजों के प्रसंस्करण से बचे अपशिष्ट पदार्थ से बनाया जा सकता है। जोशी ने कहा कि सैयद, शेख व सलीम हथियारों का आदान-प्रदान करने के लिए गुजरात में थे और उन्होंने एक शक्तिशाली जहर 'रिसिन' से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रची थी। उसने गांधीनगर जिले के कलोल में एक सुनसान जगह से हथियार एकत्र किए थे।

शेख लखीमपुर, सुहैल शामली का

अधिकारी ने बताया कि अन्य आरोपी आजाद सुलेमान शेख और मोहम्मद सुहैल मोहम्मद सलीम, दोनों उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी और शामली जिले के रहने वाले हैं, जिन्हें बनासकांठा जिले से गिरफ्तार किया गया। दोनों ने राजस्थान के हनुमानगढ़ से हथियार हासिल किए थे और उन्हें सैयद को दिया था। एटीएस ने उनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन और दो लैपटॉप भी जब्त किए हैं। सीडीआर (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) और आरोपियों से पूछताछ से पता चला है कि वे पिछले एक साल से संवेदनशील स्थानों की टोह ले रहे थे।

एटीएस कर रही कई राज्यों में जांच

अधिकारी ने कहा कि सभी आईएसकेपी से जुड़े हैं या नहीं, यह जांच का विषय है। गुजरात एटीएस भी विभिन्न राज्यों में मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि एटीएस केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ समन्वय करके अन्य लोगों को भी गिरफ्तार करेगी। अधिकारी ने बताया कि तीनों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक अदालत ने सैयद को 17 नवंबर तक एटीएस की हिरासत में भेजा है, जबकि दो अन्य को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

मुझे जान का खतरा है, दुश्मन मुझे मरवा सकते हैं : तेज प्रताप

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने रविवार को दावा किया कि उन्हें जान का खतरा है और उनके दुश्मन उन्हें मरवा भी सकते हैं। राजद से निष्कासन के बाद हाल ही में अपनी नई राजनीतिक पार्टी बनाने वाले तेज प्रताप इन दिनों बिहार विधानसभा चुनाव में महुआ सीट से उम्मीदवार हैं। पत्रकारों से बातचीत में यादव ने कहा, मेरी सुरक्षा बढ़ा दी गई है, मुझे खतरा है। मेरे दुश्मन मुझे मरवा भी सकते हैं। अब तो हर कोई दुश्मन जैसा लगता है।

जापान में शक्तिशाली भूकंप आया, सुनामी की चेतावनी जारी

तोक्यो। उत्तरी जापान के तट पर रविवार को शक्तिशाली भूकंप आया, जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने यह जानकारी दी। जेएमए ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गई और भूकंप का केंद्र इवाते प्रांत के तट पर समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। अधिकारियों के मुताबिक, क्षेत्र में स्थित दोनों परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के किसी तरह के नुकसान या किसी असामान्य घटना की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है।

उत्तराखंड में विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने की सामर्थ्य : मोदी

राज्य के रजत जयंती समारोह को किया संबोधित, कहा- मंदिर, आश्रम, ग्लोबल नेटवर्क से जोड़ सकते

- 8260 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास-लोकार्पण

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, उत्तराखंड अगर ठान ले तो अगले कुछ ही वर्षों में खुद को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के तौर पर स्थापित कर सकता है। यहां के पवित्र मंदिर, आश्रम, योग को ग्लोबल नेटवर्क से जोड़ा जा सकता है। यहां हर विधानसभा क्षेत्र में योग केंद्र विकसित किए जाने की जरूरत है। इसी तरह वाइब्रेंट विलेज को छोटे-छोटे पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है।

उत्तराखंड ने बीते 25 वर्षों में विकास की लंबी यात्रा तय की है और अब राज्य को अगले 25 वर्ष की योजनाओं की रूपरेखा तैयार करनी है। उत्तराखंड राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर रविवार को देहरादून के एफआरआई परिसर में आयोजित रजत जयंती मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने 8260 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। साथ ही, एक स्मारक डाक टिकट और काफी टेबल बुक का भी विमोचन किया। मोदी ने इस दौरान 28 हजार से अधिक किसानों के खातों में 62 करोड़ रुपये की राशि भी डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर की। प्रधानमंत्री ने राज्य की पिछले 25 वर्षों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए अगले 25 वर्षों के लिए रोडमैप के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने वर्ष 2047 के उत्तराखंड के लिए रास्ता तय करते हुए बिना इंतजार आगे बढ़ने की अपील की। संबोधन की शुरुआत में गढ़वाली और कुमाऊंनी में प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि नौ नवंबर का दिन उत्तराखंडवासियों की लंबी तपस्या का फल है। ये दिन प्रत्येक उत्तराखंडवासी को गर्व का अहसास कराता है। उन्होंने राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ ही सभी आंदोलनकारियों को भी नमन किया।

मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री मोदी को ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ पर आधारित विशेष प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

मोदी ने की धामी सरकार की प्रशंसा

प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को गंभीरता से लागू करते हुए दूसरे राज्यों के लिए भी मिसाल प्रस्तुत की है। इसी तरह राज्य सरकार ने धर्मांतरण विरोधी, दंगा नियंत्रण कानून से राष्ट्रहित को लेकर साहसिक नीति अपनाई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य स्थापना की रजत जयंती से उत्तराखंड विकास की नई उंचाई छूते हुए गर्व के साथ आगे बढ़ेगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से कहा कि देश जब देश आजादी का 100 वां साल मनाएगा, तब उत्तराखंड किस ऊंचाई पर होगा, हमें यह रास्ता चुनना है इसलिए इंतजार किए बिना, हमें अपने रास्ते पर चल पड़ना होगा और केन्द्र सरकार इस यात्रा में हमेशा उत्तराखंड सरकार के साथ खड़ी रहेगी।

कांग्रेस और राजद का पाप था बिहार में जंगलराज : योगी

सुपौल/मधुबनी, एजेंसी

- बिहार चुनाव प्रचार के आखिरी दिन चार जनसभाओं में विपक्ष पर गरजे मुख्यमंत्री योगी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार में चुनावी प्रचार के आखिरी दिन विपक्ष पर हमला तेज करते हुए कहा कि परिवारवादी व्यवस्था ने बिहार में जातियों को आपस में लड़ाकर अराजकता और गुंडागर्दी का तांडव किया। बिहार में जंगलराज कांग्रेस और राजद का पाप था। योगी ने लोगों को आगाह किया कि बड़ी-बड़ी घोषणाओं के साथ महागठबंधन सिर्फ धोखा देने आया है। विकास, गरीब कल्याण व आस्था का सम्मान इनके एजेंडे में नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अररिया के सिकटी, नरपतगंज, सुपौल के छातापुर और मधुबनी के बिस्फी में रैलियां कर एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में वोट मांगे। योगी ने कहा कि बिहार की जनता 14 नवंबर को फिर एनडीए की सरकार बनाएगी। योगी ने कहा कि गौरवशाली अतीत के धनी बिहार के सामने संकट खड़ा करने वाले ही असली अपराधी हैं। जिन्होंने बिहार में जंगलराज का पाप किया, उन्हें जनता पहचान चुकी है। उन्होंने कांग्रेस और राजद पर आरोप लगाया कि इन दलों ने सत्ता में रहते हुए बिहार को अराजकता, जातीय वैमनस्य और लूट-खसोट की आग में झोंक दिया। बोले कि कलंकित और काले अतीत वाले लोगों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। यह वही लोग हैं, जिन्होंने विकास को जंगलराज में बदलने का पाप किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में फिर से जंगलराज लाने की कोशिश करने वालों को रोकना जरूरी है। पंचर बनाने वाले विकास को पंचर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस बिहार ने दुनिया को नालंदा और तक्षशिला जैसे ज्ञानकेंद्र दिए, उसी बिहार को कांग्रेस-राजद की जोड़ी ने निरक्षरता और माफियागीरी की ओर धकेला दिय।

रामनगर में आबादी में घूम रहा सांभर हिरण, पर्यटक ले रहे सेल्फी

संवाददाता, रामनगर

- वन्यजीवों का इस तरह आबादी की ओर आना स्वाभाविक नहीं

अमृत विचार: रामनगर में कॉर्बेट नेशनल पार्क से सटे कोसी बैराज क्षेत्र में इन दिनों एक सांभर हिरण स्थानीय आबादी और मुख्य मार्ग पर दिखाई दे रहा है। रामनगर-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग के कोसी बैराज के पास यह सांभर हिरण पिछले कुछ दिनों से बार-बार लोगों के बीच देखा जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों में काफी उत्सुकता देखने को मिल रही है।

आबादी के इतने करीब इस वन्यजीव का दिखना आम बात नहीं है लेकिन यह सांभर हिरण न सिर्फ सड़कों पर नजर आ रहा है बल्कि लोगों के बीच बेखौफ घूमता भी देखा गया है, जैसे ही सांभर सड़क किनारे दिखाई देता है, वहां पर्यटकों और राहगीरों की भीड़ लग जाती है। लोग मोबाइल कैमरों से तस्वीरें खींचते हैं और कई तो इसके साथ सेल्फी लेने की कोशिश भी करते हैं। पर्यटक इस नजारे को देखकर बेहद खुश हैं। उनका कहना है कि अब वन्यजीव देखने के लिए जंगल के अंदर जाने की जरूरत नहीं रही।

दूसरे चरण के चुनावी प्रचार पर लगा विराम, कल 122 सीटों पर मतदान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए रविवार शाम प्रचार समाप्त हो गया, जिसके साथ ही राज्य में सत्ता की जंग के लिए प्रतिद्वंद्वियों के बीच लगभग एक महीने तक चले तीखे शब्दबाण और नर्वस मुकाबले पर विराम लग गया। पहले चरण का मतदान छह नवम्बर को हुआ था, जिसमें रिकॉर्ड 65 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। दूसरे चरण के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। इस चरण में 122 सीटों पर मतदान होगा, जबकि पहले चरण में 121 विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले गए थे।

14 को होगी मतगणना

किशोर ने पिता की पिस्तौल से सहपाठी को मारी गोली

गुरुग्राम, एजेंसी

- गोली छात्र की गर्दन में लगी, गुरुग्राम की घटना, दो नाबालिग छात्र गिरफ्तार
- पुलिस ने एक पिस्तौल, दो मैगजीन, 70 कारतूस और एक खोखा बरामद किया

गुरुग्राम के सेक्टर 48 स्थित एक फ्लैट में 11वीं कक्षा के एक छात्र ने अपने पिता की लाइसेंसी पिस्तौल से अपने एक सहपाठी को गोली मार दी। पुलिस के अनुसार, गोली छात्र की गर्दन में लगी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उसका एक निजी अस्पताल में इलाज हो रहा है।

इस संबंध में सदर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और मामले में दो नाबालिग छात्रों को पकड़ा गया है। घटनास्थल से एक पिस्तौल, दो मैगजीन, 70 कारतूस और एक खोखा बरामद की है। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे हुई। आरोपी के किराए के फ्लैट में तीन सहपाठी मौजूद थे तभी उनके बीच झगड़ा हुआ जिसके बाद उनमें से एक छात्र ने एक अन्य छात्र को कथित तौर पर गोली मार दी। इस घटना में घायल हुए 17 वर्षीय छात्र की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार उसके बेटे के स्कूल के दोस्त ने उसे शनिवार को मिलने के लिए बुलाया था।

झांसी विवि के सामने प्रेमिका को गोली मार खुद को उड़ाया

झांसी। झांसी के नवाबाद थाना क्षेत्र में विश्वविद्यालय के सामने रविवार की दोपहर एक युवक ने अपनी प्रेमिका के सीने में गोली मारने के बाद आत्महत्या कर ली। विश्वविद्यालय की इस छात्रा को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का कारण निजी संबंधों को लेकर विवाद बताया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना से पूर्व दोनों के बीच विवाद होते देखा गया था।

आकाश ने लगातार आठ छक्के जड़कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

- 11 गेंदों में लगाया अर्धशतक

सूरत। मेघालय के आकाश कुमार चौधरी रविवार को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार आठ छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यहां अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप मैच में केवल 11 गेंदों पर इस प्रारूप का सबसे तेज अर्धशतक भी जड़ा।

चौधरी ने सीके पीठावाला मैदान पर मैच के दूसरे दिन आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए यह शानदार उपलब्धि हासिल की। वह 14 गेंदों पर 50 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे मेघालय ने अपनी पहली पारी छह विकेट पर 628 रन के विशाल स्कोर पर घोषित कर दी। आकाश ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का लीसेस्टरशर के वेन व्हाइट के पिछला रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2012 में एसेक्स के खिलाफ 12 गेंदों में अर्धशतक बनाया था।

बदलाव

गिर रहा सुबह और रात का तापमान, दिन में चटख धूप

पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी के बाद सर्द हुआ प्रदेश का मौसम

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: गुलाबी ठंड के बाद पहाड़ों पर मौसम अब सर्द हो चला है। गढ़वाल और कुमाऊं के उच्च पर्वतीय इलाकों में जहां बर्फबारी का असर है तो निचले इलाकों में मौसम खुशनुमा बना है।

उत्तराखंड में नवंबर माह की शुरुआत के साथ ही सुबह और रात के तापमान में गिरावट शुरू हो गई है। हालांकि पहाड़ों पर खिल रही चटख धूप राहत दे रही है। सरोवर नगरी की बात करें तो नैनीताल का मौसम रविवार को सुहावना बना रहा। धूप पूरे दिन खिली रही। नगर में सुबह-शाम की ठंड में बढ़ोतरी हो चली है। कोहरा भी आ रहा है लेकिन उसका ज्यादा असर नहीं है। विभिन्न महानगरों से पहुंचे सैलानियों को मौसम का मिजाज खूब पसंद आ रहा है। वीकेंड के चलते बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचे हुए हैं। हालांकि ठंड से राहत पाने के लिए हीटर व आग का सहारा लेना पड़ रहा है। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार यहां अधिकतम तापमान 22 व न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस रहा। आद्रता अधिकतम 75 व न्यूनतम 40 प्रतिशत रही। इस समय सबसे ज्यादा मुक्तेश्वर में रातें सर्द हैं। अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, चम्पावत में भी रात में तापमान गिरना शुरू हो गया। पर्वतीय इलाकों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच रहा है। मैदानी इलाकों में हल्द्वानी के अलावा ऊधमसिंह नगर जिले में अभी न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अभी मौसम शुष्क रहेगा और रात के तापमान में कमी आने से ठंड में बढ़ोतरी होगी। पर्वतीय इलाकों में दिन में ही कोहरा लग रहा है जबकि मैदानी इलाकों में अलसुबह और रात को कोहरा आ सकता है।

यूपी में बढ़ेगी ठंड, सुबह-शाम धुंध और कोहरा

लखनऊ। अमृत विचार : यूपी में ठंड और बढ़ने वाली है। इस बीच सुबह-शाम धुंध और कोहरा बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट देखी जा रही है। आगामी दिनों में तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। पछुवा हवा भी शाम से रात तक सिहरन बढ़ाएगी। खासकर तराई और पूर्वांचल क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक सुबह हल्का कोहरा और धुंध के आसार बने रहेंगे। हालांकि बीते दिनों चक्रवात की वजह मौसम में हुए बदलाव के बीच फिलहाल पूरे प्रदेश में साफ धूप खिली दिखी। मौसम विभाग की माने तो दो-तीन दिनों तक ही पूरे राज्य में ऐसा ही मौसम रह सकता है।

अमृत विचार

स्टेट ब्रीफ

अचूक रणनीति का फिर दिखा असर

देहरादून : विगत 9 दिनों के अंतराल में देहरादून पुलिस ने विधानसभा विशेष सत्र के साथ-साथ राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम व रजत जयंती रैतिक परेड को सकुशल सम्पन्न कराकर अचूक रणनीति का परिचय दिया। एफआरआई में आयोजित रजत जयंती समारोह के दौरान विभिन्न जिलों व राज्यो से 2800 से अधिक बसों तथा 1200 से अधिक अन्य छोटे बड़े चौपहिया वाहनो से लगभग एक लाख व्यक्ति देहरादून पहुंचे थे, इतनी बड़ी संख्या में लोगों तथा उन्हें लेकर जनपद में आने वाले वाहनों को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रूप से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाना तथा कार्यक्रम समाप्ति के उपरांत उन्हें सकुशल एवं व्यवस्थित रूप से गंतव्य को रवाना करना एक बड़ी चुनौती थी, जिसे एसएसपी दून अजय सिंह के नेतृत्व में दून पुलिस द्वारा पूर्ण कार्य कुशलता के साथ सम्पादित किया गया।

कांग्रेस ने ध्वजारोहण के साथ काटा केक

देहरादून : उत्तराखंड राज्य स्थापना के पच्चीस वर्ष पूर्ण होने पर रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद राज्य स्थापना की रजत जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी और अनुसूचित जाति विभाग अध्यक्ष मदन लाल ने संयुक्त रूप से केक काटा। माहरा ने कहा कि आज पूरा प्रदेश जब राज्य स्थापना की रजत जयंती मना रहा है, तब हम सभी को एक आत्मनिर्भर विकसित व खुशहाल उत्तराखंड प्रदेश बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

सड़क हादसे में छात्र की मौत, दो घायल

देहरादून : सहसपुर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार आधी रात रामपुर बड़ी मस्जिद के पास एक कार पेड़ से टकरा गई, जिसमें तीन छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों छात्रों को सीएचसी सहसपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने बिहार निवासी सत्यम कुमार (22) पुत्र पंकज दुबे को मृत घोषित कर दिया। वहीं, विनीत और सौरभ नाम के दो छात्रों को हायर सेंटर देहरादून रेफर कर दिया गया। हादसे का शिकार हुए तीनों छात्र सहसपुर थाना क्षेत्र के प्राइवेट कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे थे।

उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती पर आयोजित समारोह में कॉफी टेबल बुक का विमोचन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, साथ में राज्यपाल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और सहयोगी मंत्री।

कचरा इधर-उधर नहीं, स्वच्छता का दिया बड़ा संदेश

देहरादून : प्रधानमंत्री ने रजत जयंती उत्सव के मुख्य कार्यक्रम में छोटी सी एक बात से देश को बड़ा संदेश दिया। स्वच्छता के लिए महा अभियान में जुटे प्रधानमंत्री ने रविवार को मंच से ही सफाई का बड़ा संदेश दिया। दरअसल, प्रधानमंत्री ने कॉफी टेबल बुक और डाक टिकट के स्पेशल कवर की लांचिंग की। इस दौरान बुक और स्पेशल कवर के ऊपर लिपटे रिबन को प्रधानमंत्री ने हटाया। इसके बाद, उन्होंने रिबन को इधर उधर न रख कर उठाकर सीधे अपनी जेब में रख लिया।

विशेष डाक टिकट का विमोचन किया

देहरादून : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रजत जयंती समारोह में उत्तराखंड डाक परिमंडल द्वारा राज्य के प्रमुख तीर्थ स्थलों एवं सांस्कृतिक प्रतीकों पर आधारित विशेष डाक टिकट श्रृंखला का विमोचन किया। इस विशेष डाक टिकट श्रृंखला के माध्यम से देवभूमि उत्तराखंड की धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्रदान की गई है। साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत राज्य के 28,000 से अधिक किसानों के बैंक खातों में 62 करोड़ से अधिक की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से जारी की। इस पहल से राज्य के किसानों को प्राकृतिक आपदाओं एवं फसल क्षति से सुरक्षा का लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री मोदी को ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ पर आधारित एक विशेष प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया भविष्य के उत्तराखंड का विजन

कहा-उम्मीदों और आकांक्षाओं के बीच पूरे हो रहे सभी सपने, रजत जयंती समारोह के संबोधन में 25 साल के राज्य की विकास यात्रा से कराया रूबरू

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह में भविष्य के उत्तराखंड का विजन सामने रखा। उन्होंने अपने संबोधन में जहां 25 साल की विकास यात्रा से रूबरू कराया। वहीं, दृढ़ विश्वास के साथ 25 साल बाद के उत्तराखंड की परिकल्पना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, 25 साल पहले केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने जिन उम्मीदों और आकांक्षाओं के बीच उत्तराखंड राज्य का निर्माण किया था, आज वो सभी सपने पूरे हो रहे हैं। 25 साल पहले जब नया-नया उत्तराखंड बना था तो उस संसाधनों के सीमित होने, लघु बजट और कम आय जैसी समस्याएं थीं और ज्यादातर जरूरतें केंद्रीय सहायता से पूरी होती थी लेकिन आज तस्वीर पूरी तरह बदली हुई है और 25 साल पहले उत्तरखंड का बजट जो सिर्फ चार हजार करोड़ रुपये था, आज बढ़कर एक लाख करोड़ रुपए के पार चला गया है। इस अवधि में राज्य का बिजली उत्पादन चार गुना और सड़कों की लंबाई दोगुनी हुई है। राज्य गठन के समय छह माह में चार हजार यात्री ही हवाई सेवाओं का इस्तेमाल कर पाते थे, आज यहां अकेले एक दिन में चार हजार से अधिक यात्री हवाई सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। इन 25 वर्षों में इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या 10 से ज्यादा बढ़ी है। तब राज्य में एक मेडिकल कॉलेज था जो आज 10 हो चुके हैं। आज हर गांव वैक्सीन कवरेज के दायरे में है। उत्तराखंड का प्रत्येक नागरिक अपने योगदान से भारत को विकसित देश की पंक्ति शामिल करने के लिए तैयार है और आज शुरू किए गए विकास कार्य तथा परियोजनाएं उत्तराखंड की विकास यात्रा को गति देने का काम करेंगी।

अंदर छिपी संभावना पर ध्यान देना होगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब पर्यटक यहां होम स्टे के घरेलू माहौल में डुबके, चुटकानी, रोट, अरसा और झंगोरा की खीर खाएंगे तो फिर दूसरी-तीसरी बार भी यहां आना चाहेंगे इसलिए उत्तराखंड को अपने अंदर छिपी हुई संभावना पर ध्यान देना होगा। हरेला, फुलदेई, भिंटोली जैसे त्यौहारों से पर्यटकों को जोड़े जाने की जरूरत है, इसी तरह नंदादेवी, जौलजीबी, बागेश्वर उत्तरायणी, देवीधुरा, श्रावणी और बटर फेस्टिवल जैसे जीवंत मेलों में यहां की आत्मा बसती है। इसके लिए यहां 'वन डिस्ट्रिक-वन फेस्टिवल' के जरिए उत्तराखंड को विश्व मानचित्र पर लाया जा सकता है।

रजत जयंती समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विशेष मंत्रणा करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

जहां चाह, वहां राह का मूलमंत्र अपनाना होगा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार सेब-कीवी के किसानों को अब डिजिटल करेंसी में अनुदान दे रही है। इस आधुनिक तकनीकी से आर्थिक मदद की ट्रैकिंग संभव है। उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था का संपर्क (कनेक्टिविटी) से गहरा नाता है। राज्य में इस समय दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं पर काम चल रहा है। ऋषिकेश-कर्णप्राग रेल परियोजना प्रगति पर है और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे तैयार हो चुका है। गौरीकुंड-केदारनाथ, गोविंदघाट- हेमकुंड साहिब रोपवे का शिलान्यास हो चुका है। ये सभी परियोजनाएं उत्तराखंड में विकास को नई गति दे रही हैं। उत्तराखंड ने गत 25 वर्षों में विकास की लंबी यात्रा तय की है लेकिन अब राज्य को अगले 25 वर्ष का रोडमैप तय करना है। इसके लिए राज्य को 'जहां चाह, वहां राह' का मूलमंत्र अपनाना होगा इसलिए अपने लक्ष्यों पर चर्चा के लिए नौ नवंबर से बेहतर दिन और क्या होगा।

प्रधानमंत्री ने धामी सरकार की इसलिए की प्रशंसा

प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड में विंटर टूरिज्म शुरू करने के लिए उत्तराखंड की धामी सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि सर्दियों में आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उत्तराखंड सरकार द्वारा आदि कैलाश में आयोजित हाई एल्टीट्यूड मैराथन और आदि कैलाश परिक्रमा रन की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि तीन साल पहले तक आदि कैलाश में साल में दो हजार से कम पर्यटक आते थे, आज यह संख्या बढ़कर 30 हजार हो चुकी है। इसी तरह बाबा केदारनाथ धाम में आने वाले पर्यटकों की संख्या भी 17 लाख तक पहुंच चुकी है। उत्तराखंड में ईको टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म विकास की नई ऊंचाई छू सकता है।

डेस्टिनेशन विकसित करने होंगे

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड अब फिल्म डेस्टिनेशन बन चुका है और राज्य की नई फिल्म नीति से यहां शूटिंग आसान हो गई है। इसी तरह उत्तराखंड वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है। वेड इन इंडिया मुहिम का लाभ उठाने के लिए उत्तराखंड को आलीशान सुविधाओं के साथ कुछ डेस्टिनेशन विकसित करने होंगे। उत्तराखंड के स्थानीय उत्पाद वोकल फॉर लोकल मुहिम से जुड़ रहे हैं। राज्य के 15 कृषि उत्पादों को जीआई टैग मिला है। बेड़ू फल और बदरी घी को हाल के दिनों में जीआई टैग मिलना गौरव की बात है। इसी तरह हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड, उत्तराखंड के उत्पादों को एक मंच पर ला रहा है। डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए उत्तराखंड के उत्पाद ग्लोबल मार्केट में जुड़ रहे हैं। अब तक की विकास यात्रा में कई रुकावटें आई, लेकिन भाजपा सरकार ने मजबूत संकल्प के साथ इन बाधाओं को दूर किया।

राजा ही धर्म का कारण और रक्षक होता है: मुख्यमंत्री धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्थापना दिवस रजत जयंती पर्व की बधाई देने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि ये हम सभी उत्तराखंडवासियों का सौभाग्य है कि इस ऐतिहासिक अवसर पर हमें प्रधानमंत्री मोदी का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शास्त्रों में भी कहा गया है...राजा धर्मस्य कारणम्.. यानि राजा ही धर्म का कारण और रक्षक होता है, जब राजा धर्मपरायण होता है, तब राज्य में सबका कल्याण होता है। ये सूत्र वाक्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिव्य, प्रेरणादायी और कर्मनिष्ठ व्यक्तित्व का साक्षात प्रतिबिंब है। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी तीनों सेनाओं ने ऑपरेशन सिन्दूर में दुश्मन को कड़ा सबक सिखाने का काम किया। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा पुष्पित-पल्लवित उत्तराखंड, वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लिए विकसित उत्तराखंड के मंत्र पर चलते हुए, एक समृद्ध और आत्मनिर्भर प्रदेश बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व में उत्तराखंड ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, जी-20 सम्मेलन की बैठकों सहित 38वें राष्ट्रीय खेलों के भव्य आयोजनों द्वारा भी बदलते उत्तराखंड की सुनहरी तस्वीर विश्व पटल पर प्रस्तुत की है।

सीएम धामी ने कहा कि केदारनाथ त्रासदी, सिलक्यारा टनल हादसा, जोशीमठ भूधंसाव या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के समय प्रधानमंत्री मोदी ने संवेदनशीलता के साथ उत्तराखंड की जनता का साथ दिया है। प्रधानमंत्री के इसी स्नेहपूर्ण सहयोग और मार्गदर्शन से उत्तराखंड कठिनाइयों से उबरकर एक नई शक्ति, नए संकल्प और नई ऊर्जा के साथ आज आगे आगे बढ़ रहा है। कहा कि प्रदेश सरकार विकास के साथ-साथ राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता, पारंपरिक पहचान और डेमोग्राफिक संतुलन को संरक्षित रखने के लिए भी कार्य कर रही है। इसी क्रम में समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, धर्मांतरण विरोधी कानून, दंगारोधी कानून, मदरसा बोर्ड की समाप्ति जैसे कार्यों से उत्तराखंड एक समरस समाज के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। इस मौके पर राज्यपाल गुरमीत सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी, राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट सहित सभी कैबिनेट मंत्री एवं सांसद मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में होता नैनी सैनी हवाई अड्डे के अधिग्रहण का एमओयू।

नैनी सैनी हवाई अड्डे के अधिग्रहण को एमओयू

देहरादून : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और उत्तराखंड सरकार के बीच पिथौरागढ़ स्थित नैनी सैनी हवाई अड्डे के अधिग्रहण के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह ऐतिहासिक समझौता उत्तराखंड के पर्वतीय अंचल में सुगम, सुरक्षित और टिकाऊ हवाई संपर्क की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नैनी सैनी हवाई अड्डे का कुल क्षेत्रफल लगभग 70 एकड़ है। यहां का टर्मिनल भवन व्यस्त समय में 40 यात्रियों को सेवा प्रदान करने में सक्षम है। साथ ही, एप्रन एक समय में दो विमानों (कोड-2B) को समायोजित करने की सुविधा से सुसज्जित है। इस अधिग्रहण से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा।

पहाड़ी बोली, पहाड़ी टोपी पीएम का हर अंदाज पहाड़ी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- रजत जयंती के मुख्य कार्यक्रम में उत्तराखंड से गहरा कनेक्ट कर गए पीएम नरेंद्र मोदी
- इससे पहले अपने किसी भाषण में पीएम ने नहीं बोली इतनी अधिक गढ़वाली व कुमाऊनी

अमृत विचार: सिर पर पहाड़ी टोपी और भाषण में जगह-जगह गढ़वाली व कुमाऊनी बोली। उत्तराखंड के रजत जयंती के मुख्य कार्यक्रम में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर अंदाज पहाड़ीपन से घुला-मिला दिखा। उन्होंने गढ़वाली व कुमाऊनी के कई-कई वाक्य बोले। वो भी कई बार।

अक्सर प्रधानमंत्री उत्तराखंड के कार्यक्रमों में पहाड़ी बोली-भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं, मगर आज के भाषण में उन्होंने जितनी गढ़वाली कुमाऊनी बोली, उतनी कभी नहीं बोली थी। ये ही वजह रही, कि उत्तराखंड ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इस बार और भी गहरा कनेक्ट महसूस किया। प्रधानमंत्री ने अपने चिर-परिचित अंदाज में भाषण की शुरूआत की और कहा-देवभूमि उत्तराखंड का मेरा भै बंधु, दीदी, भुलियों, दाना सयानो, आप सबू तई म्यारू नमस्कार। पैलाग, सैंवा सौंली।

अपने भाषण के बीच में प्रधानमंत्री ने जब फिर से गढ़वाली में बोलना शुरू किया, तो इसने लोगों को और रोमांचित कर दिया। प्रधानमंत्री बोले-पैली पहाड़ू कू

चढ़ाई, विकास की बाट कैल रोक दी छै। अब वखि बटि नई बाट खुलण लग ली।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण मे पहाड़ के लोक पर्वों, लोक परंपराओं और महत्वपूर्ण आयोजनों को भी शामिल किया। इस क्रम में उन्होंने हरेला, फुलदेई, भिटोली, नंदादेवी, जौलजीबी, देवीधुरा मेले से लेकर दयारा बुग्याल के बटर फेस्टिवल तक का जिक्र किया।

विकास यात्रा को साकार करने वालों से हुआ संवाद

संवाददाता, देहरादून

- पीएम मोदी ने किया युवाओं, महिलाओं व उद्यमियों से संवाद

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर एफआरआई परिसर में आयोजित भव्य समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड की विकास यात्रा को साकार करने वाले विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों से संवाद किया। यह संवाद राज्य की 25 वर्षों की प्रगति और आम नागरिकों की भूमिका को रेखांकित करने वाला सशक्त मंच सिद्ध हुआ।

संवाद में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, युवा नवाचारक, पर्यटन और एडवेंचर स्पोर्ट्स से जुड़े उद्यमी तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थी शामिल रहे। इन प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार राज्य सरकार की योजनाओं, बेहतर संपर्क एवं बुनियादी ढांचे और नवाचार को प्रोत्साहन ने उनके जीवन और आजीविका को परिवर्तित किया।

प्रधानमंत्री ने इन सभी को उत्तराखंड की नई पहचान- आत्मनिर्भर, सशक्त और सतत राज्य का प्रतीक बताया। कहा कि इन उद्यमियों, युवाओं और ग्रामीण महिलाओं की सफलता की कहानियां विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में प्रेरक सिद्ध होंगी। राज्य की प्रगति लोगों की भागीदारी, सामुदायिक नेतृत्व और नवाचार की भावना से प्रेरित है। यह संवाद विकसित उत्तराखंड की दिशा में जनसहभागिता आधारित विकास मॉडल की झलक प्रस्तुत करता है।

पीएम ने दी विकास की सौगात

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की रजत जयंती के अवसर पर 8260.72 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए विकास की सौगात दी।

प्रधानमंत्री ने इनमें 7329.06 करोड़ रुपये की 19 योजनाओं का शिलान्यास किया, जिनमें मुख्य रूप से 2491.96 करोड़ की सौंग बांध पेयजल परियोजना है। देहरादून और टिहरी जनपद में प्रस्तावित सौंग बांध पेयजल परियोजन से देहरादून जनपद में 150 एमएलडी पेयजल आपूर्ति होगी। परियोजना में 130 मीटर ऊंचा बांध बनाया जाएगा। इससे देहरादून शहर की जलापूर्ति में सुधार होगी।

इसके अलावा 2584.10 करोड़ की जमरानी बांध पेयजल परियोजना है। नैनीताल जनपद में प्रस्तावित जमरानी बांध परियोजना, एक बहुउद्देशीय परियोजना है। इससे पेयजल, सिंचाई की आवश्यकता पूरी करने के साथ ही विद्युत उत्पादन भी किया जाएगा।

परियोजना से 57065 हेक्टेयर क्षेत्रफल में सिंचाई होने के साथ 14 मेगावाट बिजली का भी उत्पादन होगा। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने 931.65 करोड़ रुपये लागत 12 विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण किया। इनमें हल्द्वानी स्टेडियम में हॉकी ग्राउंड (एस्ट्रोट्रफ) का निर्माण कार्य भी शामिल है।

विकास प्रदर्शनी आम जनता के लिए खुली

देहरादून: उत्तराखंड राज्य गठन की रजत जयंती पर आयोजित मुख्य समारोह के उपलक्ष्य में, वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में राज्य के विकास कार्यों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी लगाई गई है। सचिव उद्योग विनय शंकर पांडे ने बताया कि यह प्रदर्शनी 12 नवम्बर तक प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आम जनता के लिए खुली रहेगी। इस प्रदर्शनी में उत्तराखंड राज्य के 25 वर्षों की विकास यात्रा को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत स्टॉलों के माध्यम से पेयजल, सिंचाई, ऊर्जा, पर्यटन, उद्योग, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीकी शिक्षा तथा महिला सशक्तिकरण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में हुए उल्लेखनीय कार्यों को दर्शाया गया है। सचिव पांडे ने आम नागरिकों और विद्यार्थियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्रदर्शनी का अवलोकन करें।

सिटी ब्रीफ

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

लालकुआं : नगर के एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम है। यहां बजरी कंपनी संजय नगर निवासी कमल सिंह (40) पुत्र रंग बहादुर सिंह गत दिवस बरेली अपने ससुराल परिवार समेत गया हुआ था। रात में खाना खाकर सोने के बाद रविवार सुबह कमल को उसकी पत्नी ने जगाया तो वह नहीं उठा। उसे तुरंत ही भोजीपुरा के राम मूर्ति अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कमल की तीन छोटी बेटियां हैं, वह लालकुआं गौला नदी की गाड़ियां चलाता था।

कमल। (फाइल फोटो)

पूरे नहीं हुए राज्य स्थापना के उद्देश्य: सिद्दीकी

हल्द्वानी : समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रभारी हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने राज्य स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य का गठन जिन जल, जंगल, जमीन, रोजगार, पलायन एवं विकास जैसे मुद्दों को लेकर वह जस के तस बने हुए हैं। सिद्दीकी ने कहा कि राज्य में पलायन थमने का नाम नहीं ले रहा है। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। कहा कि सरकारों की कमी से राज्य का विकास अपेक्षित रूप से नहीं हुआ।

कांग्रेस ने किया आंदोलनकारियों का सम्मान

राज्य स्थापना के 25 वर्ष होने पर विधायक सुमित हृदयेश ने जताई पीड़ा, बोले रोजगार बढ़ा न पलायन रुका

संवाददाता, हल्द्वानी

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर स्वराज आश्रम में सम्मानित किए गए राज्य आंदोलनकारियों के साथ विधायक सुमित हृदयेश और पार्टी पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ को रजत जयंती गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम स्वराज आश्रम, कांग्रेस भवन में हुआ। इस अवसर पर राज्य आंदोलनकारियों का माल्यार्पण कर शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि उत्तराखंड राज्य की स्थापना आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। मातृशक्ति और छात्र शक्ति ने इस आंदोलन में नेतृत्व की भूमिका निभाई। यह सम्मान समारोह न केवल उनके योगदान को स्मरण करने का अवसर है, बल्कि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। कहा कि उत्तरांचल से उत्तराखंड तक की 25 वर्षों की यात्रा राज्य निर्माण की भावना के अनुरूप नहीं रही। न पलायन रुका, न रोजगार बढ़ा है और बढ़ी तो केवल अफसरशाही और तानाशाही।

महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट ने कहा कि आज यह चिंतन का विषय है कि जिस सोच और उद्देश्य के साथ राज्य की मांग उठी थी, क्या वह पूर्ण हो पाई। ललित जोशी ने कहा कि हमें सोचना होगा कि क्या आंदोलनकारियों का सपना साकार हुआ।

जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने कहा कि 25 वर्ष पूर्व जिन परिस्थितियों में पृथक राज्य की मांग उठी थी, आज भी हालात लगभग वैसे ही हैं। यह सबके लिए आत्ममंथन और विचार का विषय है। कार्यक्रम में प्रमुख राज्य आंदोलनकारी डॉ. केदार पलड़िया, हेमंत बगड़वाल, ललित जोशी, जगमोहन चिलवाल, जगमोहन बगड़वाल और कैलाश शाह ने भी अपनी बात रखी।

इस दौरान सुहैल सिद्दीकी, नरेश अग्रवाल, मलय बिष्ट, डॉ. मयंक भट्ट, मधु सांगूड़ी, भागीरथी बिष्ट, जया कर्नाटक, राधा आर्य, मीमांसा आर्य, विमला सांगूड़ी, गीता बहुगुणा, रत्ना श्रीवास्तव, पुष्पा तिवारी, नितिन भट्ट, कौशलेंद्र भट्ट, हेम पांडे, जाकिर हुसैन, सूरज प्रकाश, एड. धर्मवीर भारती, सुशील डुंगरकोटी, गुरप्रीत सिंह, लाल सिंह पंवार, दिवेश तिवारी, देवेंद्र नेगी, सतनाम सिंह चटवाल आदि रहे।

इनको किया गया सम्मानित

हल्द्वानी : कार्यक्रम में विजय सिजवाली, सुनील पंत, गोविंद नागिला, भुवन तिवारी, राजेंद्र खनवाल, डॉ. बालम बिष्ट, ललित कांडपाल, दिनेश तिवारी, आशा रावत, जानकी जोशी, सुनील कुमार, अतहर हुसैन, माया देवी, कमला बिष्ट, जानकी देवी, विनोद कुमार, आनंद सिंह, विनीत लोहनी, बलवंत डंगवाल, प्रदीप अनेरिया, डॉ. डी.एन. भट्ट, धर्मा पलड़िया, पुष्पा भट्ट, जानकी परगाई, दुर्गा त्रिपाठी, कांति देवी, मोहनी रावत, नमिता अग्रवाल, भगवान सिंह, बनवंत राणा, नारायण सिंह, गंगा सिंह, कुंदन मेहता, पुष्पा बिष्ट, कमला जोशी आदि आंदोलनकारियों का सम्मान किया गया।

देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल राज्य स्थापना दिवस पर किया मिष्ठान वितरण।

गैरसैण राजधानी का सपना साकार करना बेहद जरूरी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गुरुनानक मार्केट स्थित देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश कार्यालय में रविवार को उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में राज्य आंदोलनकारियों का सम्मान और शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष हुकम सिंह कुंवर ने कहा कि स्थायी राजधानी गैरसैण शहीदों के सपनों की राजधानी थी, जिसे साकार करना जरूरी है। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से आंदोलनकारियों के लिए पेंशन वृद्धि, रेस्ट हाउस में छूट और वंचित आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण को स्वीकार करने की सराहना की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ आंदोलनकारी अनिल खंडेलवाल ने की। इस मौके पर तरुण पंत, पंकज सुयाल, अनीता अग्रवाल, मोहिनी रावत, वीरेंद्र रौतेला, विनीत लोहनी आदि उपस्थित रहे।

25 साल बाद भी शिक्षा और रोजगार की कमी

हल्द्वानी : प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने राज्य के स्थापना दिवस की रजत जयंती पर राज्य के गठन का पूरा श्रेय आंदोलनकारी महिलाओं को दिया। संगठन के प्रदेश महामंत्री राजेंद्र फर्स्वाण और प्रदेश संगठन प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार शहीद आंदोलनकारियों का अपमान है। प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मोंगा, संयोजक धर्म यादव, महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, प्रदेश सचिव रामबाबू मिश्रा, शकील अहमद, दीपक माहेश्वरी, पूरन लाल साह, कुंदन बिष्ट ने शहीदों को याद किया।

राज्य बनने के बाद हालात बद से बदतर हुए, बेरोजगारी चरम पर

संवाददाता, हल्द्वानी

बुद्ध पार्क में परिचर्चा करते तमाम संगठनों के लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के 25 साल पूरे होने के अवसर पर शहर के बुद्ध पार्क में विभिन्न संगठनों ने संयुक्त रूप से एक परिचर्चा का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत राज्य आंदोलन के शहीदों की याद में मौन रखकर की गई।

वक्ताओं ने कहा कि आज से 25 वर्ष पूर्व अलग राज्य की मांग को लेकर छात्रों, नौजवानों, महिलाओं, मजदूरों, किसानों और मेहनतकश वर्गों ने एकजुट होकर संघर्ष किया था। राज्य बनने के हालात बद से बदतर होते चले गए हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। वक्ताओं ने कहा कि कलस्टर विद्यालय योजना के नाम पर सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है, जिससे गरीब और मेहनतकश तबके के छात्र शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। रोजगार के अवसर घटे हैं, और पेपर लीक जैसी घटनाओं ने युवाओं की समस्याओं को और गहराया है। कार्यक्रम में मानव अधिकार रक्षा अभियान, पछास, भीम आर्मी, क्रांतिकारी लोक अधिकार संगठन, प्रगतिशील भोजनमाता संगठन, जन मैत्री संगठन, मूल निवासी संगठन, ट्रेड यूनियन सहित कई संगठन शामिल हुए।

इस अवसर पर यतीश पंत, महेश, रजनी जोशी, हरीश लोधी, राजीव टंडन, आकाश, प्रकाश चन्द्र फुलौरिया, टीकाराम पांडेय, चन्द्र शेखर भट्ट, अनिषेख, निघत परवीन, सवालधा, शखावत, मुकेश भंडारी, भावना गोस्वामी, जीआर टम्टा, बची सिंह बिष्ट, मदन मेर, योगेश्वर पंत, गंगा प्रसाद, एडवोकेट सुंदर लाल, आरपी गंगोला, चन्दन सहित अनेक लोग रहे।

बेस अस्पताल में रक्तदान शिविर

हल्द्वानी, अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर चिह्नित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में बेस अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शहीद आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी गई और रक्तदान के माध्यम से समाजसेवा का संदेश दिया गया। शिविर में लीला कांडपाल, संजय कांडपाल, सनी नेगी, अजय कुमार, राजेश बिष्ट, नीरज, भुवन चंद जोशी, पूरण चंद जोशी सहित कई लोगों ने रक्तदान किया। राजेंद्र सिंह बिष्ट, कमल जोशी, ज्योत्सना पांडे, पुष्पा बिष्ट, राजेंद्र सुयाल, हेम पाठक, मोहन पाठक, जसविंदर भसीन, संतोष कुमार, अयोध्या प्रसाद केसरवानी, ललित जोशी, हेमंत बगडवाल, जगमोहन चिलवाल, राजेंद्र खनवाल, केदार ईशाक, कमल मेहरा, डॉ. प्राची थपलियाल, काउंसलर सरिता रावत, नर्सिंग ऑफिसर गोविंद रावत, पुष्कर जीना मौजूद रहे।

उक्रांद ने कैंडल जलाकर शहीदों को किया याद

संवाददाता, हल्द्वानी

डीडी पंत पार्क में राज्य स्थापना दिवस पर मौजूद उक्रांद पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: उत्तराखंड क्रांति दल ने राज्य स्थापना दिवस डीडी पंत पार्क में मनाया। इस अवसर पर 42 मोमबत्तियां जलाकर 42 शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई और स्वर्गीय डीडी पंत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उत्तराखंड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर उत्तराखंड राज्य स्थापना के 25वीं सालगिरह पर पूरे उत्तराखंड वासियों को उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। जिसमें उत्तराखंड राज्य को शहीदों के सपनों का राज्य बनाने के लिए उत्तराखंड क्रांति दल के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी ने अपना योगदान देने के लिए वचन दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थापक सदस्य उक्रांद खड़क सिंह बगड़वाल ने किया। संचालन एनडी तिवारी ने किया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष नैनीताल प्रताप चौहान, एडवोकेट प्रकाश जोशी, भुवन चंद जोशी, मदन सिंह मेर, एडवोकेट मोहन कांडपाल, कमल पंत, एनके पांडे, बच्ची सिंह बिष्ट, उत्तम बिष्ट, कैप्टन एमसी तिवाड़ी, गोविंद सिंह गस्याल, भुवन सिंह बिष्ट, दीपक भारती, अशोक सिंह बोहरा, जगदीश चंद्र, मोहन सिंह नेगी, हरीश मेवाड़ी, प्रदीप कुमार कोठारी, प्रदीप पंत, सोनई योगी, प्रकाश सिंह, हेम चन्द्र पाठक, कृष्ण चन्द्र आर्य, भूपेन्द्र सिंह, दिनेश चन्द्र आर्य आदि रहे।

मेडिकल कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

हल्द्वानी : उत्तराखंड राज्य की 25वीं वर्षगांठ पर राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में रंगारंग कार्यक्रम हुए। मेडिसिन विभाग की अध्यक्ष डॉ. साधना अवस्थी ने कुमाऊंनी गीत गाया। गायन प्रतियोगिता में प्रीति प्रथम, अक्षत द्वितीय, मनस्वी तृतीय रहे। लेखन में रुद्रांश प्रथम, सृष्टि द्वितीय और मनीष तृतीय रहे। पेंटिंग में तमन्ना प्रथम, विवेक द्वितीय और नेहा तृतीय रहे। वाद-विवाद में नाव्या प्रथम, अतुल द्वितीय, भाव्या और खुशबू - संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने हिंदी, पहाड़ी, हरियाणवी और कुमाऊनी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल, एमएस डॉ. अरुण जोशी, डॉ. आरजी नौटियाल, डॉ. केसी पाण्डेय, डॉ. ऋतु रखोलिया, डॉ. हरि शंकर पांडे, डॉ. अतुल सक्सेना, हरिमोहन उपाध्याय, रवि पाल आदि रहे।

राज्य स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेते विज्डम स्कूल के बच्चे।

पूर्व सैनिकों ने मनाया स्थापना दिवस

संवाददाता, हल्द्वानी

राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम में मौजूद पूर्व सैनिक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने कमलुवागांजा चौराहा के पास बैंक्वट हॉल में वार्षिक प्रांत अधिवेशन आयोजित किया। इस दौरान उत्तराखंड रजत जयंती समारोह भी मनाया गया।

मुख्य अतिथि आरएसएस के उत्तराखंड प्रांत सह प्रचारक चंद्र शेखर रहे। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिक समाज के सच्चे प्रेरणास्रोत हैं। विशिष्ट अतिथि विधायक कालाढूंगी बंशीधर भगत ने कहा कि पूर्व सैनिकों ने देश की रक्षा के साथ समाज में एकता, देशभक्ति का वातावरण भी बनाया है। इस दौरान परिषद जिला नैनीताल के अध्यक्ष डीके जोशी (सेना मेडल), प्रांत महामंत्री पूर्व सैनिक देवेंद्र डोभाल, कविता नेगी, सोबन सिंह भड़, पुष्कर बोरा, गोविंद बड़ती, अर्जुन सिंह भंडारी, भुवन चंद्र पाठक, नारायण सिंह बोरा आदि रहे।

राज्य आंदोलनकारियों ने किया रक्तदान

हल्द्वानी : राज्य स्थापना की रजत जयंती पर चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में रविवार को बेस अस्पताल में रक्तदान शिविर लगाया गया। बिष्ट ने कहा कि सरकार गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाए, पहाड़ी जिलों में सरकारी अस्पतालों की संख्या बढ़ाई जाए। हर ग्राम सभा तक सड़कों का निर्माण किया जाए, शिक्षा व्यवस्था दुरुस्त की जाए। रक्तदान शिविर में लीला कांडपाल, संजय कांडपाल, सनी नेगी, अजय कुमार, राजेश बिष्ट, नीरज, भुवन चंद जोशी, पूरन चंद जोशी ने रक्तदान किया। इस दौरान कमल जोशी, ज्योत्सना पांडे, पुष्पा बिष्ट, हेम पाठक, मोहन पाठक रहे।

राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मेंहदी रचाती छात्राएं।

छात्राओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

हल्द्वानी : राज्य स्थापना दिवस पर राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में एनएसएस शिविर आयोजित किया गया। जिला समन्वयक प्रो. जेएस नेगी के निर्देशन में छात्राओं ने परिसर व आसपास स्वच्छता अभियान चलाया और पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया। इसके बाद मेहंदी प्रतियोगिता और कुमाऊनी ऐपण कला प्रदर्शन ने कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा और युवाओं की जिम्मेदारी पर प्रेरक विचार साझा किए।

शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार देना अब भी बड़ी चुनौती

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एमबीपीजी कॉलेज में राज्य स्थापना की रजत जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वाणिज्य विभाग के प्रो. सीएस जोशी ने राज्य के 25 सालों की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा, बेरोजगारी, स्वास्थ्य और पलायन जैसे मुद्दों पर ईमानदार प्रयासों की जरुरत बताई। आंदोलनकारियों ने राज्य आंदोलन की स्मृतियां साझा की और संस्कृति संरक्षण पर जोर दिया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने नृत्य, योग, गायन और ऐपण प्रतियोगिताओं में भाग लिया। निदेशक प्रो. खाली ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस दौरान ई-मैगजीन "समावर्तनम" का विमोचन भी किया गया। प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी ने सभी को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. बीएस खाली, सहायक निदेशक मनीषा तिवारी और राज्य आंदोलनकारी मोहन पाठक, विजय भट्ट, मोहन सिंह भैंसोड़ा, सुरेंद्र रौतेला और दिनेश जायसवाल, डॉ. बीआर पंत, डॉ. महेश कुमार रहे।

झंगोरे की खीर व मडुवे की रोटी का लिया स्वाद

हल्द्वानी, अमृत विचार : रामपुर रोड स्थित विज्डम स्कूल में राज्य स्थापना दिवस का रजत जयंती कार्यक्रम मनाया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों की ओर से प्रदेश की संस्कृति व पौराणिक स्थलों, संगीत, विज्ञान व व्यंजनों से संबंधित स्टॉल लगाए गए, जिनमें झंगोरे की खीर, मडुवे की रोटी व बिस्कुट, आलू- पिनालू के गुटके, सिसून का साग आदि व्यंजन अभिभावकों को परोसे गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्तराखंड के संगीत की सुंदर प्रस्तुति दी। इस मौके पर प्रबंध निदेशक राजेंद्र पोखरिया ने उत्तराखंड के शहीद आंदोलनकारियों को याद करते हुए उनके योगदान को सराहा। साथ ही विद्यार्थियों से उत्तराखंड की संस्कृति व भाषा को संरक्षित रखते हुए आगे बढ़ने को प्रोत्साहित किया।

आयोजन | राज्य स्थापना की रजत जयंती पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने हाईकोर्ट सभागार में आयोजित किया सम्मान समारोह

राज्य आंदोलन में सक्रिय रहे अधिवक्ताओं का सम्मान

विधि संवाददाता, नैनीताल

शहीद आंदोलनकारियों की लड़ाई लड़ रहे अधिवक्ता रमन शाह को किया गया सम्मानित।

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य, उत्तराखंड हाईकोर्ट एवं हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के रजत जयंती के मौके पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा हाईकोर्ट सभागार में वरिष्ठ अधिवक्ताओं, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व सचिवों सहित राज्य आंदोलन में सक्रिय रहे अधिवक्ताओं का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दिनों की याद ताजा करते हुए कहा कि यह स्वतः स्फूर्त आंदोलन था जिसमें हर वर्ग का व्यक्ति शामिल रहा। इन 25 वर्षों में राज्य ने कई क्षेत्रों में उन्नति की है लेकिन राज्य के समग्र विकास के लिए हम सभी को एकजुट प्रयास करने होंगे।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दुर्गा सिंह मेहता ने न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं का स्वागत करते हुए इस आयोजन के उद्देश्यों पर चर्चा की। उत्तराखंड आंदोलनकारी अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रमन शाह ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के हितों की लड़ाई अभी जारी है। अन्य वक्ताओं ने कहा कि, पर्वतीय क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है और राज्य बनने के बाद गांवों से पलायन की गति कई गुना बढ़ी है जो पर्वतीय राज्य की मूल अवधारणा के खिलाफ है। राज्य आंदोलनकारियों की मांग गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाये जाने की है जिस पर सरकारें टालमटोल कर रही हैं।

न्यायाधीश न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित, न्यायमूर्ति आलोक महरा, न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की मौजूदगी में हुए इस सम्मान समारोह में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पहले अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह पाल, राज्य आंदोलनकारियों के हितों की लड़ाई लड़ रहे अधिवक्ता रमन शाह, पूर्व अध्यक्ष डीके शर्मा, प्रभाकर जोशी, केएस बोरा, पूरन बिष्ट, आर वीपी नौटियाल, जेपी जोशी, बीडी उपाध्याय, लोकेंद्र डोभाल, राजेन्द्र डोभाल, ललित बेलवाल, राम सिंह सम्भल, केपी उपाध्याय, राम सिंह बसेड़ा, पूर्व सचिव त्रिभुवन फर्त्याल, विनोद तिवारी, कमलेश तिवारी, विजय प्रकाश बहुगुणा, भुवनेश जोशी, सौरभ अधिकारी, योगेश पचौलिया, दीप जोशी, राजेश जोशी, रविन्द्र बिष्ट, कैलाश तिवारी, डीके जोशी, चन्द्रमौलि साह सहित वर्तमान अध्यक्ष दुर्गा मेहता, उपाध्यक्ष मधु नेगी सामंत, सुखवाणी, अनिल मेर आदि को सम्मानित किया गया।

राज्य आंदोलन से लें समाज हित की प्रेरणा

हल्द्वानी : कालाढूंगी रोड स्थित पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्या डॉ. भारती नारायण भट्ट ने की।

कार्यक्रम में स्वयंसेवियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी दीप्ति पंत और कविता पाठक ने छात्राओं के सेवा कार्यों का निरीक्षण किया। प्रधानाचार्या डॉ. भट्ट ने छात्राओं को राज्य आंदोलन से प्रेरणा लेकर समाज के उत्थान में योगदान देने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि राज्य आंदोलनकारी केदार पलाड़िया और पार्षद शैलेंद्र दानू, विशिष्ट अतिथि अभिभावक संघ अध्यक्ष जीवन गोस्वामी रहे। अतिथियों ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन के संघर्षों, व शहादत पर प्रकाश डाला।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार,10 नवंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

पुलिस ने अज्ञात बुजुर्ग का शव बरामद किया

रामनगर। लखनपुर चुंगी के पास से पुलिस ने अज्ञात 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव बरामद किया है। शव की पहचान नहीं हो पाई। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि यह बुजुर्ग व्यक्ति लंबे समय से आसपास में ही घूम रहा था, शव के शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरने की कार्रवाई की है और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

बाईपास मार्ग में लगेगा स्पीड ब्रेकर

भीमताल : भीमताल बाईपास मार्ग में लोक निर्माण विभाग भवाली के द्वारा कराए गए डामरीकरण को लेकर प्रकाशित खबर में तेज रफ्तार वाहनों से जनता को हो रही परेशानी को लेकर अमृत विचार अखबार की खबर का संज्ञान लेते हुए लोनिवि ने यहां स्पीड ब्रेकर लगाने की बात कही है। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग कृष्ण कुमार ने बताया कि वर्तमान में मोटर मार्ग में कार्य चल रहा है। कार्य पूर्ण होते होते स्पीड ब्रेकर लगा दिए जाएंगे। स्थानीय जनता ने समस्या उठाने को लेकर अमृत विचार अखबार का आभार व्यक्त किया है।

स्वयंसेवियों ने स्वच्छता अभियान चलाया

कालाढूंगी : राज्य स्थापना दिवस पर अटल उत्कृष्ठ राइका के एनएसएस स्वयंसेवियों ने नगर के वार्ड नं- 5 में स्वच्छता अभियान चलाया। रविवार को शिविर का उद्घाटन कार्यक्रम अधिकारी अकील अहमद व प्रधानाचार्य अशोक कुमार ने किया। स्वयंसेवियों ने कार्यक्रम व नाटकों की प्रस्तुति दी। वक्ताओं ने राज्य स्थापना के इतिहास पर प्रकाश डाला। इस दौरान हीरा सिंह बोरा, जितेन्द्र चौहान व स्वयंसेवी मौजूद रहे।

युवाओं में साहसिक खेलों के प्रति उत्साह

नैनीताल : उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय रॉक क्लाइंबिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का रविवार को डीएसए मैदान स्थित आर्टिफिशियल रॉक वॉल में समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में स्थानीय लोगों के साथ हो पर्यटकों ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रॉक क्लाइंबिंग, रैपलिंग के साथ-साथ अन्य साहसिक खेलों की जानकारी भी दी गई। रॉक क्लाइंबिंग प्रशिक्षक दीपक कुमार ने युवाओं एवं पर्यटकों को प्रशिक्षण प्रदान किया।जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने कहा कि पर्यटन केवल होटल या होमस्टे तक सीमित नहीं है, बल्कि साहसिक खेलों के माध्यम से इसका दायरा लगातार बढ़ रहा है। इससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और पर्यटन उद्योग को भी नई दिशा मिलेगी।इस अवसर पर सहायक प्रशिक्षक संजीव, दीपक सिंह, पीसी मनराल, सीएस बिष्ट, मो. गफ्फार, कविता गंगोला एवं आशीष सहित अन्य मौजूद रहे।

भीमताल और उसके आसपास की दस प्रमुख झीलें बन सकती हैं देश-विदेश के पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

हिमालय दर्शन की तर्ज पर भीमताल में पर्यटन सर्किट बनेः कार्तिक

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: क्षेत्र में पर्यटन स्थलों की कोई कमी नहीं है, बस जरूरत है इनके समुचित प्रचार-प्रसार की। यह बात भीमताल के समीप नौकुचियाताल के पर्यटन कारोबारी और सामाजिक कार्यकर्ता कार्तिक कर्नाटक ने एक प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने नैनीताल की लेकसाइड और हिमालय दर्शन की तर्ज पर भीमताल में भी पर्यटन सर्किट बनाए जाने की वकालत की।

कार्तिक ने बताया कि भीमताल और उसके आसपास दस प्रमुख झीलें हैं, जिनमें रामताल, लक्ष्मणताल, सीतातााल, गरुड़ताल, भारततााल, नलदमयंती ताल, कमल ताल और नौकुचियाताल सम्मिलित हैं। इन सभी को मिलाकर एक लेक सर्किट बनाया जा सकता है। इसी तरह भीमताल और आसपास के मंदिरों की भी बहुतायत है। नल दमयंती देवी मंदिर, भीमेश्वर मंदिर, कुचला देवी मंदिर, हर की पौड़ी और हनुमान मंदिर को मिलाकर एक धार्मिक सर्किट की अपार संभावनाएं हैं। युवाओं के लिए साहसिक पर्यटन जैसे पैराग्लाइडिंग, एटीवी, जिपलाइन, कयाकिंग जैसी गतिविधियां भीमताल और नौकुचियाताल के आसपास ही स्थित हैं। जो पर्यटक ट्रेकिंग में रुचि रखते हैं, उनके लिए करकोटक पहाड़ी के साथ-साथ छोटा कैलाश आदि की ट्रेकिंग भी कम आकर्षण का केंद्र नहीं है। इन सभी संभावनाओं के बावजूद पर्यटक केवल एक-दो पर्यटक स्थलों तक ही सीमित रह जाते हैं। जानकारी के अभाव में पर्यटक चाहकर भी इन पर्यटक स्थलों का आनंद नहीं उठा पाते हैं। पर्यटन क्षेत्र की अपार संभावना होने के बावजूद, प्रचार-प्रसार की कमी के चलते पर्यटक इनका लाभ नहीं ले पा रहे हैं। उन्होंने पर्यटन बढ़ाने के साथ-साथ मूलभूत सुविधाओं में भी सुधार की मांग की है।

पार्किंग और टोल वसूली में सुधार की आवश्यकता

कमल ताल में आयोजित पर्यटन कारोबारियों की बैठक में भीमताल में पार्किंग वसूली के नाम पर लिए जाने वाले टैक्स पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की गई। बताया गया कि टोल टैक्स वसूल करने वाले नौकुचियाताल जाने वाले क्षेत्र, जंगलीया गांव जाने वाले क्षेत्र, या वहां निवास करने वाले क्षेत्र के वाहनों से भी नियमित तौर पर टोल वसूली कर रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने बताया कि टोल वसूली का तरीका भी गलत है। बीच सड़क में हाथ दिखाकर टोल वसूल करते हैं, जिससे यातायात जाम तो लगता ही है, कभी कोई बड़ी दुर्घटना भी हो सकती है। वहीं, कारोबारियों ने अवैध रूप से भीमताल झील में संचालित बोट स्टैंड को हटाने की मांग भी प्रमुखता से की। बैठक में होटल व्यवसायी राहुल जोशी, नितेश बिष्ट, कार्तिक कर्नाटक, कुंदन मेहरा, राकेश भट्ट, लकी पोखरिया, जितेंद्र चनौतिया, अनिल चनौतिया, मनोज दुर्गापाल, प्रदीप कर्नाटक, राहुल कर्नाटक समेत दर्जनों कारोबारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए तन्मय का चयन

हल्दूचौड़: 3 नवंबर से लेकर 5 नवंबर तक हल्द्वानी में आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 14 विद्यालयी बैडमिंटन स्पर्धा में खष्टी देवी राजकीय इंटर कॉलेज हल्दूचौड़ के छात्र तन्मय वर्मा ने एकल फाइनल मुकाबले में यूएस नगर के अनय श्रीवास्तव को पराजित कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्थान हासिल किया है। प्रतियोगिता 17 से 21 दिसंबर तक मध्य प्रदेश के सागर में आयोजित होगी और यह उसमें उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यालय पहुंचने पर तन्मय वर्मा का जोरदार स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य सच्चिदानंद दुम्का ने मेडल, ट्रॉफी व सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

नैनीताल में राज्य आन्दोलनकारियों को किया सम्मानित

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया उत्तराखंड का रजत जयंती वर्ष, मंडल आयुक्त दीपक रावत ने किया उद्घाटन, विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखण्ड राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ रजत जयंती के अवसर पर नैनीताल फ्लैट मैदान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्य आन्दोलनकारियों, सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रहे उतकृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया

इस अवसर पर मंडल आयुक्त दीपक रावत ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का अवसर है कि उत्तराखंड राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर रजत जयंती मना रहा है। उन्होंने कहा कि इन 25 वर्षों में राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, उद्योग, आधारभूत ढांचा और सुशासन जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आयुक्त ने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण में यहां के लोगों ने बड़ा आंदोलन किया और अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि यह अवसर आत्ममंथन का भी है। कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग अब लिपुलेख तक सड़क से जुड़ गया है, पिथौरागढ़ एयर कनेक्टिविटी शुरू हो चुकी है, मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा संचालित है तथा पंतनगर एयरपोर्ट से उच्च क्षमता की उड़ानें शुरू होने जा रही हैं। जमरानी बांध परियोजना निर्माणाधीन है और किच्छा में औद्योगिक आस्थान विकसित किया जा रहा है। कहा कि तीव्र शहरीकरण के चलते सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट जैसी चुनौतियां भी सामने आई हैं, जिनका समाधान सामूहिक प्रयासों से किया जाना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने पर्यावरणीय संतुलन पर बल देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सदैव यह बात दोहराते हैं कि इकोलॉजी और इकोनॉमी का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। राज्य में लागू भू-कानून से सुव्यवस्थित योजना और दीर्घकालिक विकास को दिशा मिलेगी। मंडल आयुक्त दीपक रावत ने कहा आने वाले वर्षों में राज्य इकोलॉजिकल कैपिटल, स्पिरिचुअल कैपिटल और ऑर्गेनिक फार्मिंग की कैपिटल के रूप में स्थापित होगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष नगर पालिका नैनीताल सरस्वती खेतवाल ने राज्य आंदोलन के दौरान किए गए संघर्ष एवं विकास पर प्रकाश डाला। डीएम ललित मोहन रयाल ने रजत जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तराखण्ड ने बीते 25 वर्षों में संघर्ष, संकल्प और सृजनशीलता के मार्ग पर निरंतर प्रगति की है। उन्होंने कहा कि राज्य की आर्थिक विकास दर लगभग चार गुना बढ़ी है। वर्ष 2047, जो स्वतंत्रता की शताब्दी का वर्ष होगा। उसके लिए राज्य का विकास रोडमैप तैयार किया जा चुका है। कार्यक्रम के दौरान पांच विद्यालयों की बैंड प्रतियोगिता आयोजित की गई, सांस्कृतिक दलों ने कार्यक्रम पेश किए। प्रशासन की ओर से राज्य आंदोलनकारियों एवं समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर राज्य आंदोलनकारी पूरन माहरा मनोज जोशी, मनोज बिष्ट, गोपाल रावत,मनोज जोशी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इससे पूर्व मंडल आयुक्त दीपक रावत, पालिकाध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल व डीएम एलएम रयाल ने नैनीताल जू रोड स्थित शहीद स्मारक स्थल पर जाकर राज्य आंदोलन के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में राज्य आन्दोलनकारी जहूर आलम समेत अन्य राज्य आंदोलनकारी व अधिकारी मौजूद रहे।

रजत जयंती कार्यक्रम का उद्घाटन करते मंडल आयुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी एलएम रयाल व अन्य। ● अमृत विचार

नैनीताल में रजत जयंती कार्यक्रम में बैंड की प्रस्तुति देते स्कूली छात्र। ● अमृत विचार

नैनी झील में रिगाटा एवं दीपदान का आयोजन

नैनीताल : उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद द्वारा नैनी झील में एक भव्य रिगाटा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दर्जनों नावों ने एक साथ झील के मध्य में एक विशाल एवं आकर्षक गोलाकार आकृति बनाई। जिसने पयर्टकों का भी मन मोह लिया। मुख्य अतिथि मंडल आयुक्त दीपक रावत ने नावों को हरी झंडी दिखाकर इस भव्य रिगाटा का शुभारंभ किया। सायंकाल को नैनी झील में दीपदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिससे पूरी नैनी झील जगमगा उठी। दीपदान कार्यक्रम का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल ने किया। इस मौके पर पालिका के ईओ रोहिताश शर्मा रहे।

फूड फेस्टिवल में पर्यटकों ने उठाया आलू की जलेबी और मास के चौंसा का लुत्फ

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर जिला पर्यटन विकास विभाग, कुमाऊं मंडल विकास निगम और होटल एसोसिएशन की ओर से डीएसए मैदान नैनीताल में आयोजित दो दिवसीय फूड फेस्टिवल का समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत रहे। फूड फेस्टिवल में उत्तराखंड के पारंपरिक और नवाचारयुक्त व्यंजनों की महक से पूरा मैदान सुगंधित रहा। कुमाऊं मंडल विकास निगम का मास का चौसा और नैनी रिट्रीट की आलू की जलेबी पर्यटकों व स्थानीय लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। इसके अलावा कुमाऊँ विश्वविद्यालय के गहत के कबाब, अनुपम रेस्टोरेंट का गणों का सूप और पारंपरिक शिकर भात ने भी लोगों का मन मोह लिया। वहीं, रागी के बर्गर और रागी की बर्फी जैसी नई पेशकशों ने सभी का स्वाद दोगुना कर दिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में अनुज साह बैंड ग्रुप ने अपनी रंगारंग प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि दीपक रावत ने फेस्टिवल में शामिल 16 होटल एवं रेस्टोरेंट प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने बताया कि इस दो दिवसीय आयोजन का उद्देश्य पर्यटकों को उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों से परिचित कराना रहा। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने कहा कि ऐसे आयोजन पहाड़ी व्यंजनों के प्रचार-प्रसार और पर्यटन को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, पर्यटन विकास अधिकारी अतुल भंडारी, एसडीएम नवाजिश खलिक, पालिका अध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल, एसडीएम धारी अंशुल भट्ट सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

राज्य आंदोलनकारियों को सम्मानित करते साथी आंदोलनकारी। ● अमृत विचार

सामाजिक एकता के रूप में मनाया स्थापना दिवस

रामनगर : राज्य निर्माण आंदोलनकारी-सेनानी संगठन ने शहीद पार्क लखनपुर में राज्य निर्माण आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्षता राज्य निर्माण आंदोलनकारी सेनानी संगठन के संयोजक चंद्रशेखर जोशी व संचालन पुष्कर दुर्गापाल और अनिल अग्रवाल ने किया। राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी ने खटीमा गोलीकांड के शहीदों को याद किया। जन कवि बल्ली सिंह चीमा ने अपने जन गीत प्रस्तुत किए। उपपा के केंद्रीय अध्यक्ष पीसी तिवारी, राजस्थान के पूर्व सांसद सुभाष महरिया, आंदोलनकारी सुमित्रा बिष्ट ने भी संबोधित किया। पालिकाध्यक्ष हाजी मोहम्मद अकरम, सभासद खष्टीनंदन जोशी, सचिन कुमार पुच्ची, गर्जिया मंदिर समिति के अध्यक्ष कुबेर अधिकारी ने सुमित्रा बिष्ट, अतुल मेहरोत्रा, कमला जोशी, अनीता सती, देवकी असनोड़ा, निर्मला सती, मोहिनी पांडे, माया चिलवाल, सरोज नेगी, डॉ. धनेश्वरी घिल्डियाल, शीला भंडारी, कमल शर्मा, पीतांबरी रावत, मोहन पाठक व डीडी सती को सम्मानित किया। इंद्र सिंह मनराल, योगेश सती, हेमचंद रहे।

वैश्विक सोच अपनाएं छात्र : होलगाडो

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय भीमताल कैंपस के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के तत्वावधान में ट्रैवसिंग बॉर्डर ट्रांसफॉर्मिंग लाइफ और स्पेनिश एंटरप्रेन्योर जर्नी इन इंडिया विषय पर प्रेरणादायक सत्र का आयोजन हुआ। यह विशेष सत्र प्रसिद्ध ग्लोबल एंटरप्रेन्योर जेवियर होलगाडो गोमेज, संस्थापक पैराडाइज रिवॉल्यूशन और निदेशक ट्रिप ट्रेसर द्वारा संचालित किया गया। इस दौरान होलगाडो ने छात्रों को वैश्विक सोच अपनाने और अपने रणनीतिक एवं नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भारत में अपने उद्यमी सफर को साझा करते हुए बताया कि यात्रा, संस्कृति और निरंतर सीखना नवाचार, नेतृत्व और प्रभावी प्रबंधन के मूल तत्व हैं। उन्होंने कहा जब संस्कृतियां और लोग मिलते हैं, तभी नवाचार जन्म लेता है। उन्होंने अपने लर्निंग माडल के चार तत्वों मोटिवेशन डिसेप्शन लर्निंग एंड ट्रांसपोर्टेशन को समझाते हुए छात्रों को जीवन में लगातार आगे बढ़ने और सीखते रहने की प्रेरणा दी। होलगाडो ने जीवन की वास्तविक प्राथमिकताओं स्वास्थ्य, सेवा और संबंधों को सफलता की सच्ची पहचान बताया। उन्होंने कहा कि यात्रा केवल नए स्थानों को देखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह लोगों को समझने, सहानुभूति विकसित करने और वैश्विक दृष्टिकोण बनाने का एक तरीका है, जो प्रभावी प्रबंधन और उद्यमशीलता की पहचान है। सत्र के अंत में छात्रों ने उत्साहपूर्वक अपने प्रश्न पूछे, जिससे यह संवाद और भी ज्ञानवर्धक बन गया। कार्यक्रम के समापन पर ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय, भीमताल कैंपस के निदेशक प्रो. कर्नल सेनि. अनिल नायर ने होलगाडो का आभार व्यक्त किया और उन्हें कुमाऊं संस्कृति की प्रतीक ऐपण कला और कुमाउनी टोपी भेंट कर सम्मानित किया।

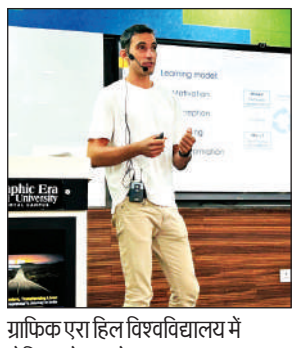

ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय में जेवियर होलगाडो।

डीएसबी परिसर में संगोष्ठी आयोजित

नैनीताल: कुमाऊं विश्वविद्यालय डीएसबी परिसर नैनीताल में विजिटिंग प्रोफेसर निदेशालय एवं परिसर निदेशक के संयुक्त तत्वावधान में राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता पूर्व विधायक डॉ. नारायण जंतवाल ने कहा कि उत्तराखंड की रजत जयंती आत्ममंथन का अवसर है यह सोचने का कि राज्य निर्माण के पीछे क्या उद्देश्य थे और आज हम कहां खड़े हैं। प्रो. अनिल जोशी, प्रो. सवित्री कैड़ा, प्रो. ललित तिवारी ने भी संबोधित किया। अंत में सभी राज्य आंदोलनकारियों और शहीदों, स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी, प्रो. डीडी पंत, इंद्रमणि बडोनी आदि को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यहां प्रो. नीता बोरा शर्मा, प्रो. ललित तिवारी, डॉ. महेंद्र राणा रहे।

लोक मंच के जन सम्मेलन में उमड़ी भीड़। ● अमृत विचार

शहीदों के सपने आज भी अधूरे

रामनगर : रामनगर में आयोजित जन सम्मेलन में जनता ने एक स्वर में कहा कि यह वो उत्तराखंड नहीं है जिसके लिए 42 लोगों ने अपने प्राणों की आहूति दी। जिसके लिए महिलाओं को अपमान झेलना पड़ा और हजारों हजार लोग जेल गये। शहीदों के सपने आज भी अधूरे हैं। रामनगर पायते वाली रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि इन 25 वर्षों में जल विद्युत परियोजनाओं, ऑल वेदर रोड व जंगली जानवरों के आतंक ने उत्तराखंड व उसके पर्यावरण को तहस-नहस करके रख दिया है। 200 से ज्यादा वन ग्राम, गोठ व खत्ते ऐसे हैं जिन्हें ग्राम पंचायत चुनने व चुने जाने तथा बिजली, पानी, सड़क व अस्पताल आदि के बुनियादी अधिकार नहीं दिए गए हैं। 17 सौ से अधिक गांव पलायन के कारण भूतहा हो चुके हैं। समाजवादी लोकमंच के संयोजक मुनीष कुमार, उपपा नेता पीसी जोशी, दिनेश उपाध्याय, जन कवि बल्ली सिंह चीमा आदि ने संबोधित किया।

रिनेसां में खेल प्रतियोगिता संपन्न

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रिनेसां कॉलेज ऑफ होटल मैनेजमेन्ट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, बसई में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उद्घाटन प्रबन्ध निदेशक आलोक गुसाईं ने किया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वॉलीबॉल की विजेता पंचम सेमेस्टर व खो-खो विजेता तृतीय सेमेस्टर रही।

समापन अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किया गए। प्रबन्ध निदेशक ने कहा कि खेलों से न शारीरिक विकास के साथ अनुशासन व टीम भावना का भी विकास होता है। जितेन्द्र, आरिफ, नीरज पाण्डेय, अनुराग अधिकारी, नीरज नेगी, राजेश, आशीष सेमवाल, मोनिका खनायत, श्वेता मखिजा, दिवाकर शर्मा, तेजपाल, रईस सैफी, कैलाश रावत, रश्मि पाण्डेय रहे।

विजेताओं के साथ रिनेसा कालेज प्रबंधन के सदस्य। ● अमृत विचार

भोजन माता संगठन ने किया प्रदर्शन, फूंका पुतला

बिंदुखत्ता, अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रगतिशील भोजनमाता संगठन उत्तराखंड ने कार रोड बिंदुखत्ता में एक प्रतिरोध सभा आयोजित कर राज्य सरकार का पुतला दहन किया। यह विरोध भोजन माताओं की समस्याओं के प्रति सरकार की उपेक्षा के खिलाफ किया गया।लालकुआं की ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पा ने कहा कि उत्तराखंड को बने 25 वर्ष हो चुके हैं। भोजन माताओं की शुरुआत में उन्हें मात्र ढाई सौ रुपये दिए जाते थे, जो आज संघर्षों के परिणामस्वरूप बढ़कर 3,000 हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार उनकी समस्याओं को लगातार नजरअंदाज कर रही है। कार्यकारिणी सदस्य दीपा पवार ने कहा कि उत्तराखंड सरकार प्रचार-प्रसार में करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, लेकिन भोजनमाताओं को उनका उचित मानदेय देने के लिए उनके पास पैसा नहीं है। भोजनमाता नंदी ने बताया कि भोजनमाताओं की समस्या विकराल है। गीता कश्यप, बिंदु गुप्ता, काजल, विमला रौथाड़, दीपा पवार, सरस्वती, कमला, नंदी, धर्मा, जानकी, दीपा, गीता, सरोज, मुन्नी, रेखा, अनिता, निर्मला सहित कई पदाधिकारी और सदस्य रहे।

मोरनौला-मझोला रोड को जोड़ने की मांग

संवाददाता, चोरगलिया

अमृत विचार: उत्तराखंड स्थापना दिवस के अवसर पर चोरगलिया के ग्रामीणों ने नंदौर वन्यजीव अभ्यारण्य इको टूरिज्म समिति के अध्यक्ष विनोद चौसली के राज्य के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। उन्होंने मोरनौला-मझोला रोड के मिलान के लिए प्रयास करने का संकल्प लिया। समिति अध्यक्ष विनोद चौसली ने कहा कि इस सड़क के मिलान से नैनीताल, यूएस नगर और चंपावत तीन जिलों के लगभग ढाई लाख लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि सड़क दोनों ओर से बनी हुई है और केवल बीच के 5 किमी के हिस्से का मिलान होना बाकी है। इस मौके पर पूर्व ग्राम प्रधान नेत्र सिंह बिष्ट, दीपक चौसली, ईश्वर सुयाल, महेश रावली, पीतांबर दत्त चौसली, रामदत्त जोशी, दीपू पर्गाई, चंदन चौहान, अभिषेक बेलवाल, नब्बू परगाईं आदि लोग उपस्थित थे।

मोरनौला-मझोला रोड को मिलाने की मांग उठाते ग्रामीण। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

शिविर में 246 रेलकर्मियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

रामनगर : एनई रेलवे मेंस कांग्रेस यूनियन ने रामनगर रेलवे स्टेशन पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में कुल 246 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शाखा अध्यक्ष नरेश कुमार, शाखा मंत्री सुमित कुमार, नवनीत कुमार (शाखा उपाध्यक्ष), संदीप कुमार (शाखा उपाध्यक्ष), अवधेश कुमार यादव (कार्यालय मंत्री) और रामनगर रेलवे स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक राजकुमार वर्णवाल मौजूद रहे। कृष्णा हॉस्पिटल, काशीपुर की ओर से अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. मेराज हुसैन, वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. राजीव, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. विजय शर्मा, डॉ. गगनदीप सिंह, डॉ. विक्रांत सिंह, डॉ. डीके. वर्मा आदि रहे।

विधायक हरीश धामी को सौंपा ज्ञापन

हल्द्वानी : उत्तरांचल परिवहन मजदूर संघ परिवहन निगम को बचाने और कार्मिकों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए संघ ने रविवार को धारचूला विधायक हरीश धामी के शहर स्थित आवास पर जाकर उनको ज्ञापन सौंपा। विधायक धामी ने शिष्टमंडल को आश्वस्त किया कि वह निगम और कर्मचारी हित में संघ की मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से उठाकर इसका निराकरण करवाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में देवेंद्र मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष, तारा जोशी, प्रदेश उप महामंत्री, दीपचंद शाह, प्रदेश उपाध्यक्ष, नवनीत कपिल, रवि कुमार, मनीष कुमार, नवीन पांडे, कुणाल राठौड़, राजेश दुमका रहे।

जिला अस्पताल में गुब्बारा क्लिनिक शुरू

नैनीताल : छोटे बच्चों में तेजी से बढ़ रही मधुमेह (डायबिटीज) की शिकायतों को देखते हुए जिला अस्पताल बीडी पांडे में गुब्बारा क्लीनिक की शुरुआत की गई है। इसमें डायबिटीज से पीड़ित बच्चों और युवाओं को निशुल्क उपचार और परामर्श सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। रविवार को सीएमओ डॉ. एचसी पंत के निर्देशन में क्लिनिक का शुभारंभ पालिका अध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल, पीएमएस डॉ. तरुण कुमार टम्टा और एसीएमओ डॉ. संजीव खर्कवाल ने संयुक्त रूप से किया। क्लिनिक हर शुक्रवार को एनसीडी क्लिनिक के अंतर्गत संचालित होगी। डॉ. संजीव खर्कवाल, डॉ. आरएस मेर, डॉ. नरेंद्र रावत, मेट्रन शारदा गिनवाल, जितेश कुमार, जानकी कनवाल मौजूद रहे।

पूर्व रेंजर बिष्ट ने बांटे स्थापना दिवस पर पौधे

हल्द्वानी : राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर कोटाबाग ब्लॉक के स्यात गांव में सेवानिवृत्त रेंजर मदन सिंह बिष्ट ने जनता को कासनी नामक औषधीय पौधे निशुल्क वितरित किए। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को शुगर, लीवर तथा किडनी के संक्रमण की शिकायत रहती है, इस औषधीय पौधे को घर पर लगा कर इसकी पत्तियां चबाकर विकारों को नियंत्रित कर सकते हैं।

एमबी इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित जोहार महोत्सव कार्यक्रम में प्रस्तुति देते पुरुष कलाकार। ● अमृत विचार

एमबी इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित जोहार महोत्सव कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

रंग, शब्द और अदाओं से सजा जोहार महोत्सव का मंच

जोहार महोत्सव में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम, शौका कलाकारों की धुनों पर झूमा महोत्सव, हेमंती देवी व शांति श्री परियार की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः सीमांत क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति का महापर्व जोहार महोत्सव अपने दूसरे दिन रंग, शब्द और अदाओं से सजा। शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक महोत्सव स्थल पर शौका कलाकारों के लोकगीतों और लोकनृत्य की गीत की जबरदस्त धूम रही, जिसने पूरे माहौल को उल्लास व लोक संस्कृति के रंगों से सराबोर कर दिया।

महोत्सव के दूसरे दिन की सांस्कृतिक संध्या शौका समाज की विशिष्ट कला को समर्पित रही। शौका कलाकारों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में एकल एवं समूह गीत-संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिस पर दर्शक भाव-विभोर होकर झूम उठे। इन प्रस्तुतियों के बाद अन्य कलाकारों ने भी दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। नीती माणा कल्याण समिति की प्रस्तुति ने दर्शकों को सीमांत के पारंपरिक लोक नृत्यों से परिचित कराया, वहीं कलाकार जोड़ी गणेश मर्तोलिया व रूचि जंगपांगी के गीतों ने समां बांधा। लोकगायिका हेमन्ती देवी की सुमधुर आवाज का भी लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। प्रस्तुतियों का सिलसिला यहीं नहीं थमा। नेपाली गायिका शान्ति श्री परियार के गीतों पर भी दर्शकों ने उत्साह से जमकर ठुमके लगाए और नृत्य किया। पूरा महोत्सव स्थल देर रात तक दर्शकों के उत्साह से गूंजता रहा। जोहार महोत्सव का दूसरा दिन सांस्कृतिक मेल-मिलाप और उल्लास से भरा रहा, जिसने सीमांत क्षेत्र की विशिष्ट परंपराओं को भव्य मंच प्रदान किया। स्थानीय लोगों और अन्य दर्शकों ने इसका भरपूर आनंद लिया।

एमबी इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित जोहार महोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● अमृत विचार

जोहार महोत्सव में बच्चों ने पारंपरिक परिधानों से बिखेरी संस्कृति की छटा

हल्द्वानी : जोहार सांस्कृतिक एवं वेलफेयर सोसायटी की ओर से रविवार को आयोजित 16वें जोहार महोत्सव के दूसरे दिन पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियों से माहौल उल्लासमय रहा। सुबह के सत्र में बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चित्रकला प्रतियोगिता तीन वर्गों में संपन्न हुई, जिसमें प्रथम वर्ग में इशिता पांगती, द्वितीय वर्ग में अनिका रावत, तृतीय वर्ग में भाविका जंगपांगती विजेता रहीं। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में देविका मर्तोलिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि भाषण प्रतियोगिता में पुलकित पांगती ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से सभी को प्रभावित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सुबह के सत्र में सुमित हृदयेश उपस्थित रहे, वहीं शाम के कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्नल एके नायर और कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। महोत्सव में जोहार शौका समिति की ओर से मुनस्यारी में बनाए गए हथकरघा, हस्तशिल्प उत्पादों और पुस्तकों के मिनी स्टॉल भी लगाए गए। शाम के सत्र में पारंपरिक परिधानों में ढुस्का-चांचरी का आयोजन हुआ, जिसने दर्शकों को पारंपरिक जोहारी संस्कृति से रूबरू कराया। इसके साथ ही जोहारी शौका व्यंजन प्रतियोगिता में पारंपरिक पहाड़ी व्यंजनों की खुशबू से पूरा परिसर महक उठा। महोत्सव के दौरान प्रतिभागियों की रचनात्मकता और संस्कृति के प्रति उत्साह ने कार्यक्रम को यादगार बनाया।

अंतर-विद्यालय क्रॉस कंट्री में सैनिक स्कूल घोड़ाखाल चैंपियन

नैनीताल, अमृत विचार: सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में हीरक जयंती समारोह के उपलक्ष्य में भव्य अंतर-विद्यालय क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के 8 विद्यालयों ने प्रतिभाग किया, जिनमें लेक्स इंटरनेशनल स्कूल भीमताल, डे वीटो स्कूल भवाली, जीबी पंत इंटर कॉलेज भवाली, नैंसी कॉन्वेंट ज्योलिकोट, पार्वती प्रेमा जगाती स्कूल, भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय नैनीताल, हरमन गमीनर स्कूल भीमताल और मेजबान सैनिक स्कूल घोड़ाखाल शामिल रहे। प्रतियोगिता ओल्ड बॉयज़ एसोसिएशन (ओबीए) सैनिक स्कूल घोड़ाखाल द्वारा आयोजित की गई। हीरक जयंती समारोह के आयोजन सचिव विभव श्रीवास्तव और ओबीए के महासचिव विनोद सिंह के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

इस दौरान शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान सैनिक स्कूल घोड़ाखाल ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया, जबकि भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय नैनीताल द्वितीय और पार्वती प्रेमा जगाती स्कूल तृतीय स्थान पर रहे।इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य ग्रुप कैप्टन वी.एस. डंगवाल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में अनुशासन, धैर्य और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ाते हैं। कार्यक्रम का समापन आयोजन सचिव विभव श्रीवास्तव ने धन्यवाद दिया।

टीम में चयन पर वेंडी स्कूल की छात्रा निर्जला मेहरा का सम्मान करते विद्यालय प्रबंधन।

निर्जला ने क्रिकेट में प्रदेश का किया प्रतिनिधित्व

हल्द्वानी : वेंडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हल्द्वानी की प्रतिभावान छात्रा निर्जला मेहरा ने अंडर-19 महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में उत्तराखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करके न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। औरंगाबाद में हुए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में निर्जला ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्या डॉ. भावना बवाड़ी ने निर्जला की इस उपलब्धि को विद्यालय के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा निर्जला ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। विद्यालय प्रबंधक डॉ. विकल बवाड़ी ने निर्जला दाएं हाथ की बल्लेबाज होने के साथ मीडियम पेस गेंदबाज भी हैं। विद्यालय प्रबंधन की ओर से निर्जला मेहरा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के उप प्रधानाचार्य विजय जोशी, स्कूल कोऑर्डिनेटर मंजू थापा और सभी शिक्षकों ने निर्जला को बधाई दी और उनके भविष्य के मैचों के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की। विद्यालय और स्थानीय खेल प्रेमियों ने उम्मीद जताई कि निर्जला जल्द ही भारतीय क्रिकेट टीम में भाग लेंगी।

छात्र संख्या नहीं होने से तल्ली पोखरी स्कूल बंद

भीमताल: ओखलकाण्डा विकासखण्ड के अन्तर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय, तल्ली पोखरी छात्र संख्या न होने से बन्द हो गया है। गांव के सामाजिक कार्यकर्ता जीवन चन्द्र जोशी ने बताया कि देश की स्वतन्त्रता से पूर्व 1928 में यह विद्यालय एक झोपड़ी में आरम्भ हुआ था।

उनके अनुसार यह क्षेत्र का सबसे पुराना प्राथमिक स्कूल रहा है। इसमें ग्राम देवली, पश्यां, भनपोखरा, कलियाधूरा, कौडार, भद्रेठा, मटेला, झड़गांव, साल आदि सहित दस से अधिक गांवों के छात्रों ने आकर विद्याध्ययन किया है। छात्र संख्या न होने से इतना पुराना विद्यालय इस वर्ष बन्द हो चुका है। जीवन जोशी ने कहा कि भविष्य में इसे क्लस्टर स्कूल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

योजनाओं की पूर्णता को दोगुनी क्षमता से करें काम

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने एशियन विकास बैंक वित्त पोषित उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी की विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी परियोजनाओं को समय से पूरा करने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओं से जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। काम समय से पूरा हो इसके लिए दोगुनी क्षमता से काम किया जाए। ट्रिपल एम- मशीन, मैटेरियल, मैनपॉवर को दोगुना किया जाए। कहीं पर भी सड़क अधिक समय तक खुदी नहीं होनी चाहिए तत्काल उसकी मरम्मत कराई जाए। उन्होंने एडीएम प्रशासन व सिटी मजिस्ट्रेटको निर्देश दिए कि वे भी समय-समय पर इन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट पेश करेंगे। डीएम ने कहा की नगर में पूर्व में विभिन्न मार्गों, चौराहों के चौड़ीकरण के लिए जो भी चिह्नीकरण किया गया है उसी के अनुरूप कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण हटाना चाहिए। एडीएम को देवखड़ी नाले से मलबा निस्तारण के लिए वन विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए कार्ययोजना बनाने और अतिक्रमण भी हटाने को कहा। सख्त लहजे में यूयूएसडीए अधिकारियों से कहा कि परियोजनाओं में धीमी प्रगति होने पर जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यूयूएसडीए परियोजना अधिकारी कुलदीप सिंह ने बताया कि परियोजना अंतर्गत हल्द्वानी नगर में पेयजल लाइन, सीवरेज लाइन बिछाने के साथ ही पेयजल टैंकों का निर्माण व एसटीपी निर्माण कार्य प्रगति पर है। अब तक 740 किमी लक्ष्य के सापेक्ष 346 किमी पेयजल लाइन बिछा दी गई है। इसी प्रकार 122 किमी के सापेक्ष 54 किमी सीवरेज लाइन बिछा दी गई है। 108 किमी सड़क का कार्य पूर्ण हो चुका है 90 किमी सड़क में कार्य प्रगति पर है, 100 किमी सड़क का कार्य शेष है जो फरवरी 2026 तक पूर्ण हो जाएगा। 6 ओवरहेड पेयजल टैंकों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। 6 ट्यूबवैल का निर्माण पूर्ण व 5 में निर्माणाधीन है। एसटीपी में 20% काम पूर्ण हो गया है। सड़क निर्माण व ड्रेनेज जो 241 करोड़ की लागत से होना है उसके सर्वे का कार्य गतिमान है। इस दौरान एडीएम विवेक राय व शैलेंद्र नेगी, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान, नगर आयुक्त परितोष वर्मा रहे।

अधिकारियों के साथ परियोजनाओं की समीक्षा करते डीएम ललित मोहन रयाल।

दून बैडमिंटन प्रतियोगिता का ओवरऑल चैंपियन बना

बैडमिंटन प्रतिगोगिता के समापन पर पुरस्कार देते कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सब-जूनियर राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रदेशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में देहरादून जिला ओवरऑल टीम चैंपियन बना, जबकि यूएस नगर ने द्वितीय स्थान और नैनीताल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत व उत्तराखंड बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव बीएस मनकोटी रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पदक और प्रमाणपत्र प्रदान किए।

प्रतियोगिता के अंडर-11 वर्ग में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। बालिका एकल वर्ग में युक्ति यादव ने विजेता का खिताब जीता, जबकि अनुश्री सजवान उपविजेता रहीं। बालिका युगल वर्ग में एंजेल भट्ट और युक्ति यादव की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अनुसूया सजवान और प्रियांशी गोस्वामी की जोड़ी द्वितीय स्थान पर रही। बालक एकल वर्ग में तनिष्क कर्नाटक विजेता बने और नैतिक जोशी उपविजेता रहे। वहीं बालक युगल वर्ग में नैतिक जोशी और नित्यंत गोपाल रावत की जोड़ी ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि वेद प्रकाश यादव और तनिष्क कर्नाटक की जोड़ी को द्वितीय स्थान मिला। अंडर-13 वर्ग में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बालिका एकल वर्ग में अन्या पुंडीर ने प्रथम और सांची ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालिका युगल वर्ग में काव्या बिष्ट और नव्या की जोड़ी ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि युक्ति जोशी और अर्पिता जोशी की जोड़ी दूसरे स्थान पर रही। बालक एकल वर्ग में सिवान जगरण ने खिताब जीता और सार्थक जोशी उपविजेता बने। यहां जिला क्रीड़ा अधिकारी नैनीताल निर्मला पंत, संघ के अध्यक्ष रितेश बिष्ट, सचिव नरेंद्र भूतानी, रसिका सिद्दीकी, निर्मला पंत, त्रिलोक जीना, गोविंद लटवाल, वरुण बेलवाल, गोविंद परिहार आदि रहे। प्रतियोगिता का संचालन अंतरराष्ट्रीय धावक सुरेश चंद पांडे ने किया।

डॉ. धर्मेंद्र संरक्षक, रविंद्र कोषाध्यक्ष बने

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राजकीय शिक्षक संघ की बैठक रविवार को कालाढूंगी रोड स्थित राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गिरीश चंद्र जोशी ने की। इस दौरान जनपद कार्यकारिणी का विस्तार भी किया गया।

बैठक में विभिन्न प्रस्ताव पारित हुए, जिसमें जिला स्तर से चुनाव प्रतिकर और ग्रीष्मकालीन समर कैंप प्रतिकर का आदेश निर्गत किए जाने, बोर्ड परीक्षा मानदेय, सुधार परीक्षा मानदेय समय पर देने, चयन व प्रोन्नत वेतनमान स्वीकृत करने के लिए जिलास्तर पर कमेटी गठित करने, वेतन निर्धारण के प्रकरण जिलास्तर पर निपटाने और सेवानिवृत्त शिक्षकों व प्रधानाचार्यों का सम्मान समारोह करने के प्रस्ताव शामिल हैं। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए शीघ्र ही मुख्य शिक्षाधिकारी के साथ बैठक की जाएगी। इस दौरान जनपद कार्यकारिणी का विस्तार किया गया, जिसमें डॉ. धर्मेंद्र पनेरु को राजकीय शिक्षक संघ का जिला संरक्षक, रविंद्र कुमार को कोषाध्यक्ष और जयकिशन को कार्यालय मंत्री पद, नरेंद्र कुमार को विधि सलाहकार, विपिन चंद्र को उद्घोषक, रमेश त्रिपाठी को सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी, भरत सिंह बोहरा, धर्मपाल गंगवार, दुर्गादत्त गुणवंत को सलाहकार और अरविंद शर्मा को वरिष्ठ सलाहकार बनाया गया।

राजकीय शिक्षक संघ की बैठक में मौजूद पदाधिकारी। ● अमृत विचार

हल्द्वानी बार ए ने जीता कुमाऊं कप

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: देवभूमि लॉयर्स क्रिकेट एसोसिएशन नैनीताल की आरे से आयोजित एडवोकेट कुमाऊं कप 2025 का फाइनल मुकाबला जीएनजी ग्राउंड, हल्द्वानी में खेला गया। यह रोमांचक फाइनल मैच हल्द्वानी बार ए और हाईकोर्ट बार के बीच हुआ, जिसमें हल्द्वानी बार ए की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हाईकोर्ट बार की टीम 132 रनों पर सिमट गई। हाईकोर्ट बार के बल्लेबाजों को हल्द्वानी बार ए के गेंदबाजों ने खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। हल्द्वानी बार की ओर से मयंक चौहान ने 2 विकेट, पवन गुप्ता ने 2 विकेट और गोविन्द सिंह डंगवाल ने 2 विकेट लेकर बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। हल्द्वानी बार ए की टीम के सलामी बल्लेबाज रमेश कांडपाल ने मात्र 37 गेंदों में ताबड़तोड़ 69 रन की शानदार पारी खेली, सिद्धार्थ बनकोटी ने 34 रन (31 गेंद) का महत्वपूर्ण योगदान दिया। हल्द्वानी बार ए की टीम ने 13.3 ओवर में मात्र 2 विकेट के नुकसान पर 132 रनों का लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता विजेता टीम के कप्तान सुनील पुंडीर (हल्द्वानी बार ए) को फाइनल ट्रॉफी प्रदान की।

जीत के बाद खुशी का इजहार करती हल्द्वानी बार ए की टीम। ● अमृत विचार

पूर्व सैनिकों ने भी मनाया राज्य स्थापना दिवस

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के तत्वावधान में रविवार को कमलुवागांजा स्थित एक बैंक्वेट हॉल वार्षिक प्रांतीय अधिवेशन हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अधिवेशन में राज्य स्थापना की रजत जयंती उत्सव भी मनाया गया और शहीद राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। प्रांत सह प्रचारक चंद्रशेखर ने कहा कि पूर्व सैनिक समाज के सच्चे प्रेरणास्रोत हैं, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के साथ-साथ समाज में अनुशासन, सेवा व समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत किया है। कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि पूर्व सैनिकों ने न केवल सीमाओं पर देश की रक्षा की है बल्कि समाज में एकता, देशभक्ति व प्रेरणा का वातावरण भी बनाया है। वरिष्ठ भाजपा नेता महेश शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में राष्ट्रभक्ति की भावना को और प्रबल करते हैं। परिषद के जिलाध्यक्ष कैप्टन डीके जोशी (सेना मेडल) ने कहा कि यह प्रांत अधिवेशन परिषद की एकता, सेवा व प्रदेश की रजत जयंती के गौरव को समर्पित है। यहां प्रांत महामंत्री देवेंद्र डोभाल, कविता नेगी, मेजर महावीर रावत, रिटा. कैप्टन पुष्कर भंडारी, कैप्टन सोबन भड़, पुष्कर बोरा, गोविंद बड़ती, अर्जुन भंडारी, भुवन चंद्र पाठक, नारायण बोरा, खुशाल मेहरा, दान सिंह बुंगला, गणेश मेहरा, राम सिंह, अमर सिंह, देवेंद्र रावत, टीसी पांडे, प्रकाश जोशी मौजूद रहे।

राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम में मौजूद कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत व पूर्व सैनिक। ● अमृत विचार

हार्दिक के शतक से डीके स्पोर्ट्स अकादमी विजयी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः हल्द्वानी कोल्ट्स क्लब के मैदान में आयोजित अंडर-14 स्वर्गीय पूरन चन्द्र बलूटिया मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के आठवें मैच के पहले दिन डीके स्पोर्ट्स अकादमी की टीम 213 रनों पर आल आउट हो गयी। ईशान जोशी ने 60, शुभ ने 32 और रक्षित ने 30 रनों का योगदान दिया। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज दीक्षांत और वंश ने 2-2 विकेट लिए। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम अपनी पहली पारी में 170 रन ही बना सकी। अर्जुन मोहन 44, हर्षित धामी 29 और कार्तिक रावत ने 26 रनों का योगदान दिया। डीके स्पोर्ट्स अकादमी के गेंदबाज अनामय पाण्डे ने 5 विकेट लिए। डीके स्पोर्ट्स अकादमी ने अपनी दूसरी पारी में हार्दिकराज के 102, तेजस बिष्ट के 60 और देवांग नेगी के 44 रनों की मदद से 285 रन बनाये। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज कृष रावत ने 3 और वंश रावत ने 2 विकेट लिए। दूसरी पारी में 328 रनों का लक्ष्य पूरा करने उतरी कोल्ट्स अकादमी की टीम 122 रनों पर आल आउट हो गयी। अर्जुन मोहन ने 39 रन और हर्ष भगत ने 17 रनों का योगदान दिया। डीके स्पोर्ट्स अकादमी ने मैच 206 रनों से जीत लिया। यहां नीरज बलूटिया, आनंद बिष्ट, निश्चल जोशी, मनोज भट्ट रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार,10 नवंबर 2025

रुद्रपुर

रुद्रपुर में राज्य आंदोलनकारी हरीश पनेरू को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

पीएम नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुनते डीएम, अधिकारी व जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

राज्य आंदोलनकारियों और शहीदों को किया नमन

राज्य आंदोलनकारी हरीश पनेरु को शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित, कल्याणी व्यू स्थित शहीद स्मारक पर कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस और रजत जयंती वर्ष के अवसर पर जिला और महानगर कांग्रेस कमेटी ने कल्याणी व्यू पर स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर राज्य आंदोलनकारियों और शहीदों को नमन किया गया 1 इस दौरान प्रमुख राज्य आंदोलनकारी हरीश पनेरू को शॉल ओढ़ाकर और फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

रविवार को कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीना शर्मा ने कहा की आज से 25 वर्ष पूर्व बहुत ही संघर्षों के बाद और कई आंदोलनकारियों के शहीद होने के बाद हमें उत्तराखंड राज्य मिला। अब हम सभी की जिम्मेदारी है की उत्तराखंड राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए हम दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आगे आएं 1 महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सीपी शर्मा ने कहा की उत्तराखंड राज्य आंदोलन में सभी जाति धर्म और सभी वर्ग के लोगों ने अपना योगदान दिया था और अब उत्तराखंड को आगे ले जाने की जिम्मेदारी भी हम सभी की है 1 राज्य आंदोलनकारी हरीश पनेरू ने कहा की राज्य निर्माण के सभी आंदोलनकारियों और शहीदों को आज का दिन याद करने का है। उन्होंने कहा कि जो लोग आंदोलन के दौरान शहीद हो गए थे आज हम सभी उन्हें नमन कर रहे हैं1

इस अवसर पर ममता रानी, गोपाल भसीन, महानगर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष संजीव रस्तोगी, अनुसूचित जाति कांग्रेस महानगर अध्यक्ष राम प्रसाद, सतीश कुमार, पार्षद चिराग कालरा, पूर्व सभासद नगर पालिका रामकृष्ण कनोजिया, पूर्व पार्षद मोहन भारद्वाज, उमा सरकार, पप्पू कोली, अबरार अहमद, संजय आईस, अनिल शर्मा, सुहैल खां बाबू विश्वकर्मा, मानस वैरागी, दिनेश मोर्या, अनुज दीक्षित, अरविंद सक्सेना, सुभाष दिवाकर, सुदर्शन शर्मा, राधे श्याम बंसल, असलम जावेद, रविंद्र गुप्ता समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वयंसेवियों को जानकारी देते प्रधानाचार्य दया शंकर पांडेय। ● अमृत विचार

स्वयंसेवियों ने मनाई राज्य स्थापना की रजत जयंती

रुद्रपुर : पीएमश्री अटल उत्कृष्ट आदित्यनाथ झा राजकीय इंटर कॉलेज रुद्रपुर के एनएसएस स्वयंसेवियों ने राज्य स्थापना दिवस पर स्वच्छता अभियान चलाकर राज्य स्थापना दिवस बड़ी ही सादगी से मनाया। इस दौरान स्वयंसेवियों ने विद्यालय के सेवित क्षेत्र फाजलपुर महरौला, रम्पुरा बरार नगर, प्रीत विहार इत्यादि क्षेत्रों में स्वच्छता रैली निकालकर लोगों को साफ सफाई और स्वच्छता की प्रति जागरूक किया। रविवार को कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम अधिकारी गिरीश शर्मा ने उत्तराखंड राज्य के इतिहास के बारे में विस्तार से बात कर उत्तराखंड के सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक महत्व की जानकारी स्वयंसेवियों को दी। उन्होंने भारतीय सुरक्षा बलों में उत्तराखंड राज्य के लोगों के योगदान और राष्ट्रीय सुरक्षा में उत्तराखंड के लोगों के महत्व को स्वयंसेवी को अवगत कराया।इससे पूर्व प्रधानाचार्य दया शंकर पांडेय ने सभी स्वयंसेवियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और एक आदर्श नागरिक के रूप में उत्तराखंड राज्य की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। स्वयंसेवी दिनेश सिंह अनमोल रतन और विष्णु सिंह ने उत्तराखंड के रजत जयंती के अवसर पर उत्तराखंड का राष्ट्र के निर्माण में योगदान और भावी उत्तराखंड की चुनौतियों पर विस्तार से बताया। इस अवसर पर राजपति बिंद, डॉ.विपिन कुमार गुप्ता, पवन कुमार समेत स्वयंसेवी उपस्थित थे।

बाजपुर में स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: प्रदेश की 25वीं वर्षगांठ (रजत जयंती) अनेक स्कूलों व जगहों पर धूमधाम से मनाई गई। स्कूली बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

रविवार को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मल्टीपरपज हाल में आयोजित रजत जयंती समारोह का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख सुखमन कौर औलख व विधायक प्रतिनिधि जोरावर सिंह भुल्लर एवं प्राचार्य प्रोफेसर डॉ.वीके सिंह आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख सुखमन कौर ने कहा कि उत्तराखंड की यह 25 वर्ष की यात्रा केवल विकास की नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, मेहनत और आत्मनिर्भरता की पहचान भी है। विधायक प्रतिनिधि जोरावर सिंह भुल्लर ने महाविद्यालय परिवार को बड़ी सौगात देते हुए कालेज के दक्षिण दिशा में नई सड़क निर्माण की घोषणा की। अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ.वीके सिंह ने कहा कि उत्तराखंड की यह रजत जयंती राज्य की उपलब्धियों, संघर्षों और जनसमर्पण की गवाही देती है। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक परिषद की संयोजक डॉ. मनुहार आर्य के निर्देशन में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्तराखंड की लोक संस्कृति पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। एनसीसी इकाई एवं एंटी ड्रग प्रकोष्ठ द्वारा प्रस्तुत नशा मुक्त भविष्य नुक्कड़ नाटक ने सभी को संदेश दिया कि नशा त्यागकर ही सशक्त समाज और प्रगतिशील राज्य का निर्माण संभव है। वहीं पिछले तीन दिन हुईं विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों एवं अतिथियों को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर युवा किसान नेता नवदीप सिंह कंग, छात्रसंघ अध्यक्ष महेंद्र सिंह बोहरा, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रजत भंडारी, पूर्व छात्र सवेज आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आदर्श चौधरी ने किया। इसी प्रकार खंड विकास कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामोत्थान परियोजना के अंतर्गत अल्टापुअर के रूप में लघु व्यवसाय के लिए चिह्नित 10 महिलाओं को 35 हजार रुपये प्रति लाभार्थी स्वीकृति पत्र, 6 व्यक्तिगत उद्यमी महिलाओं को आठ लाख रुपये के स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इसके अलावा तीन समुदाय आधारित संगठनों (सीबीओ) को आर्थिक उन्नयन के लिए योजनांतर्गत स्वीकृति की जानकारी भी साझा की गई।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मकारों को को सम्मानित किया गया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी शेखर जोशी, सहायक खंडविकास अधिकारी सुरेश पंत, सहायक समाज कल्याण अधिकारी नगमा परवीन, जिला सहायक प्रबंधक उद्योग स्वीश कुमार, बीएमएम गगनदीप कौर आदि अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बाजपुर में ब्लॉक प्रमुख सुखमन कौर औलख को गुलदस्ता भेंट करते प्राचार्य वीके सिंह।

प्रशासनिक अधिकारियों ने सुना पीएम का संदेश

संवाददाता, रुद्रपुर

- हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रजत जयंती वर्ष, भविष्य की संभावनाओं पर विचार रखे
- देहरादून मुख्य कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ सीधा प्रसारण

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस एवं राज्य के गौरवशाली 25 वर्ष पूर्ण होने के रजत जयंती वर्ष को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान देहरादून में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड की जनता को रजत जयंती वर्ष की हार्दिक बधाई देते हुए राज्य की उपलब्धियों, विकास यात्रा और भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए।

रविवार को देहरादून के इस मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण रुद्रपुर कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। जहां जिले के प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम को देखा एवं प्रधानमंत्री के संदेश को सुना। इस दौरान सभागार में उल्लास का वातावरण रहा। इस दौरान जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने कहा कि उत्तराखंड के 25 वर्ष राज्य के विकास, संकल्प और आत्मनिर्भरता की यात्रा के प्रतीक हैं। हम सबको यह संकल्प लेना होगा कि आने वाले 25 वर्षों में उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में स्थान दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में आधारभूत ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, उद्योग और स्वरोजगार के क्षेत्रों में तीव्र गति से प्रगति हो रही है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने विभागों के माध्यम से जनता तक राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचाएं और राज्य को विकसित उत्तराखंड के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, डॉ. अमृता शर्मा सहित कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय गीत के साथ समारोह का समापन हुआ।

बाजपुर में राज्य आंदोलनकारी हरीश भट्ट एवं बहादुर भंडारी को सम्मानित करते लोग।

25 दीप प्रज्ज्वलित कर शहीदों को नमन किया

बाजपुर : पर्वतीय महासभा समिति बाजपुर की ओर से उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान 25 दीप प्रज्ज्वलित कर राज्य आंदोलनकारियों के योगदान को नमन किया गया। वहीं समारोह के दौरान राज्य आंदोलनकारी हरीश भट्ट एवं बहादुर भंडारी को सम्मानित भी किया गया। वहीं नव निर्वाचित जनप्रतिनिधि हरसान की प्रधान उर्मिला पंत तथा हरिपुरा के प्रधान प्रमोद जोशी को भी सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेश चंद्र पांडे ने की। इस दौरान पीडी ममगाई, नीरज तिवारी, बबली जोशी, अशोक पंत, सुभाष कांडपाल, पूरन जोशी, प्रेम मुनगली, वीरेंद्र बिष्ट, मोहन पांडे, एनडी जोशी, राजू आर्य, पूरन बिष्ट, लक्ष्मण सिंह मेहरा, कुंदन सिंह, नवीन पंत, हरीश पंत एवं सार्थक भट्ट आदि मौजूद रहे।

स्कूलों में धूमधाम से मनाया राज्य स्थापना दिवस

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर सिटी कॉन्वेंट स्कूल में उल्लास, देशभक्ति और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एजुकेशनल डायरेक्टर तिलक उपाध्याय, प्राचार्य शुभ्रा सक्सेना, राजेश जोशी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। छोटे-छोटे बच्चों के लोकनृत्य, लोकगीत, कविता पाठ और नाट्य प्रदर्शन ने सबका मन मोह लिया। बच्चों की प्रस्तुतियों में उत्तराखंड की संस्कृति, परंपरा और वीरता की झलक स्पष्ट दिखाई दी।

अलकेमिस्ट एकेडमी में आयोजित कार्यक्रम में कुमाऊनी क्विज़, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कैट वॉक और सोलो डांस आकर्षण का केन्द्र रहे। एनसीसी हेड डॉनरेंद्र रौतेला, डॉ प्रेम सिंह एमडी सौरभ हॉस्पिटल, कवयित्री दया भट्ट, नरेंद्र सिंह ठकुराठी, कुंवर सिंह खनका ने उत्तराखंड क्विज़ और सोलो डांस प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. जयपाल गंगवार, हेड मिस्ट्रेस बिंदु बत्रा, पूजा ज्याला, चंपा बोरा, प्रदीप गंगवार, दीपांशु, रेखा रुमाल, सपना रुमाल व शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। जेके पब्लिक स्कूल में राज्य स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रबंधक अजय कुमार मौर्य और प्रधानाचार्य प्रकाश चंद्र तिवारी ने क्षेत्र वासियों को शुभकामनाएं दीं। वहीं उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान शहीद हुए वीर सपूतों के संघर्षों, त्याग व बलिदान को याद किया। इस अवसर पर मोहम्मद हनीफ, रामगोपाल, अजय, नंदलाल मोर्य, संदीप कुमार, प्रभा जोशी, हेमा, कुमारी मनप्रीत, कुमारी भावना, एलिशा, ममता, निशा, सुमन, भावना पंत, काजल, माधुरी, राजकुमार, प्रेरणा, मंगेश, तुलसी, सोनम, आफताब, अलशिफा, आकांक्षा, अजय कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

खटीमा में राज्य स्थापना दिवस पर कार्यक्रम में शिरकत करने वाले सिटी कान्वेंट के बच्चे।

अल्केमिस्ट एकेडमी के बच्चे और शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

नेता प्रतिपक्ष आर्य ने शहीदों को किया नमन

- शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने शहीद स्थल पर पहुंचकर राज्य आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके परिजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

स्थापना दिवस पर आर्य ने कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान के कारण ही हमें यह अलग राज्य प्राप्त हुआ है। हमें उनके सपनों के अनुरूप एक समृद्ध और विकसित उत्तराखंड बनाने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर विधायक भुवन कापड़ी, पूर्व चेयरमैन हरीश दुबे, नवतेज पाल, इंद्रपाल आर्य (नैनीताल), पीसीसी सदस्य बॉबी राठौर, जिलाध्यक्ष युवा नरेंद्र आर्या, राजकिशोर सक्सेना, देवेंद्र कन्याल, दान सिंह राणा, नवीन जोशी, हिमांशु तिवारी, जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस रेखा सोनकर, कृष्णा नेगी, शांति सामंत, धर्म सिंह दसौनी, गोपाल चंद, प्रदीप कुमार, अरविंद कुमार, हिमांशु भट्ट, विक्रम बुगला, लक्ष्मण राणा, उमेश प्रजापति, फईम अंसारी आदि उपस्थित रहे। अंत में राज्य के अमर शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि सभा संपन्न हुई। बाद में नेता प्रतिपक्ष आर्य ने लोनिवि में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। जिसमें संगठन की मजबूती एवं आगामी जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

खटीमा में शहीदों को पुष्पचक्र समर्पित कर श्रद्धांजलि देते यशपाल आर्य। ● अमृत विचार

राज्य आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है : कापड़ी

खटीमा : विधायक भुवन कापड़ी ने कहा कि आज हम उत्तराखंड की रजत जयंती अवश्य मना रहे हैं लेकिन यह भी सच्चाई है कि हमारा राज्य आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। रोजगार के अभाव में पहाड़ों से लगातार पलायन जारी है। स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित हैं और चिकित्सा कर्मियों की भारी कमी है। राज्य में बेरोजगारी दर सबसे अधिक है तथा भर्ती घोटालों और महिला अपराधों के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंता का विषय है और सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

आयोजन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ राष्ट्रीय कुमाऊंनी भाषा सम्मेलन का समापन

कुमाउनी साहित्य और संस्कृति से जुड़े विद्वान सम्मानित

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कुमाउनी भाषा साहित्य एवं संस्कृति प्रचार समिति, कुमाउनी पत्रिका पहरू और उत्तराखंड भाषा संस्थान देहरादून के संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कुमाउनी भाषा सम्मेलन का पुरस्कार वितरण और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भव्य समापन हुआ। इस दौरान कुमाउनी साहित्य, लोक कला और संस्कृति से जुड़े अनेक विद्वानों और हस्तियों को सम्मानित किया गया।

रविवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रफुल्ल चंद्र पंत रहे। उन्होंने समारोह का शुभारंभ करते हुए कहा कि कुमाऊं की लोक संस्कृति और भाषा हमारी सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा हैं और ऐसे आयोजन न केवल भाषा के संवर्धन में बल्कि युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इसके अलावा कई अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इससे पूर्व समारोह की शुरुआत अतिथियों का तिलक लगाकर पारंपरिक स्वागत से की गई। समापन अवसर पर लोक कलाकारों ने लोक संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। आयोजन समिति के संयोजक डॉ.बीएस बिष्ट, डॉ.एलएम उप्रेती और मीडिया प्रभारी डॉ. केसी चंदौला ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मीडिया प्रभारी डॉ.केसी चंदौला ने आयोजन की सफलता पर सभी सहयोगियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रतिभागियों और आगंतुकों को पारंपरिक पहाड़ी व्यंजन भी परोसे गए। समापन समारोह में डॉ.नवीन चंद्र लोहनी, डॉ.मोहित जोशी, डॉ.हरि सुमन सिंह, जसविंदर कौर, केपीएस अधिकारी, अधिवक्ता जगमोहन सिंह, हयात सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में विद्वानों को सम्मानित करते आयोजन समिति के संयोजक।

इन्हें मिला ये सम्मान

बहादुर सिंह बनौला कुमाउनी साहित्य सेवी सम्मान-डॉ.मोहन चंद्र पंत, भुवन चंद्र पपने, निखिलेश उपाध्याय, ललित मोहन सिंह जीना और रमेश चंद्र सोनी।

ज्योतिषा चार्य पंडित जयदेव अवस्थी कुमाउनी भाषा सेवी सम्मान-दयाल पांडे, डॉ. चंद्र प्रकाश फुलोरिया, डॉ.सरस्वती कोहली और दीपक भाकुनी।

वैध कल्याण सिंह बिष्ट कुमाउनी संस्कृति सेवी सम्मान-मीरा जोशी, घनश्याम भट्ट, गोपाल सिंह चम्याल और राजेंद्र प्रसाद।

सर्राफ की रितिका ने जीता गोल्ड

खटीमा: सर्राफ पब्लिक स्कूल की नवीं की छात्रा रितिका जोशी ने दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित पांचवें नॉर्थ जोन कराटे चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। आदर्श कॉलोनी निवासी रितिका जोशी के पिता वर्तमान में सशस्त्र सीमा बल पीलीभीत में कार्यरत हैं। इनके चाचा गिरीश चंद्र जोशी विद्या मंदिर में कार्यरत हैं। इससे पूर्व भी रितिका ने देहरादून में आयोजित प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त किया था। रितिका की इस विशेष उपलब्धि से परिवार के साथ ही क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है। रितिका के उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

राज्य आंदोलनकारी दिवान सिंह मेहरा को सम्मानित करतीं एसडीएम ऋचा सिंह।

राज्य आंदोलनकारी दिवान सिंह मेहरा हुए सम्मानित

दिनेशपुर : उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर ग्राम खटोला निवासी राज्य आंदोलनकारी दिवान सिंह मेहरा को उप जिलाधिकारी ऋचा सिंह व तहसीलदार लीना चंद्रा ने सम्मानित किया। इस दौरान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राज्य आंदोलनकारी दिवान सिंह मेहरा को पूर्व सूबेदार मेजर खड़क सिंह कार्की, पूर्व प्रधान मुकेश सिंह राणा, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, कानूनगो हेमराज सिंह चौहान, डॉ. सिमरन पांडे, सागर सिंह, गुरजीत सिंह पन्नू, अशोक कालड़ा, गोविंद सिंह कोरंगा, पर्व सूबेदार भुपाल सिंह कोरंगा, महेंद्र सिंह पपोला, खोखन सरकार आदि ने भी सम्मानित किया।

ब्रीफ न्यूज

व्हीलचेयर पर पड़े मिले दिव्यांग की हुई मौत

रुद्रपुर : काशीपुर हाईवे स्थित फ्लाईओवर के नीचे व्हीलचेयर पर बेहोश पड़े मिले दिव्यांग की उपचार के दौरान मौत होने का मामला सामने आया है। शनिवार की देर शाम काशीपुर हाईवे स्थित फ्लाईओवर के नीचे एक दिव्यांग व्हीलचेयर पर मूर्छित अवस्था में पड़ा हुआ था। सूचना मिलते ही दरोगा जीवन अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। प्रारंभिक जांच में व्हीलचेयर के पास नशे की सामग्री भी पड़ी मिली थी और पुलिस ने दिव्यांग को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां रविवार की सुबह दिव्यांग 38 वर्षीय राम प्रसाद उर्फ राजा निवासी शिवनगर ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही एसएसआई नवीन बुधानी ने शिनाख्त व पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया कि प्रारंभिक जांच में राम प्रसाद नशे का लती प्रतीत हो रहा है।

दहेज उत्पीड़न के मामले में केस दर्ज

काशीपुर : एक महिला ने अपने पति पर दहेज उत्पीड़न आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। आईटीआई थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने पैगा पुलिस चौकी में तहरीर देकर बताया कि 12 फरवरी 2023 को उसकी शादी बिलासपुर, जिला रामपुर क्षेत्र निवासी गुरविन्दर सिंह के साथ हुई थी। उसका पति कमीशन पर लोगों को विदेश भेजने का कार्य करता था। पति के कहने पर अगस्त 2023 से वह मुंबई में नौकरी छोड़कर उसका ऑनलाइन कार्य करती रही। बताया कि ससुराल वालों ने मकान बनाने के लिए पीड़िता से 50 लाख रुपये दहेज में लाने की मांग की। मना करने पर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया और नौकरों जैसा बर्ताव किया गया। आरोप है कि 9 जून को मारपीट कर सास, ससुर और पति ने महिला को घर से निकाल दिया।

नाबालिग के साथ तीन साल तक किया दुष्कर्म

बाजपुर : नाबालिग 16 वर्षीय बेटी को शादी का झांसा देने के साथ ही बहला-फुसलाकर करीब तीन साल तक दुष्कर्म करने का आरोप लगा पीड़िता की मां ने कोतवाली में पड़ोसी युवक के विरुद्ध नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस चौकी बन्नाखेड़ा क्षेत्रांतर्गत एक गांव निवासी पीड़िता अपनी मां व भाई के साथ कोतवाली पहुंची और उसकी मां ने तहरीर देकर पुलिस को बताया कि उनकी बेटी की उम्र करीब 16 वर्ष है और अपने अच्छे-बुरे के बारे में समझ नहीं है। आरोप है कि घर से कुछ दूरी पर पड़ोस में ही रहने वाला युवक पिछले करीब तीन वर्ष से बेटी के संपर्क में है तथा शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म कर चुका है।

बंगाल की युवती का लटका मिला शव

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में एक पश्चिम बंगाल की रहने वाली युवती द्वारा सुसाइड किए जाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस को सूचना मिलती है कि किराए पर रहने वाली एक लड़की ने सुसाइड कर लिया है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडेय पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। देखा कि गगनापुर नदिया पश्चिम बंगाल निवासी 27 वर्षीय सुचित्रा दस ने पर्दे की रॉड में साड़ी बांधकर फंदा लगाया है और शव लटका हुआ है। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा।

प्रारंभिक पड़ताल में पता चला कि तीन माह पहले ही युवती कोलकाता से रुद्रपुर आई थी और सिडकुल की एक कंपनी में काम करती थी। युवती एक तलाकशुदा थी और कोलकाता में रहने के दौरान ही तलाक हो गया था। घटनास्थल पर किसी भी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिलने के कारण पुलिस ने प्रकरण की तफ्तीश शुरू कर दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी और सुसाइड की वास्तविक वजह क्या है। इन सभी सवालों के जवाब ढूंढेगी।

सड़क किनारे गड्ढे में पड़ा मिला शव, मचा हड़कंप

सितारगंज : मलपुरी सड़क किनारे एक गड्ढे में शव मिलने से आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। गांव सरकड़ा निवासी दीपक ने बताया कि वह चीनी मिल के पास स्थित एक दुकान में कार्य करता है। रविवार को वह दुकान में था। तभी आसपास के लोगों ने उसे मलपुरी में एक शव मिलने की जानकारी दी तो वह घटनास्थल पर पहुंच गया। वह उसे पता चला कि सड़क किनारे मिला शव उसके भांजे आकाश (32) पुत्र ओम प्रकाश का है। जो गांव सरकड़ा में ही अपने परिवार के साथ रहता है। उसने बताया कि वह सरकड़ा स्थित एक पेट्रोल पंप में काम करता है। रविवार को सुबह आठ बजे वह अपनी साइकिल से ड्यूटी पर निकला था। लेकिन वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचा था।

आकाश (फाइल)।

भारी भीड़ काबू करने में पुलिस ने बहाया पसीना, व्यापारियों के चेहरों पर रौनक लौटी

झनकईया मेले में उमड़े नेपाली नागरिक

इमली के गोले के ठेले पर मौजूद नेपाली बालिकाएं। ● अमृत विचार

सौंदर्य प्रसाधन की सामग्री खरीदती महिलाएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: झनकईया में लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेले के पांचवें दिन भारी संख्या में उमड़े नागरिकों ने जमकर खरीदारी की। वहीं भीड़ के चलते पुलिस को भी सर्दी के मौसम में भी पसीना बहाना पड़ा। चार दिन से सन्नाटे में डूबे व्यापारियों के चेहरों पर भी रौनक लौट आई।

झनकईया के कार्तिक पूर्णिमा के मेले में रविवार को भारी भीड़ उमड़ी। मेले में आज भारी संख्या में नेपाली नागरिक पहुंचे। जिससे मेले की खानपान की दुकानों सहित हर प्रकार की दुकानों, मनोरंजन के साधनों का उपयोग करने के लिए मेलार्थियों को लंबे समय तक बारी का इंतजार करना पड़ा। सिंघाड़े और जलेबी के लिए मशहूर इस मेले में सिंघाड़ों और जलेबियों की दुकानों पर भारी भीड़ रही। थाना झनकईया के प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र गौरव अपनी टीम के साथ पूरे मेले पर कड़ी नजर रखे हुए थे ताकि किसी प्रकार की अभद्रता आदि न कर सके।

विधायक चौहान पर फूटा बंगाली समाज का गुस्सा

दिनेशपुर में विधायक मुन्ना सिंह चौहान का फूंका पुतला, अनुसूचित जाति का दर्जा व अन्य मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: बंगाली समाज के लोगों ने अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन दिया। प्रदर्शनकारियों ने बंगाली समुदाय की उपजातियों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने, श्री ठाकुर गुरुचांद की स्मृति में छात्रवृत्ति शुरू करवाने, बंगाली बाहुल्य क्षेत्रों में प्राथमिक कक्षाओं से बांग्ला भाषा शुरू करवाने, राज्य गठन के समय राज्य में निवास कर रहे बंगाली समुदाय व अन्य जातियों को स्थाई प्रमाण पत्र जारी करवाने की आदि मांगों को प्रदेश सरकार से की। समापन पर गुस्साए बंगाली समाज के लोगों ने विधायक मुन्ना सिंह चौहान के विधानसभा में कहे बयानों के विरोध में नारेबाजी करते हुए पुतला फूंका।

रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक पर प्रादेशिक बंगाली कल्याण समिति प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी के नेतृत्व में दर्जनों लोग एकत्रित हुए। इस दौरान पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन ने कहा कि देश आजादी के बाद भारत के सात राज्यों में बंगाली समुदाय की उपजातियों को अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त है। जबकि 1952 से लगातार उत्तराखंड व यूपी में निवास कर रहे बंगाली समुदाय के लोग अनुसूचित जाति दर्जा की मांग तबसे करते आ रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश महामंत्री ममता हालदार ने कहा निवर्तमान मुख्यमंत्री पं. नारायण दत्त तिवारी ने 1989 में बंगाली समाज को अनुसूचित जाति के समक्ष मानते हुए समाज के बच्चों के उत्थान के लिए शिक्षण कार्यों हेतु छात्रवृत्ति शुरू करायी थी। प्रदेश में भाजपा सरकार आने पर छात्रवृत्ति पर रोक लगा दी है। समाजसेवी नित्यानंद मंडल ने कहा प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2001, 2003 व 2009 में बंगाली समुदाय की उपजातियां को अनुसूचित जाति का दर्जा देने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को तीन बार भेजा जा चुका है। उन्होंने केंद्र सरकार से बंगाली समाज की उपजातियों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग की। समीर राय ने कहा 14 फरवरी 2024 को रजिस्ट्रार जनरल ऑफ़ इंडिया, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिक मंत्रालय व उत्तराखंड सरकार के सचिवों के बीच पुनः बैठक हुई। जिसमें आयोग ने बंगाली समाज की उपजातियां को अनुसूचित जाति का दर्जा प्रदान करने की सहमति दी है। प्रादेशिक बंगाली कल्याण समिति प्रदेशाध्यक्ष दिलीप अधिकारी ने कहा कि विधायक मुन्ना सिंह चौहान अपनी बयान बाजी बंद करें वरना 2027 के विधानसभा चुनाव में बंगाली समाज रुद्रपुर, सितारगंज व गदरपुर विधानसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशी को मुंह तोड़ जवाब देने को तैयार है। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री नारायण हालदार ने किया। इस मौके पर जिप पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास, प्रश्नजीत शाह, किशोर हालदार, प्रभाष मंडल, राजू गाईन, अभिषेक राय, देवव्रत मंडल, सुब्रत कुमार तरफदार, विक्की राय, जगन्नाथ सरकार, अजय राय, आकाश मंडल, मंगल ढाली, वीरेंद्र नाथ मंडल, डॉ सिमरन पांडे, समर सरकार, विजय ढाली आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर में अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करते बंगाली समुदाय के लोग। ● अमृत विचार

शक्तिफार्म में प्रेस वार्ता करते भाजपा पदाधिकारी। ● अमृत विचार

भाजपाइयों ने भी जताया विरोध

शक्तिफार्म : विगत दिनों बंगाली समुदाय के खिलाफ विधानसभा सत्र के दौरान विकास नगर से भाजपा विधायक मुन्ना सिंह चौहान द्वारा दिए गए बयान को समुदाय के खिलाफ करार देते हुए स्थानीय भाजपाइयों ने कड़ा विरोध जताया। कहा कि ऐसे बयानों से न सिर्फ बंगाली समुदाय आहत है बल्कि भाजपा को भी नुकसान हो रहा है। रविवार को भाजपा पदाधिकारियों ने समाज के लोगों के साथ प्रेस वार्ता कर मुन्ना सिंह चौहान के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। वक्ताओं ने कहा कि देश के बंटवारे के बाद से ही बंगाली समुदाय के लोग यहां निवासरत हैं। बंगालियों को अनुसूचित जाति का दर्जा कोई खैरात नहीं वरन उनका अधिकार है। मुन्ना सिंह चौहान को बंगालियों के गौरवशाली इतिहास को जानने की आवश्यकता है। वक्ताओं ने कहा कि राज्य की पूर्व भाजपा सरकार केंद्र को प्रस्ताव भेज बंगालियों को आरक्षण देने की वकालत कर चुकी है। मुन्ना सिंह चौहान के बयान से खटीमा से लेकर गदरपुर विधानसभा सीट तक प्रभाव रखने वाला बंगाली समुदाय क्षुब्ध है। किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ पर निशाना साधते हुए वक्ताओं ने कहा कि दो बार विधायक और कैबिनेट मंत्री रहते हुए उन्होंने कभी इस समाज की बात नहीं उठाई। बंगालियों के हितैषी कहलाने वाले गदरपुर के पूर्व बंगाली विधायक ने दस साल विधायक रहते हुए मात्र एक बार ही सदन में जाति के मुद्दे को उठाया। भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि पट्टाधारकों को भूमिधारी अधिकार, लाइफ लाइन कही जाने वाली सिरसा मार्ग और सूखी नदी पर पुल निर्माण, उच्च शिक्षा के लिए गुरुचांद ठाकुर छात्रवृत्ति योजना सहित अन्य विकास कार्य कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने किया है। इस मौके पर संजय बाछड़, गोविंद तालुकदार, संजीव डे आदि मौजूद रहे।

सुपरवाइजर ने की बुजुर्ग से हाथापाई

रुद्रपुर: शहर की पॉश कॉलोनी में एक सुपरवाइजर द्वारा बुजुर्ग सिक्योरिटी गार्ड से दुर्व्यवहार करने और हाथापाई किए जाने का मामला सामने आया है। जैसे ही सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुई। वैसे ही सिडकुल पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात्रि को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होती है। वीडियो शहर की मेट्रोपोलिस कॉलोनी की बताई जा रही है। वीडियो में एक बुजुर्ग सिक्योरिटी गार्ड नजदीक पड़े सोफे पर हल्की झपकी ले रहा था। अचानक सुपरवाइजर आता है और बुजुर्ग से थप्पड़बाजी करने लगता है। जब सिक्योरिटी गार्ड ने हाथ जोड़कर रहम की भीख मांगी तो सुपरवाइजर ने डंडा उठाकर पीटना शुरू कर दिया और गाली गलौज करते हुए धक्के मारते हुए बुजुर्ग सिक्योरिटी गार्ड को बाहर निकालता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो दिवाली के आसपास की है और आरोपी सुपरवाइजर नशे में धुत था। शनिवार की रात्रि को हाथापाई व दुर्व्यवहार की वीडियो वायरल होने के बाद सिडकुल चौकी पुलिस भी अलर्ट हो गई हैं। उधर,सिडकुल चौकी प्रभारी सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि आरोपी सुपरवाइजर की तलाश कर रही है।

महापौर के फोटोग्राफर पर बदमाशों का हमला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: हथियारबंद बदमाशों द्वारा महापौर के फोटोग्राफर पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घायल युवक का मेडिकल कराया और तहरीर आने के बाद हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

बताते चलें कि वार्ड-29 निवासी विजय कुमार नाम का युवक रुद्रपुर नगर निगम महापौर विकास शर्मा का फोटोग्राफर है। जिसके द्वारा युवक-युवती की शादी समारोह में वीडियो एवं फोटोग्राफी की थी। बताया जा रहा है कि विजय ने वीडियो देने के बाद फोटो एलबम का काम बचा हुआ था और बार-बार जल्द ही पूरा कर एलबम देने का आश्वासन भी दिया। इसी विवाद को लेकर रविवार की सुबह लड़की के भाई ने फोटोग्राफर को फोन किया और बातचीत करने के बहाने बाजार चौकी से कुछ ही दूर काशीपुर बाईपास पर बुलाया। जब विजय पहुंचा तो वहां पहले एक कार सवार युवक हाथापाई करने लगा फिर हथियारबंद दूसरी व तीसरी गाड़ियां आकर रुकीं और कार सवार 20 से 25 युवक उतरे और हमलावर हो गये। दिनदहाड़े हुई इस घटना से अफरातफरी मच गई और महापौर का फोटोग्राफर विजय अपनी जान बचाकर भागा और बाजार पुलिस चौकी पहुंचा। सूचना मिलते ही लोग एकत्रित होने लगे।

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: पुलभट्टा थाना अंतर्गत शक्तिफार्म मार्ग पर बाइक ने साइकिल सवार युवक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। घटना में घायल साइकिल सवार ग्रामीण को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी सुशीला तिवारी हल्द्वानी में मौत हो गई। मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना पुलिस को दी शिकायत में ग्राम शहदौरा, थाना पुलभट्टा निवासी इसराइल ने कहा कि उसका 35 वर्षीय पुत्र जिबरहीम विगत 7 अक्टूबर को साइकिल से खेत पर काम करने के बाद लौट रहा था। रास्ते में सर्वजीत फॉर्म के निकट पीछे से आ रही बाइक के चालक ने साइकिल को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। पीड़ित पिता ने आरोप लगाया कि बाइक चालक द्वारा शराब की तस्करी की जा रही थी तथा घटना के दौरान बाइक पर तस्करी की शराब रखी हुई थी। शिकायत में पीड़ित ने बताया कि घटना के बाद आरोपी बाइक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया तथा सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायल को एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे गंभीर अवस्था में हायर सेंटर रेफर कर दिया। पीड़ित के अनुसार इलाज के दौरान उसके पुत्र जिबरहीम ने दम तोड़ दिया। फिलहाल पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मैजिक वाहन व कार की टक्कर से छह घायल, एक की हालत गंभीर

दिनेशपुर : कार की जबरदस्त टक्कर से टाटा मैजिक वाहन में बैठे सिडकुल पांच महिला कर्मचारियों सहित दोनों वाहनों के चालक घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व आसपास के लोगों ने घायलों को आनन-फानन में नेतानगर के पास निजी अस्पताल पहुंचा। एक की हालत नाजुक बनी हुई है। चिकित्सकों ने गंभीर घायल महिला को हायर सेंटर रेफर कर दिया। रविवार की प्रात: 5 बजे मैजिक वाहन से सिडकुल जा रही पांच महिला कर्मी सामने से आ रही कार की जबरदस्त टक्कर से घायल हो गई। मैजिक में बैठी जमुना गाईन (40) को गंभीर चोटें आ गई। जिनकी हालत नाजुक देख चिकित्सक ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। घायल रामबाग निवासी तुलसी सरकार, तुलसी मलिक, रीमा मंडल वार्ड-3, मैजिक चालक श्रीरामपुर निवासी आलोक मंडल व कार चालक सूरज मालदार निवासी वार्ड-3 चंदनगढ़ को भी काफी चोटे आई। घायलों का नेतानगर एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। थानाध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि सड़क पर बने गड्ढो को बचाने के चक्कर में कार अनंत्रित होकर मैजिक से जा टकरागई। फिलहाल एक पक्ष की ओर से तहरीर आई है। दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है।

युवक की संदिग्ध हालात में मौत, तहरीर सौंपी गई

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने कुछ लोगों पर युवक की हत्या करने का आरोप लगाया है।

मानपुर रोड जंगा रोड निवासी अनुज यादव (35) पुत्र नन्हें यादव बीते शनिवार की दोपहर लगभग 12.30 बजे अपने घर के आंगन में अपनी मां सुखलेश देवी, जगवीर यादव मामा, लल्ला यादव उर्फ लच्छी के साथ बैठकर बातचीत कर रहे थे। बताया जा रहा है इसी दौरान क्षेत्र निवासी दो युवक बाइक से आए और अनुज यादव पर लकड़ी की फंटी से जानलेवा हमला कर मौके से भाग गए। वहीं हमले से अनुज यादव मौके पर गिर पड़ा। तब मौके पर मौजूद परिजन अनुज को गंभीर अवस्था में एलडी भट्ट सरकारी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने स्वास्थ्य परीक्षण कर उसको मृत घोषित कर दिया। उधर बीती शाम सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। रविवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने बताया कि अनुज यादव स्वयं का डंपर चलाते थे। असमय घटी घटना से उनके दो बेटे लक्ष्य यादव (10) व आदी (7) और पत्नी हेमा यादव, माता सुखलेश यादव व पिता नन्हें यादव का रो-रोकर बुरा हाल था। बताया दोनों बेटे कक्षा तीन में पढ़ रहे हैं।

मुखर देवभूमि व्यापार मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने कोतवाली प्रभारी प्रकाश सिंह से की मुलाकात

यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग उठाई

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: देवभूमि व्यापार मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने नवनियुक्त कोतवाली प्रभारी प्रकाश सिंह से मुलाकात कर यातायात व्यवस्था को लेकर ज्ञापन सौंपा और जल्द कार्रवाई का आग्रह किया।

देवभूमि व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष विजय अरोड़ा, महामंत्री नितिन फुटेला सहित अंकुर अग्रवाल, राकेश अरोड़ा एवं बालकिशन ने कोतवाली पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से व्यापारियों ने कहा कि नगर के पॉवर हाउस, मुख्य बाजार, महाराणा प्रताप चौक, दीनदयाल चौक, अंबेडकर चौक, आदित्य चौक आदि क्षेत्रों में ई-रिक्शा चालकों के आतंक एवं मनमानी के कारण नगर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि ई रिक्शा चालकों की मनमानी तथा जहां-तहां वाहन खड़ा किए जाने से दुर्घटनाओं में इजाफा हो रहा है। कहा कि नगर क्षेत्र में संचालित ई रिक्शा चालकों का सत्यापन भी कराया जाना चाहिए, क्योंकि बाहरी क्षेत्र से ई रिक्शा चालक के रूप में नगर में आने वाले लोगों में अपराधी किस्म के लोग भी नगर में कोई आपराधिक वारदात को अंजाम देकर आसानी से फरार हो सकते हैं तथा घटना का खुलासा करने में पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ेगी और अपराधी खुलेआम घूमता रहेगा।

उन्होंने सर्दी के मौसम में चोरी तथा अपराधिक घटनाओं के दृष्टिगत रात्रि गश्त बढ़ाने का भी आग्रह किया। कोतवाल प्रकाश सिंह ने व्यापारियों की बात को गंभीरता से सुनते हुए कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

किच्छा में कोतवाल प्रकाश सिंह से वार्ता करते व्यापारी। ● अमृत विचार

जानलेवा हमले का आरोपी धरा

रुद्रपुर: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में एक युवक पर जानलेवा हमला किए जाने के फरार तीसरे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी अभी भी फरार चल रहा है। रविवार को थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि एक अक्टूबर को शिवनगर निवासी निशा ने मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें बताया कि उसके देवर को बहाने से बुलाकर भदईपुरा निवासी सूरज पांडेय ने अपने साथियों के साथ मिलकर हमला किया। जब देवर भाग रहा था तो संदीप ने तमंचे से फायर कर डाला। जिसमें देवर बाल-बाल बच गया। आठ नवंबर की शाम को मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने विशाल कश्यप निवासी भदईपुरा को गिरफ्तार कर लिया।

डीआईजी ने देखे निर्माण कार्य

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार: डीआईजी अनिल कुमार शर्मा ने शनिवार को 57 वीं वाहिनी एसएसबी का निरीक्षण किया। इस दौरान डीआईजी ने प्रशासनिक भवन, पारिवारिक आवास और कार्मिकों के लिए बनाए जा रहे 10 बेडेड अस्पताल के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

शनिवार को सितारगंज पहुंचे डीआईजी अनिल कुमार शर्मा और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने प्रस्तावित भवनों के लिए चिन्हित स्थलों का भौतिक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं स्वीकृत लेआउट के अनुरूप ही पूरा कराने का निर्देश दिया। साथ ही, अधिकारियों ने निर्माणाधीन भवनों के बीच उचित दूरी, हरित क्षेत्र के संरक्षण और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर भवनों के लेआउट में आवश्यक सुधार के लिए सुझाव भी दिया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि निर्माण कार्य सुरक्षा मानकों, पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों एवं स्वीकृत परियोजना योजना के अनुरूप किया जाए। वहां उप महानिरीक्षक अनिल कुमार शर्मा, कमांडेंट मनोहर लाल, ईई उमेश प्रसाद गुप्ता, उप कमांडेंट दीपक सिंह जायाड़ा, उप कमांडेंट अनिल कुमार यादव, सीई देवेंद्र प्रकाश, ईई अजय मित्तल, संजीव अग्रवाल, जेई मुकेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एसएसबी परिसर में निर्माणाधीन स्थल का निरीक्षण करते डीआईजी शर्मा।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार, 10 नवंबर 2025

सिटी ब्रीफ

एक सप्ताह पूर्व प्लास्टिक के बोरे में मिले महिला के शव मामले में रिपोर्ट दर्ज

खटीमा : पुलिस ने एक सप्ताह पूर्व रेलवे पटरी के किनारे से प्लास्टिक के बोरे में बरामद महिला के शव के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। नगर पालिका वार्ड संख्या 16 पकड़िया निवासी प्रेमचंद्र उपाध्याय ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा है कि दो नवम्बर को मुझे अपने होटल मालिक मोहित जोशी से सूचना मिली कि मेरी पुत्री सुनीता उपाध्याय का शव सरकारी अस्पताल में रखा है। जिसपर मैं अपनी पत्नी रेखा उपाध्याय के साथ अस्पताल जाकर देखा तो मेरी बेटी के हाथ की अंगुलियों व हाथ पर लिखे उसके पति आनन्द के नाम से उसकी पहचान की थी व उसके पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार कर दिया था। उसके अंतिम संस्कार एवं क्रियाक्रम में व्यस्त होने के कारण आज आया हूं। तहरीर में बताया है कि मेरी बेटी सुनीता 30 अक्टूबर को घर से चले गई थी वह पहले भी कई बार कई-कई दिनों तक घर से चली जाती थी। जिस कारण हमने उसकी कही रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई। यह भी कहा कि मेरी पुत्री की हत्या कर सबूत छिपाने की नियत से उसके शव को मण्डी के पीछे रेलवे पटरी के किनारे फेंका गया था। पीड़ित ने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। जिसपर पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है।

टीचर ऑफ द ईयर से नवाजे जाएंगे डॉ. महीपाल

काशीपुर : राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. महीपाल सिंह को 14 नवंबर को देहरादून में टीचर ऑफ द ईयर से नवाजा जाएगा। 14 नवंबर को क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकास्ट) देहरादून में अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव होगा। इसमें अलीगंज रोड पैराडाइस कॉलोनी निवासी डॉ. महीपाल सिंह का चयन उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तराखंड शासन से मिलने वाले टीचर ऑफ दी ईयर-2025 के लिए किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार शिक्षा और शोध में विशेष योगदान के लिए दिया जाएगा। डॉ. महीपाल सिंह ने बताया कि शिक्षण और शोध का उन्हें 22 वर्षों से अधिक का अनुभव है। 49 रिसर्च पेपर्स, 32 पुस्तकें, समाचार पत्रों और विज्ञान पत्रिकाओं में 9 लेख प्रकाशित हो चुके हैं। विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में करियर बनाने, विज्ञान को लोकप्रिय बनाने और उत्साहवर्धन करने वाले 35 से अधिक व्याख्यान दे चुके हैं।

काशीपुर में राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर केक काटते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

चटिया में जागरूकता को लगा विधिक शिविर

खटीमा : राज्य स्थापना दिवस पर विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ग्राम पंचायत चटिया में ग्राम प्रधान चंद्रकला देवी की अध्यक्षता में शिविर किया गया। शिविर में पैनल अधिवक्ता इलियास सिद्दीकी ने बताया कि नौ नवंबर को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर पीएलवी आरबी सिंह राणा, पिंकी राणा, रमा देवी सहित समूह की महिलाएं मौजूद रहीं। शिविर का उद्देश्य समाज में कमजोर वर्ग को निशुल्क अधिवक्ता दिलाने संबंधी जानकारी देना था।

जीआईसी शांतिपुरी में समूह गान प्रस्तुत करते एनएसएस स्वयंसेवक। ● अमृत विचार

स्थापना दिवस पर काशीपुर के लोगों ने लगाई मैराथन दौड़

विभिन्न संस्थानों में मनाई गई राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती, समूह नृत्य प्रतियोगिता में खुशबू ग्रुप प्रथम, राज्य में खुशहाली की कामना की

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के उपलक्ष्य में काशीपुर की प्रतिष्ठित संस्था यश कीर्ति सेतु द्वारा आयोजित मैराथन दौड़ में बच्चों से लेकर बुजुर्ग ने स्वास्थ्य की दौड़ लगाई।

रविवार को आयोजित मैराथन दौड़ का शुभारंभ ज्ञानार्थी कॉलेज से किया गया। जिसमें उद्योगपति, व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, अध्यापक, अधिवक्ता आदि समेत लगभग दो हजार लोगों ने प्रतिभाग कर इतिहास रच दिया। यश कीर्ति सेतु संस्था द्वारा प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त धावकों के साथ ही अन्य धावकों को मेडल, टी-शर्ट व अन्य पुरस्कार प्रदान किये गये। आयोजन में पूर्व महापौर ऊषा चौधरी, एसपी एसके सिंह, एसडीएम अभय प्रताप सिंह, लायंस क्लब काशीपुर ग्रेटर के अध्यक्ष ला. गौतम मेहरोत्रा, अनुराग सोलंकी, हरप्रीत सेठी, जसप्रीत सेठी, पवन अग्रवाल, ईश्वर पैगिया, नमिता पैगिया, नितिन अग्रवाल आदि मौजूद रहे। इधर चन्द्रावती तिवारी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रजत जयंती समारोह बड़े उत्साह और गौरव के साथ धूमधाम से मनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवियों एवं महाविद्यालय की अन्य छात्राओं ने राज्य की संस्कृति, परम्परा और विकास यात्रा पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साह पूर्वक भाग लिया। इसमें समूह नृत्य प्रतियोगिता में खुशबू ग्रुप प्रथम, स्नेहा ग्रुप द्वितीय और अक्षिता ग्रुप तृतीय, एकल नृत्य प्रतियोगिता में इशिता, सीमा, मीनाक्षी क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। उधर उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज में राज्य स्थापना दिवस पर विद्यालय के पूर्व छात्र रहे राज्य आंदोलनकारियों को विद्यालय परिवार की ओर से बैज अलंकरण और शॉल ओढ़ाकर गर्म जोशी के साथ स्वागत किया गया। इधर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने शहीदों को नमन कर उत्तराखंड राज्य की खुशहाली की कामना की। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन के नेतृत्व में कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश भगत व मुख्य अतिथि एआईसीसी के सदस्य प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने छोटे नीम स्थित पुरानी सब्जी मंडी में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक पर एकत्रित होकर शहीदों को श्रद्धांजलि देकर केक काटा। उधर मंडी समिति काशीपुर में रजत जयंती समारोह के मौके पर प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। मंडी समिति के सचिव योगेश तिवारी ने बताया कि मंडी समिति कार्यालय में प्रगतिशील किसान अरुण कुमार शर्मा (किसान विकास क्लब के अध्यक्ष), लक्ष्मीकांत शर्मा, उपेन्द्र कुमार शर्मा (पूर्व उपाध्यक्ष मंडी समिति जसपुर) को स्मृति चिन्ह और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर ई-नाम परियोजना के अंतर्गत सर्वाधिक उत्पाद बेचने वाले किसान रामपाल सिंह और ई-नाम पोर्टल पर व्यापार करने वाले व्यापारी हिमांशु विश्नोई (मै. विश्नोई ट्रेडर्स) को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

काशीपुर में मैराथन दौड़ में जीते प्रतिभागियों को पुरस्कार देते अतिथि। ● अमृत विचार

सितारगंज में आयोजित कार्यक्रम में विजेता छात्रा को पुरस्कृत करतीं जय जोशी।

खटीमा में चेक के साथ लाभार्थी और पालिकाध्यक्ष जोशी और अन्य। ● अमृत विचार

जीआईसी शांतिपुरी में राज्य स्थापना दिवस पर रंगारंग कार्यक्रमों की धूम

शांतिपुरी : शांतिपुरी आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज में रविवार को उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित रजत जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. बीसी भट्ट व पीटीए अध्यक्ष मोहन सिंह कोरंगा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर एनएसएस इकाई के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में छात्रों ने उत्तराखंड की संस्कृति, लोकगीतों एवं लोकनृत्यों के माध्यम से राज्य की समृद्ध परंपराओं को प्रदर्शित किया। विद्यालय परिवार व अभिभावकों ने विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए भागीदारी निभाई। पीटीए अध्यक्ष मोहन सिंह कोरंगा, एनएसएस प्रभारी सुनील कुमार श्रीवास्तव व अन्य शिक्षकों ने राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए उत्तराखंड के 25 वर्षों की उपलब्धियों को सराहा। उन्होंने विद्यार्थियों से राज्य निर्माण के सपनों को साकार करने और प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी सुनील कुमार श्रीवास्तव, प्रवक्ता पीएन सिंह, प्रकाश सिंह रावत, एनबी जोशी, अमित गुप्ता, प्रियंका पंवार, दिव्या सिंह, विपिन पांडे व छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

सितारगंज में भी हुए विभिन्न कार्यक्रम

सितारगंज : सितारगंज में धूमधाम से राज्य स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान विभिन्न शैक्षणिक संस्थान, सरकारी विभागों और कार्यालयों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रविवार को स्नातकोत्तर महाविद्यालय सितारगंज, जीआईसी बिज्टी, खंड विकास कार्यालय सहित विभिन्न सरकारी संस्थानों में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं, विद्यालयों में निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण, सामान्य ज्ञान क्विज, खेलकूद सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने राज्य के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध, संस्कृति और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। वहां तहसीलदार हिमांशु जोशी, बीडीओ सीआर आर्य, समाजसेविका जय जोशी, प्राचार्य डॉ. रेनू रानी बंसल, प्रधानाचार्य सतीश चंद्र, डॉ. राजविंदर कौर, डॉ. एमसी आर्य, डॉ. दुर्गा तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ग्रामोत्थान परियोजना के 30 महिलाओं को बांटे चेक

खटीमा : विकासखंड में उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस रजत जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामोत्थान परियोजना के द्वारा 30 अति निर्धन महिलाओं को 35-35 हजार और चार लाभार्थियों को व्यक्तिगत उद्यम के लिए 1.2 लाख के चेक वितरित किए। ब्लॉक परिसर स्थित कन्हैया क्लस्टर कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में ग्रामोत्थान परियोजना द्वारा स्वरोजगार अपना कर आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस दौरान टीम लीडर नागेंद्र पटेल ने विभिन्न योजनाओं की जानकारियां दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने सरकार द्वारा महिला समूहों को सशक्त बनाने के उद्देश्य की सराहना की। सांसद प्रतिनिधि रविन्द्र सिंह राणा ने इस योजना का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने की अपील की। खंड विकास अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने समय-समय पर चलाई जा रही इन स्कीमों का लाभ आत्मनिर्भरता के लिए उठाने की अपील की। इस दौरान दीपिका राजपूत, जानकी गोस्वामी, कन्हैया क्लस्टर अध्यक्ष लक्ष्मी पांडे, कोषाध्यक्ष पूनम चौहान, उड़ान क्लस्टर अध्यक्ष जय श्री, ललित राणा, दीपा जोशी, मीना, पुष्पा, आशा, नीतू, भागीरथी, नीता, शांति, साधना, राजनंदी आदि उपस्थित रहे।

खटीमा के चटिया फार्म में आयोजित विधिक शिविर में उपस्थित लोग। ● अमृत विचार

अपने मेडल्स के साथ उत्तराखंड के विजेता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

सात गतका एथलीटों ने 8 पदक जीते

बाजपुर : बेंगलूरू में आयोजित द्वितीय नेशनल कल्चरल पिथियन गेम्स-2025 में उत्तराखंड के गतका एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। राज्य के सात खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय मंच पर कुल 8 पदक (3 स्वर्ण, 3 रजत व 2 कांस्य) जीतकर देवभूमि का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता सात से नौ नवंबर तक जीकेवीके यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चरल साइंसेज परिसर बेंगलूरू में संपन्न हुई। उत्तराखंड गतका महासंघ के महासचिव हरप्रीत सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान गतका-सोटी व्यक्तिगत इवेंट में जगजोत सिंह ने कांस्य पदक जीता। गतका-सोटी टीम इवेंट में राजविंदर सिंह, जगजोत सिंह व अभिजोत सिंह ने स्वर्ण पदक हासिल किए। फर्री-सोटी व्यक्तिगत इवेंट में अभिजोत सिंह ने कांस्य पदक हासिल किया। फर्री-सोटी टीम इवेंट में अजयपाल सिंह, सहजपाल सिंह व समरजीत सिंह ने रजत पदक जीते। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शन के दम पर उत्तराखंड के गतका एथलीट रूस में होने वाले इंटरनेशनल पिथियन गेम्स में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। उत्तराखंड गतका एसोसिएशन के अध्यक्ष हरवीर सिंह गिल, अकाल अकादमी तेलीपुरा की प्रधानाचार्या डा.सुखजीत कौर ने विजेताओं को बधाई दी।

सेना में जाने के लिए किया जागरूक

किच्छा में छात्राओं एवं शिक्षिकाओं के साथ सेना के मेजर सुरेंद्र अरोरा। ● अमृत विचार

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: नगर स्थित सूरजमल अग्रवाल कन्या महाविद्यालय में "भारतीय सेना में महिलाओं की भूमिका और अवसर" विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय सेना के अधिकारी मेजर सुरेंद्र अरोरा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर छात्राओं का उत्साह वर्धन किया और भारतीय सेना में महिलाओं की भागीदारी को लेकर छात्राओं को जागरूक किया। इस दौरान छात्राओं द्वारा पूछे गए सवालों का भी मेजर अरोरा ने बेबाकी से जवाब दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को देश सेवा के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करना था। मेजर सुरेंद्र ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़कर देश का नाम रोशन कर रही हैं और भारतीय सेना भी महिलाओं को समान अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने छात्राओं को एनडीए एवं सीडीएस सहित अन्य रक्षा सेवाओं में प्रवेश के मार्गों की जानकारी देकर जागरूक किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बीसी जोशी एवं सचिव एसएन शर्मा ने मेजर सुरेंद्र अरोरा का स्वागत करते हुए कहा कि उनके संबोधन से छात्राओं में आत्मविश्वास और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा मिला है। कार्यक्रम में दर्जनों छात्राओं एवं शिक्षकों ने शिरकत की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सामूहिक रूप से देशभक्ति गीत भी गाया गया।

गुरु पर्व के अवसर पर निशुल्क नेत्र जांच शिविर

किच्छा : नगर के वार्ड नंबर 2 आजाद नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में गुरु पूरब के अवसर पर निशुल्क नेत्र जांच शिविर एवं धार्मिक दीवान के उपरांत विशाल लंगर का आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में दर्जनों ग्रामीणों ने अपने नेत्रों की जांच कराई और सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लंगर में प्रसाद ग्रहण किया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वाधान में गुरु पूर्व के अवसर पर प्रभु नेत्रालय रुद्रपुर के सहयोग से निशुल्क नेत्र जांच शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित गुप्ता एवं डॉ. पारुल पाठक ने शिविर में पहुंचे दर्जनों लोगों के नेत्रों की निशुल्क जांच की। इस दौरान कई नेत्र रोगियों को निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान जितेंद्र सिंह संधू ने बताया कि गुरु पूरब के अवसर पर गरीब एवं निर्धन लोगों की सेवा के उद्देश्य से निशुल्क नेत्र जांच कैंप का आयोजन किया गया है तथा शिविर में चिन्हित किए गए गंभीर रोगों से पीड़ित नेत्र रोगियो का मोतियाबिंद का निशुल्क ऑपरेशन कराया जाएगा। गुरु पर्व के अवसर पर सजाए गए धार्मिक दीवान में कथावाचकों ने गुरु की महिमा का सुंदर बखान किया।

राजकीय डिग्री कॉलेज गदरपुर में विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि।

गदरपुर राजकीय डिग्री कॉलेज याद दिलाता है युवा छात्र संघर्ष समिति का संघर्ष

गदरपुर : राजकीय डिग्री कॉलेज गदरपुर में उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती पर विविध प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पालिका अध्यक्ष मनोज गुंबर की धर्मपत्नी सोनू गुंबर और पूर्व पालिका अध्यक्ष अंजु भुट्टी ने किया। अंजु भुट्टी ने कहा कि गदरपुर डिग्री कॉलेज युवा छात्र संघर्ष समिति के संघर्षों की याद दिलाता है, जिन्होंने राज्य निर्माण में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने छात्रों से शिक्षा के साथ अनुशासन और सदाचार पर ध्यान देने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन किन्नी पांडे ने किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को मेडल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर जागृति संस्था के संरक्षक रमेश कंबोज, भाजपा जिला उपाध्यक्ष, चकित हुडिया, युवा छात्र संघर्ष समिति अध्यक्ष विजय अरोड़ा, विपिन गुप्ता, वंश शर्मा, सौरभ सैनी, सुमित शर्मा, प्राचार्य प्रेम प्रकाश, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. प्रभजोत कौर, डॉ. मंजू आर्य सहित प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मुखर

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सरकार से उठाई मांग

भाजपा बनाम कांग्रेस कार्यकाल का जारी हो श्वेत पत्र

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार: नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि भाजपा सरकार उनके 13 साल के कार्यकाल का श्वेत पत्र जारी करें। श्वेत पत्र के जरिए वह कांग्रेस सरकार के 10 साल और भाजपा सरकार के 13 साल की उपलब्धि को जनता के समक्ष रखें। उन्होंने कहा कि भाजपा, कांग्रेस द्वारा पिछले 10 सालों में किए गए कार्यों को बताकर झूठी वाह-वाही लूटने का प्रयास कर रही है।

रविवार को नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, वरिष्ठ समाजसेवी शिवकुमार मित्तल के आवास पर पहुंचे। यहां कांग्रेसजनों और नगर पंचायत शक्तिगढ़ के अध्यक्ष सुमित मंडल ने फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया।

इस दौरान पत्रकारों से वार्ता करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस साल हम 25 वां राज्य स्थापना मना रहे हैं। लेकिन राज्य के लोगों में मायूसी है। 25 साल बाद भी लोग बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए लड़ रहे हैं। बीते दिनों लोग चौखुटिया से पैदल देहरादून चले आए। घनसाली में भी इसी तरह का आंदोलन चल रहा है। ऋषिकेश में भी लोग शराब की दुकानों को लेकर लामबंद है। राज्य गठन में योगदान देने वाली महिलाओं को बुनियादी सुविधाओं के लिए जनांदोलन की राह पकड़नी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों की सोच के अनुरूप राज्य के लोग समग्र विकास, बुनियादी सविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा की मांग कर रही है। लेकिन भाजपा सरकार हर क्षेत्र में नाकाम रही है। राज्य की बदरंग तस्वीर सामने आ रही है। लोगों की पीड़ा, दर्द से भाजपा सरकार को कोई सरोकार नहीं है। वहां नगर अध्यक्ष सरताज अहमद, प्रदेश सचिव नवेतज पाल सिंह ,जिलानी अंसारी, पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे, हरपाल सिंह, उत्तम आचार्य, हरप्रीत सिंह हैप्पी, साहब सिंह, दलबाग सिंह, अखिलेश सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

बिजली, सड़क के अभाव में कंपनियों ने किया पलायन

सितारगंज : नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि एनडी तिवारी सरकार ने हरिद्वार, रुद्रपुर, पंतनगर, सितारगंज सहित राज्य के कई स्थानों में औद्योगिक पार्कों की स्थापना की। कांग्रेस सरकार ने औद्योगिक पार्क, सितारगंज में सैकड़ों कंपनियों को स्थापित किया। साथ ही, युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए 70 फ़ीसदी आरक्षण का प्रावधान किया। राज्य स्थापना के 25 साल बाद औद्योगिक पार्कों से कई कंपनियां पलायन कर गई। क्योंकि उन्हें रेल, सड़क, बिजली और पानी जैसे बुनियादी सुविधाएं नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि राज्य में पलायन, रोजगार, चरमराई शिक्षा व स्वास्थ्य व्यवस्था, असंतुलित विकास के लिए केवल भाजपा सरकार ही जिम्मेदार है। राज्य के करीब 1700 गांव भुतहा गांव बन गए हैं।

कोतवाली इलाके में फिर सक्रिय ऑटो लिफ्टर

रुद्रपुर : कोतवाली इलाके में बाइक चोरों ने तीन बाइकों को चुराकर पुलिस को चुनौती दे डाली है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर तलाश तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार वार्ड-दो जैन कॉलोनी निवासी अजय पाठक ने बताया कि 7 नवंबर की सुबह 10 बजे वह अपनी बाइक को लेकर सिविल लाइन स्थित शॉपिंग मॉल गया था और बाइक को लॉक कर बाहर खड़ी कर दी थी। थोड़ी देर बाद वापस आया तो बाइक चोरी हो चुकी थी। दूसरी घटना में बाइक स्वामी 5 नवंबर की सुबह साढ़े 10 बजे अपनी बाइक को लेकर मुख्य बाजार गए थे और रेडीमेड की दुकान के सामने बाइक खड़ी की थी। जब वापस आ कर देखा तो बाइक चोरी हो चुकी थी। तीसरी घटना में रविंद्रनगर निवासी राजीव राठौर ने बताया कि 27 अगस्त की रात्रि साढ़े 10 बजे वह अपनी बाइक को लेकर किच्छा बाईपास मार्ग स्थित झील में हो रहे नवरात्र कार्यक्रम में गया था और बाइक लॉक कर बाहर खड़ी कर दी थी।

प्रदीप बने वैश्य फेडरेशन के अध्यक्ष

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन ने सुल्तानपुर पट्टी में कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें प्रदीप गुप्ता अध्यक्ष चुने गए।

रविवार को एक निजी प्रतिष्ठान पर आयोजित बैठक में वैश्य समाज को संगठित और एकजुटता के लिए सुल्तानपुर पट्टी नगर कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें प्रदीप कुमार गुप्ता को नगर अध्यक्ष, अशोक गुप्ता को उपाध्यक्ष, रजत गुप्ता को महामंत्री, मनोज बंसल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। साथ ही कार्यकारिणी विस्तार के लिए नवनियुक्त अध्यक्ष को दायित्व सौंप दिया गया। वहीं नकुल अग्रवाल तथा अनुज गुप्ता को जिला कार्यकारिणी में बतौर उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। इस दौरान जिला अध्यक्ष सुरेश गोयल, प्रांतीय उपाध्यक्ष कौशलेश गुप्ता ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल मालाओं से स्वागत करते हुए उन्हें अनुमोदन पत्र भेंट किया। साथ ही उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूर्ण निष्ठा और लगन के साथ वैश्य समाज को एकजुट और संगठित करने की उम्मीद जताई। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष महेंद्र लोहिया, महेश गोयल, जिला कोषाध्यक्ष नवनीत कुमार विश्नोई, सतीश गोयल, अनुज अग्रवाल, विनीत गुप्ता, रमेश बंसल समेत पदाधिकारी मौजूद रहे।

सुल्तानपुर पट्टी में नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

आज टनकपुर में होगा जनता मिलन कार्यक्रम

टनकपुर : टनकपुर में जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन आज सोमवार को किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी कृष्णा नाथ गोस्वामी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी मनीष कुमार करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन प्रात: 11 बजे से तहसील सभागार टनकपुर में किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे आवश्यक अभिलेखों एवं सूचनाओं सहित समय पर उपस्थित होकर जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निस्तारण में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

22 ग्राम स्मैक के साथ छह आरोपी गिरफ्तार

बनबसा : पुलिस ने 22 ग्राम स्मैक के साथ 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह कोरंगा ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर चैकिंग के दौरान ग्राम देवीपुरा जंगल में सैमल के पेड़ के नीचे 22 ग्राम स्मैक सहित 6 अभियुक्त गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3 मोटर साइकिल, 2 स्कूटी, 18980 रूपये नगद, 5 मोबाइल बरामद कर गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस मैं मुकादम दर्ज कर लिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शशांक भण्डारी पुत्र चन्द किशोर सिंह निवासी चन्दनी बनवसा उम्र 33 वर्ष, अभिषेक दमय पुत्र गोरखे दमय निवासी दोधारा चांदनी नेपाल जिला कंचनपुर नेपाल उम्र 19 वर्ष, दलीप चन्द पुत्र मगनी चन्द, निवासी वार्ड नंबर 5 सुखा साल थाना गड्डा चौकी जिला कंचनपुर नेपाल उम्र 35, आशीष चन्द पुत्र वीर बहादुर चन्द, निवासी वार्ड नंबर 10 सुखासाल तीन तारा थाना गड्डा चौकी जिला कंचनपुर नेपाल उम्र 32, रोहित सिंह महर पुत्र खुशाल सिंह महर निवासी ग्राम चन्दनी बनवसा उम्र 28, किशन कार्की पुत्र करन कार्की निवासी, वार्ड नंबर 10 गड्डा चौकी जिला कंचनपुर नेपाल उम्र 26 है। उन्होंने बताया कि पुछताछ में अभियुक्तगण ने बताया कि गलत संगत में पड़कर वो नशा करना सीख गये अब स्मैक पीने की आदी हैं। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह कोरंगा, एसओजी प्रभारी कमलेश भट्ट, हेड कांस्टेबल मतलूब खान, महेन्द्र डगवांल, कांस्टेबल उमेश राज, कुलदीप सिंह,ललित चौधरी, सूरज कुमार रहे।

अल्मोड़ा में राज्य स्थापना की रजत जयंती पर आयोजित क्रॉस कंट्री का शुभारंभ करते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

रानीखेत में राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित गोष्ठी में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

चम्पावत में कार्यक्रम का शुभारंभ करते डीएम मनीष कुमार व पालिकाध्यक्ष प्रेमा पांडे।

धूमधाम से मनाया गया राज्य स्थापना दिवस

राज्य स्थापना दिवस पर स्कूली छात्रों ने निकाली प्रभात फेरी, शहीद आंदोलनकारियों को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती समारोह अल्मोड़ा में धूम-धाम से मनाया गया। नगर क्षेत्र में स्कूली छात्रों और एनसीसी कैडेटों ने प्रभात फेरी निकाली। जिला मुख्यालय समेत तहसीलों व विकासखंड मुख्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि यह दिवस हमें उत्तराखंड राज्य के गठन में हुए लंबे संघर्ष, जनसामान्य के योगदान तथा राज्य के विकास के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य गठन से लेकर अब तक उत्तराखंड ने विकास एवं तरक्की के विभिन्न आयामों को हासिल किया है लेकिन हमें यहीं तक नहीं रुकना बल्कि राज्य एवं जनपद अल्मोड़ा को तरक्की की नई नई ऊंचाईयों तक पहुंचना है। वहीं, इस अवसर पर जिला खेल कार्यालय अल्मोड़ा की ओर क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में बालक-बालिकाओं सहित ओपन पुरुष एवं महिला वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ का शुभारंभ जिलाधिकारी अंशुल सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं में अनुशासन और टीम भावना का विकास करती हैं। ओपन पुरुष वर्ग में चंदन सिंह, विजय कुमार टम्टा व आलोक भट्ट, ओपन महिला वर्ग में मीनाक्षी कफल्टिया, भावना अधिकारी व सुहाना चौहान, जूनियर बालक वर्ग में नितेश सिंह जीना, अभिमन्यु मेहता व भूमित बिष्ट तथा जूनियर बालिका वर्ग में गायत्री रावत, कोमल बिष्ट व लता आर्य क्रमश प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में 150 के करीब बालक-बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। विभिन्न वर्गों में विजेताओं को मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। यहां एडीएम युक्ता मिश्र, एसडीएम संजय कुमार आदि मौजूद रहे।

बागेश्वर में कार्यक्रम के दौरान मौजूद प्रतिभागी एवं स्टाफ। ● अमृत विचार

शहीद आंदोलनकारियों को किया गया नमन

रानीखेत, अमृत विचार : उत्तराखंड राज्य की रजत जयंती विभिन्न विभागों सहित विद्यालयों में बड़ी धूमधाम से मनायी गयी। चिलियानौला नगर पालिका परिषद सभागार में आयोजित एक गोष्ठी में राज्य आंदोलन में शहीद हुए आंदोलनकारीयो को श्रद्धांजलि अर्पित करके याद किया। तत्पश्चात आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जिस अवधारणा के चलते राज्य की स्थापना की गई थी। उसके उलट आज 25 सालों में राज्य की जनता अपने को छला महसूस कर रही है। खासकर पर्वतीय क्षेत्र की उपेक्षा, बेरोजगारी पर कोई भी सरकार गंभीर नहीं रही। राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती अवसर पर महाविद्यालय, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय, तहसील, छावनी परिषद कार्यालय आदि में सभी राज्य आंदोलन में हुए शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। चिलियानौला नगर पालिका परिषद सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि जिस अवधारणा के साथ उत्तराखंड को बनाने का सपना था वह आज भी सरकार और जनप्रनिधियो की उपेक्षा के चलते साकार नहीं हो पाया। बेरोजगार युवाओं का मैदानी क्षेत्रों को पलायन से आज अधिकांश गांव वीरान हो गए हैं। यहां उद्योगों के साथ-साथ खेती पर कोई भी सरकारें गंभीर नहीं रही। राज्य मात्र भ्रष्टाचार का अड्डा बनकर रह गई। वक्ताओं ने कहा कि इस राज्य की व्यवस्था को सही मार्ग पर लाने के लिए एक और आंदोलन की आवश्यकता है। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरुण रावत, ईओ दीपा परिहार, पर्यावरणविद् जोगिंदर बिष्ट, कैलाश पांडे, दिनेश तिवारी, उमेश भट्ट, माधव सिंह नेगी सहित सभासद व आमंत्रितजन मौजूद थे। गोष्ठी का संचालन कमलेश बोरा ने किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का किया आयोजन

बागेश्वर : राज्य स्थापना दिवस पर रा महाविद्यलय गरुड़ में विविध कार्यक्रम किये गए। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शोभन सिंह पिमोली ने राज्य के विकास के लिये आगे आने की अपील की। उन्होंने युवाओं की इस पर महत्वपूर्ण भूमिका बताई। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य धीरेंद्र नाथ तेवारी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान डॉ शिव प्रकाश राय, डॉ लता आर्य, डॉ स्वेता पंत, डॉ प्रियंका यादव, पवन,शुभम, गणेश नाथ, गोपाल गिरी, गणेश जोशी, तजवार आदि उपस्तिथ रहे। संचालन डॉ अवधेश तेवारी ने किया।

चम्पावत में उल्लास के साथ मनाई रजत जयंती

संवाददाता,टनकपुर/चम्पावत

अमृत विचार : उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के पर जनपद चम्पावत के विभिन्न स्थानों पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम जनपद मुख्यालय के गोरलचौड़ मैदान में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

इस अवसर पर बहुउद्देशीय शिविर में राजस्व, वन, कृषि, उद्यान, पशुपालन, भेषज, रेशम, चिकित्सा, बाल विकास, समाज कल्याण, ग्राम्य विकास, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, दीनदयाल अंत्योदय योजना, बैंकिंग, आपदा प्रबंधन, दुग्ध, पर्यटन, सेवायोजन, उद्योग, आयुर्वेद, होम्योपैथी, नगर पालिका, महिला औद्योगिक केंद्र, उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद पंतनगर, हिमवत्स हिमालय वॉटर सर्विस एवं पर्यावरण संरक्षक, स्वीप, ग्रामोद्योग सहित विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी जारी किए गए।

इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडे, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी, ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा तथा जिलाधिकारी मनीष कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्कूली छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। सीडीओ डॉ. जीएस खाती ने लोगों को नशा मुक्ति व मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाई। पशुपालन विभाग से गिरीश राम व राजकुमार को गौपालन योजना तथा गिरीश चन्द्र व बालादत्त को मुख्यमंत्री राज्य पशुधन मिशन के तहत लाभ प्रदान किया गया।

किसान भूषण पुरस्कार से किसान सम्मानित

कृषि, पशुपालन, उद्यान और मत्स्य पालन क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चार प्रगतिशील किसानों नवीन सिंह, चंद्रशेखर तिवारी, तिलक जोशी, नारायण सिंह को आत्मा योजना के अंतर्गत किसान भूषण पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार के रूप में प्रत्येक किसान को प्रशस्ति पत्र और 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष प्रेमा पांडे ने कहा कि ये किसान आत्मनिर्भरता के प्रतीक हैं। कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चम्पावत से केशर सिंह फर्त्याल, रेनू गड़कोटी, बृजेश जोशी, ईश्वरी दत्त जोशी एवं रुद्र सिंह बोरा को जनपद में विधिक सेवा जागरूकता और "लिटीगेशन फ्री विलेज" के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया।

आंदोलनकारियों ने जताई नाराजगी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: नगरखान में रविवार को राज्य आंदोलनकारियों ने उत्तराखंड स्थापना का रजत जयंती वर्ष सादगी के साथ मनाया। कहा कि आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप अब तक राज्य नहीं बन सका है। सरकार को नीतियों में बदलाव करने की जरूरत है।

रविवार को आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए राज्य आंदोलनकारियों ने कहा कि राज्य की नींव वहीं कमजोर पड़ गयी जब तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से राज्य निर्माण विधेयक में जो 29 संशोधन कर दिये और केंद्र सरकार ने वहीं आधा अधूरा विधेयक पारित कर राज्य बना दिया रही सही कसर राज्य में सत्ता में आई भाजपा और कांग्रेस सरकारों ने पूरी कर दी। कहा कि बारी-बारी से सत्ता पर आई सरकारों ने राज्य हित में पहाड़ की स्थितियों के अनुरूप नीतियां बनाने के स्थान पर उन्हीं नीतियों का जारी रखा जो पूर्व से चल रही थी। कहा कि आज पलायन रूकने के स्थान पर बढ़ गया है। विकास के नाम पर कुछ सड़को के निर्माण के अलावा कहीं कुछ दिखाई नहीं देता।

राज्य आंदोलनकारियों ने इस अवसर पर कहा कि राज्य व केंद्र सरकार इस रजत जयंती वर्ष में उत्तराखंड की दिशा दशा बदलने हेतु नीतियों में बदलाव करने का संकल्प लेती है तो ही विकास संभव है अन्यथा दिन प्रतिदिन हालात और खराब होंगे। वहीं राज्य आंदोलनकारियों ने क्षेत्र की पानी, सड़क, विद्यालयों, अस्पतालों की समस्याओं पर चर्चा की समस्याओं के समाधान के लिए पृथक से ज्ञापन शासन प्रशासन को भेजने और आंदोलनात्मक कदम उठाने का भी निर्णय लिया है। यहां ब्रह्मानंद डालाकोटी, दौलत सिंह बगड़वाल, गोपाल सिंह बनौला, पूरन सिंह, शंकर दत्त, कैलाश राम, मदन राम, गोविंद राम, ताराराम, दिवान सिंह, कुंदन सिंह बसंत बल्लभ जोशी आदि मौजूद रहे।

नगरखान में रविवार को राज्य आंदोलनकारियों ने विरोध जताया। ● अमृत विचार

बागेश्वर में प्रवासियों व नागरिकों का सम्मान

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: देवभूमि रजत उत्सव के अवसर पर नुमाइशखेत मैदान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। अतिथियों ने रिबन काटकर स्टॉलों का उद्घाटन किया।

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे एवं दर्जा राज्यमंत्री भूपेश उपाध्याय ने कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और अधिकारियों को योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में बायर-सेलर मीट का आयोजन भी किया गया, जिसमें स्थानीय उत्पादों के प्रचार-प्रसार और बिक्री को प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान ग्राम्य विकास विभाग के अंतर्गत संचालित सामुदायिक उद्यम दिव्य श्री गागरिगोल और सामुदायिक उद्यम चेतना मटखोला को 12-12 लाख रुपये की धनराशि प्रदान की गई। दीनदयाल सहकारिता किसान कल्याण योजना के तहत 2 लाख और पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत 3 लाख रुपये के ऋण वितरित किए गए तथा लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट सामग्री प्रदान की गई। इस मौके पर बाइक से भारत भ्रमण करने वाली पूजा तलाल तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित पार्वती देवी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इससे पूर्व भारत मानक ब्यूरो के तत्वावधान में मानक क्लब के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। दर्जा राज्य मंत्री भूपेश उपाध्याय ने कहा कि राज्य सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभा गड़िया, ब्लॉक प्रमुख दीपा देवी, पूर्व कैबिनेट मंत्री बलवंत सिंह भौर्याल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विक्रम सिंह शाही, संयोजक संजय परिहार, सीडीओ आरसी तिवारी आदि रहे।

महाविद्यालय में हुए रंगारंग कार्यक्रम

संवाददाता,टनकपुर

अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय टनकपुर में राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनुपमा तिवारी की अध्यक्षता में हुए समारोह पर मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष विपिन कुमार वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता रोहिताश अग्रवाल की मौजूदगी में कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित व सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

उत्तराखंड के 25 वर्षों के इतिहास पर वक्तव्य दिए गए एवं एक विकसित भारत के नव निर्माण में उत्तराखंड की अग्रणी भूमिका पर व्याख्यान दिए गए। उत्तराखंड की संस्कृति, भूगोल व विरासत को नई पीढ़ी को आत्मसात करने की बात कही गई। महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किए गए।

टनकपुर महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं। ● अमृत विचार

मुख्य अतिथि,विशिष्ट अतिथि व प्राचार्य द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरित किए गए।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर एस.के. कटियार, प्रोफेसर एम.एस. चौहान डॉ.अब्दुल शाहिद, डॉ.सुमन कुमारी. डॉ विमल जोशी, डॉ.ब्रह्मानंद,डॉ. विजय डालाकोटी, डॉ.चेतन जोशी,डॉ पूनम डॉ. मीनाक्षी,डॉ. होशियार सिंह,डॉ रोहित शर्मा, दीपा बुंगला, धर्मेंद्र गिरी,पंकज पांडे, आरती, पुष्पा भट्ट, जोगेन्दर कुमार, रजत शाही, भरत प्रकाश, प्रवेश प्रकाश,पवन रावत, जितेंद्र सिंह छात्र संघ अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद कोहली, दीपक बेलवाल, अनुष्का महर, दीपा चन्द,रितिका, रुमाईशा परवीन, मुस्कान,रोहन,सनी यादव, दीपक पांडेय आदि मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन डॉ.सुषमा मक्कड़ द्वारा किया गया। महाविद्यालय में आए हुए अतिथियों का स्वागत व धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम समारोहक डॉ. सुल्तान सिंह यादव द्वारा किया गया।

मायूसी उत्तराखंड क्रांति दल ने राज्य स्थापना दिवस पर अल्मोड़ा में किया प्रदर्शन, कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम 11 बिन्दुओं पर सौंपा ज्ञापन

राज्य गठन की अवधारणा को पूरा करने में विफल रहीं सरकारें

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: राज्य गठन की रजत जयंती पर अल्मोड़ा में यूकेडी कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा राज्य गठन की अवधारणा को पूरा करने में सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है।

चौघानपाटा स्थिति गांधी पार्क में रविवार को उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्ता पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदेश की शिक्षा, स्वास्थ्य, मूल निवास, गैरसैंण राजधानी, खनन चोरी आदि के लिए सरकार को जिम्मेदार बताया। साथ ही हम लड़ते रयां बैणी, हम लड़ते रूलो... जैसे जनगीतों को गाकर राज्य के वर्तमान हालातों पर चर्चा की। इसके बाद राष्ट्रपति को 11 बिन्दुओं का मांग पत्र भेजा। इनमें राज्य आंदोलन के शहीदों के नाम पर स्मारक बनाने, गैरसैंण को स्थाई राजधानी घोषित करने, प्रदेश को नशा मुक्त बनाने, लिव इन रिलेशनशिप समाप्त करने, 150 भू कानून लागू करने, राज्य आंदोलनकारियों को सम्मानजनक पेंशन देने, राज्य आंदोलनकारियों के लिए विश्राम गृह बनाने, स्थानीय युवाओं को संस्थानों में 80 फीसदी का आरक्षण देने, बाहरी लोगों को ठेका देना बंद करवाने, संविदा कर्मियों को नियमित करने, पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग की। यहां जिलाध्यक्ष दिनेश जोशी, संचालक गिरीश नाथ गोस्वामी, नवीन बिष्ट, हरदीप बिष्ट, विनोद तिवारी, साहिल भाकुनी, कार्तिक काण्डपाल, दीपा जोशी, किरन मेहरा, सुजीत टम्टा, आरती आर्या, गणेश प्रसाद, पान सिंह लटवाल, मोहित साह, पवन सिंह, रघुवर भाकुनी, आयुष बिष्ट, दीपक बिष्ट, संदीप धामी, रोहित मिश्र आदि रहे।

यूकेडी ने राज्य गठन की अवधारणा पूरी नहीं होने पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। ● अमृत विचार

अल्मोड़ा में रविवार को कुमाऊं वन श्रमिक संघ की बैठक में मौजूद कर्मी। ● अमृत विचार

चार दशक बाद भी विनियमितीकरण नहीं होने पर नाराजगी

अल्मोड़ा : कुमाऊं वन श्रमिक संघ की बैठक अल्मोड़ा के दीनदयाल पार्क में आयोजित की गई। बैठक में वन श्रमिकों ने चार दशक बाद भी विनियमितीकरण नहीं होने पर नाराजगी जताई। साथ ही महंगाई भत्ता पर लगी रोक को हटाने की मांग की। रविवार को हुई बैठक में वन श्रमिकों ने कहा कि वन विभाग में कार्यरत वन श्रमिक चार दशक से कार्य कर रहे हैं, लेकिन आज तक उनका विनियमितीकरण नहीं हो सका है। नवम्बर 2023 तक श्रमिकों को न्यूनतम वेतन के साथ महंगाई भत्ता दिया जा रहा था, लेकिन शासन की ओर से महंगाई भत्ते पर रोक लगा दी गई है। कहा कि कुछ वन श्रमिकों को अभी भी न्यूनतम वेतनमान नहीं दिया जा रहा है। जबकि वह पिछले 10-12 सालों से कार्य कर रहे हैं। शासन की ओर से 45 सौ रुपये बोनस देने की घोषणा की गई है। इसके बाद भी वन श्रमिकों को मात्र 1184 रुपये ही बोनस दिया जा रहा है। यहां उत्तम सिंह राणा, शिवराज सिंह, चंद सिंह, हरीश चंद्र सिंह, श्याम कुमार, गोविंद सिंह, कैलाश चंद्र भट्ट, अनुज कुमार, निशा पांडे, सुमन भंडारी, दीपा जोशी, जयपाल सिंह राणा, गणेश लाल, दिनेश, पूरन सिंह नेगी, राजेंद्र सिंह पूना, रमेश सिंह बिष्ट, धन सिंह बिष्ट आदि रहे।

डिजिटल अरेस्ट कर 25 लाख ठगने वाला दबोचा

संवाददाता, अल्मोड़ा

- मनी लांड्रिंग में शामिल होने का डर दिखाकर किया डिजिटल अरेस्ट
- आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा जेल

अमृत विचार: चौखुटिया क्षेत्र निवासी बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट कर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चौखुटिया निवासी रघुनाथ सिंह ने तहरीर सौंपी थी। तहरीर में बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति की वीडियो कॉल आई। सामने वाले ने थाने का लोकेशन दिखाते हुए बुजुर्ग को मनी लॉड्रिंग में शामिल होने का डर दिखाया। कहा कि बुजुर्ग के नाम से एटीएम और सिम का संचालन किया जा रहा है। साथ ही खाते से लाखों का लेनदेन हुआ है। आरोपियों ने बुजुर्ग को गिरफ्तारी का डर दिखाते हुए अपने झांसे में ले लिया और बुजुर्ग को डिजिटली अरेस्ट कर अलग-अलग किस्तों में 24 लाख 79 हजार रुपये की रकम अपने खातों में ट्रांसफर करवा ली। जब तक बुजुर्ग को ठगी का एहसास होता तब तक काफी देर हो चुकी थी। इसके बाद बुजुर्ग ने चौखुटिया कोतवाली में साइबर ठगी का मुकदमा दर्ज करवाया। एसएसपी देवेंद्र पींचा ने मामले की गंभीरता को समझते हुए मुकदमे के बाद टीम का गठन कर कार्रवाई के निर्देश दिए। एएसपी हरबंस सिंह की देखरेख में एसएचओ अशोक कुमार ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने गैंग के 21 वर्षीय युवक अक्षय कुमार निवासी इंदिरा आवास कॉलोनी, भांकरी पाली, फरीदाबाद हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया।

अमृत विचार

सोमवार, 10 नवंबर 2025

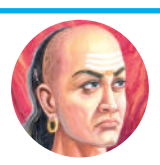

मूर्ख शिष्य को पढ़ाने पर, दुष्ट स्त्री के साथ जीवन बिताने पर तथा दु:खियों-रोगियों के बीच में रहने पर विद्वान व्यक्ति भी दु:खी हो ही जाता है।

-आचार्य चाणक्य

संघर्ष से उत्कर्ष

उत्तराखंड राज्य के 25 वर्ष पूरे होने पर समूचे राज्यवासियों को बधाई। बीते पच्चीस वर्षों के दौरान राज्य के कर्मठ लोगों ने जो सामूहिक उपलब्धियां हासिल की हैं, वे इस माह 25 वर्ष पूरे करने वाले अन्य दो राज्यों झारखंड तथा छत्तीसगढ़ के लिए भी अनुकरणीय हैं। आधारभूत ढांचे, उद्योग, विनिर्माण, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के साथ सुशासन के मामले में भी पर्वतीय राज्य ने जो उल्लेखनीय प्रगति की है वह संघर्ष से उत्कर्ष तक की गाथा है। राज्य स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा 8,260 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात मिलने के बाद, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड का बहुआयामी विकास और तीव्र होना तय है। विशेष रूप से पेयजल, सिंचाई और विद्युत उत्पादन से जुड़ी बहुउद्देशीय परियोजनाएं भविष्य के लिए अत्यंत लाभकारी होंगी। राज्य गठन के समय उत्तराखंड के लगभग 65 प्रतिशत घरों में ही बिजली थी, आज 99 प्रतिशत घरों में है। सड़क नेटवर्क 84 प्रतिशत तक पहुंच गया है। अविभाजित उत्तर प्रदेश में गरीबी दर 41 प्रतिशत थी, जो अब 23 प्रतिशत है, जबकि उत्तराखंड में गरीबी दर केवल 9 प्रतिशत के करीब है। राज्य की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय 15 हजार रुपये से बढ़कर 2 लाख 27 हजार रुपये यानी राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुनी हो गई। राज्य की जीडीपी 14,501 करोड़ रुपये से बढ़कर 4 लाख 29 हजार करोड़ रुपये हो चुकी है। सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स इंडेक्स में अग्रणी उत्तराखंड देश में जीवन प्रत्याशा 71 वर्ष तक पहुंच गई है, जबकि उत्तर प्रदेश में यह 67 वर्ष तक भी नहीं।

राज्य गठन के समय यहां एक मेडिकल कॉलेज था। आज मेडिकल विश्वविद्यालय समेत पांच सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं। शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों की संख्या में भी व्यापक वृद्धि हुई है। उत्तराखंड अब ऐसा राज्य बनने जा रहा है, जहां जल्द ही 23 खेल अकादमियां होंगी। हालांकि इस तेज विकास यात्रा के बीच उत्तराखंड के सामने कुछ गंभीर चुनौतियां भी हैं। राज्य गठन के समय उस पर लगभग 4,000 करोड़ रुपये का ऋण था, जो आज बढ़कर 80,000 करोड़ रुपये हो गया है। रिवर्स पलायन के दावों के बावजूद, पलायन अब भी बड़ी समस्या है। पहाड़ी और तराई क्षेत्रों के बीच आय की असमानता बनी हुई है और कई गांव आज भी सड़कों से नहीं जुड़े हैं। राज्य की कल्पना शहीदों और आंदोलनकारियों ने इसलिए की थी ताकि पहाड़ों में रोजगार आए, पलायन रुके और पर्यावरण सुरक्षित रहे। उत्तराखंड अभी भी प्राकृतिक चुनौतियों से जूझ रहा है, इसलिए अब संतुलित विकास की आवश्यकता है, जिसमें पहाड़ों के पर्यावरण, संस्कृति और रोजगार को समान प्राथमिकता दी जाए। 1955 में मसूरी नगर पालिका परिषद से शुरू हुई अलग राज्य की मांग ने 1994 में निर्णायक रूप लिया। 2 सितंबर 1994 का दिन इतिहास का दर्दनाक अध्याय बना, जब छह आंदोलनकारियों ने शहादत दी। शहादत रंग लाई, 9 नवंबर 2000 वह दिन था, जब पूरे उत्तराखंड का सपना साकार हुआ। आज राज्य स्थापना दिवस पर उत्सव मनाने के साथ, उन शहीदों और उनके सपनों को स्मरण करने का भी दिन है।

प्रसंगवश

कानपुर के स्वतंत्रता सेनानी ने की थी झंडा गीत की रचना

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 साल पूरे होने पर पूरा देश जश्न मना रहा है, लेकिन इसके देवी स्तुति वाले छंद हटाए जाने की बात भाजपा की ओर से कही गई है। यह भी तथ्य है कि 100 साल पहले कानपुर में रचे गए झंडा गीत से भी कुछ पंक्तियां हटा दी गई थीं।

बीते शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर डाक टिकट जारी करने के अवसर पर बिना किसी का नाम लिए कहा कि 1937 में इस राष्ट्रगीत के टुकड़े कर विभाजन के बीज बो दिए गए थे। मोदी ने वंदे मातरम् की गौरव गाथा को विभिन्न उपमाओं-अलंकरणों को स्पंदन देते हुए इससे जुड़े इतिहास के पन्ने को पलटने के साथ ही वर्तमान चुनौतियों की ओर इशारा भी किया। इसके ठीक बाद भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने एक्स पर पोस्ट में दावा किया कि कांग्रेस ने 1937 में वंदे मातरम् के केवल दो छंदों को मान्यता दी थी और दुर्गा स्तुति वाले छंद को हटा दिया। इस मुद्दे पर उन्होंने नेहरू का नाम लिया और इसे कांग्रेस के सांप्रदायिक सोच का एजेंडा बता दिया। यह राष्ट्रगीत बंकिम चंद चटर्जी ने लिखा था, जो देश की आत्मा बन गया।

शैलेश अवस्थी

वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

बताते चलें कि कोई 100 साल पहले गांधीजी की इच्छा पर गणेश शंकर विद्यार्थी के आग्रह पर श्यामलाल गुप्त पार्षद जी ने सात पदों वाले झंडा गीत की रचना की थी। तथ्य और इतिहास की पुस्तकें बताती हैं कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने इसकी कुछ पंक्तियां हटवाकर इसे मान्यता दी और फिर इसे पहली बार 14 अप्रैल 1924 में ही फूलबाग में जलियावाला बागकांड के विरोध में सामूहिक रूप से किया गया। जो पंक्तियां हटाई गईं उनमें... "लाल रंग बजरंगबली का हरा रंग अहल इसलोम अली का, श्वेत सभी धर्मों का टीका, एक हुआ रंग न्यारा-न्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा"। कहते हैं गांधीजी के कहने पर इसमें संशोधन हुआ था। बदलाव के बाद ही इसे जारी किया गया। यह भी तथ्य है कि आजादी के बाद भी बदलाव करते हुए "स्वतंत्रता के भीषण रण में" के स्थान पर प्रजातंत्र के नवसर्जन में, "स्वतंत्रता है ध्येय हमारा कि जगह सबल राष्ट्र है ध्येय हमारा" और विश्व विजय की जगह सत्य विजय किया गया, लेकिन सभी परिवर्तन पार्षद जी की सहमति से हुए। दरअसल ये पंक्तियां आजादी के बाद प्रासंगिक नहीं रह गई थीं। पार्षद जी ने "झंडा ऊंचा रहे हमारा, सदाशक्ति बरसाने वाला, प्रेम सुधा सरसाने वाला, वीरों को हर्षाने वाला, मातृभूमि का तनमन सारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा", लिखकर स्वतंत्रता के दीवानों में जोश जगा दिया था। कानपुर इतिहास समिति के सचिव अनूप शुक्ला भी पुस्तकों के हवाले से बताते हैं कि मूल झंडा गीत में बदलाव किए गए थे, लेकिन इसमें पार्षद जी की सहमति जरूर ली गई थी।

नमो-नमो भी लिखा, पर स्वीकृति नहीं मिली। पार्षद जी ने "झंडा ऊंचा रहे हमारा" के पहले "नमो-नमो भारत जननी के गौरव की, अविचल शाखा नमो-नमो", लेकिन इसे यह कहकर अस्वीकृत कर दिया गया कि इसमें रिदम और ओज नहीं है। यह अलग बात है कि इसे भी बहुत पसंद लिया गया था। झंडा गीत रचने वाले पार्षद जी का जन्म 1896 में हुआ। अभाव के बावजूद वह आजादी के लिए लड़ते रहे। कभी सरकारी सुविधा नहीं ली। विद्यार्थी जी की प्रेरणा से सरसौल में गणेश सेवा आश्रम की स्थापना की। 1973 में पद्मश्री ग्रहण समारोह के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी उनकी सादगी और हालात देख सुबक पड़ी थीं। इन पर डाक टिकट भी जारी हुआ। पार्षद जी आजादी की लड़ाई में जेल गए, कई साल फतेहपुर कांग्रेस के अध्यक्ष रहे और 10 अगस्त 1977 में निधन हो गया था।

राजनीति: जनता के लिए नहीं कैमरे के लिए

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में चुनाव हो रहे हैं, जो सत्ता के लिए आन और विपक्षी गठबंधन के लिए अस्तित्व का प्रश्न बने हुए हैं। चुनाव प्रचार के बीच में नेता प्रतिपक्ष, राहुल गांधी एक तालाब में कूद पड़े। चार-पांच मीटर तैरकर दिखाया। मछली पकड़ने का जाल लिए मछुआरों के साथ फोटो खिंचाई।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर कहा, देखो ये होता है जननायक, जैसे पानी में तैरना राजनीति करने की एकमात्र शर्त हो। वह इससे चार साल पहले केरल के कोल्लम जिले के थांग्स्सेरी बंदरगाह के पास समुद्र में मछुआरों के साथ कूदे थे। तब भी यही कहा गया था। बिहार की कुदान के बाद कयास लगाए जाने लगे कि ऐसे दृश्य बनाने के मामले में दक्ष माने जाने वाले प्रधानमंत्री मोदी इसके प्रत्युत्तर में क्या करेंगे? क्या पानी पर चलकर दिखाएंगे? बेधड़क भविष्यवाणियां की जाने लगीं कि इस कारनामें के बाद बिहार के मछुआरों के अधिकांश वोट विपक्ष के गठबंधन को नहीं तो कांग्रेस को, कांग्रेस को नहीं तो तालाब में राहुल गांधी के साथ खड़े मुकेश सहनी की वीआईपी पार्टी को तो मिल ही जाएंगे, जैसे मछुआरे किसी स्वीमिंग पूल के आदी नेता को अपने गांव के कीचड़ में कूदते देखने के लिए तरस रहे थे। इतना हो जाने के बाद अब कोई मुद्दा नहीं बचा है। एक दृश्य ने उनकी सारी समस्याओं को खत्म कर दिया है।

याद आना स्वाभाविक है कि पिछले बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने भद्रलोक बंगाली वोटरों को रिझाने के लिए रवींद्रनाथ टैगोर की तरह दाढ़ी बढ़ाई थी। प्रचार का समय लंबा था, बाल और दाढ़ी बढ़ते गए, लेकिन उनका कोई असर नहीं हुआ। बीते दस सालों में याद की जाएं, तो सत्ता और विपक्ष के बीच 'आप्टिक्स' बनाने की स्पर्धा की दर्जनों घटनाएं मिलेंगी, जिनमें भाजपा सरकार के मंत्रियों के पुशअप, झाड़ू लगाने और ध्यान और पर्वों पर नहान के अभिनय शामिल हैं। इनमें सबसे अधिक कुख्यात या विख्यात पुलवामा में फिदाइन हमले में सीआरपीएफ जवानों की मौत के समय जिम कार्बेट पार्क में डिस्कवरी चैनल के लिए की गई शूटिंग है।

भारतीय राजनीति में यह बीमारी यूरोप से आई और सबसे पहले उस पार्टी को रास आई जो सनातन, पुरातन और हिंदू संस्कृति की उग्र पैरोकार है। आप्टिक्स के पहले नजारे गुजरात के विधानसभा चुनावों में देखने को मिले, जहां युवा भगवा रंग की एक टी-शर्ट पहनकर गोलाई में ऐसे नाचते थे कि पीठ पर छपे विवेकानंद, पेट पर लिखा नरेंद्र और कमल का फूल आपस में मिलकर एक दिखने लगते थे। नरेंद्र, स्वामी विवेकानंद का नाम है, लेकिन इसका मतलब वहां के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी हुआ करता था। देसी राजनीति में इससे पहले नेता को सिक्कों से, फूलों से तौलने के ऐसे आप्टिक्स बना करते थे, जिनमें जनता की भागीदारी हुआ करती थी।

दरअसल भारतीय राजनीति पर जब से कार्पोरेट का प्रभाव बढ़ा, जनता से दूरी बढ़ी और चुनाव केंद्रित होती गई, इस तरह के टोटके बढ़ते गए, जो कार्पोरेट और मैनेजमेंट की चतुर दुनिया से आयात किए गए हैं। राजनेता चुनाव के समय ही सक्रिय होने लगे तब प्रशांत किशोर जैसे सर्वे और मार्केटिंग के उस्तादों का आगमन हुआ, जो पार्टियों से करोड़ों रुपये लेकर बताने लगे कि किसी इलाके में मुद्दे क्या हैं, वहां चुनाव में कैसा दिखना है और क्या बोलना है? नेता कठपुतली हो गया, डोरी मैनेजर के हाथ चली गई। पहले के नेता जनता के बीच में ज्यादा रहते थे इसलिए प्रशांत किशोर टाइप लोगों को पास फटकने नहीं देते थे, क्योंकि उन्हें जमीन का तापमान पता रहता था। इस तरह राजनीति राज-काज, परिवर्तन और जीवन की बेहतरी के कर्म के बजाय एक ऐसी फिल्म में बदलने लगी, जिसे अच्छा अभिनय करके हिट किया जा सकता था या चुनाव जीते जा सकते थे। इसी के साथ नेताहीन स्थिति में पहुंच गया, क्योंकि अब कार्यकर्ता से बड़ा कैमरा था। राजनीति करने के लिए जनता से सरोकार और मुद्दों की समझदारी से अधिक जलेबी छानना, नगाड़ा बजाना जरूरी हो गया। 2019 में कुंभ के सफल आयोजन के बाद माथे पर त्रिपुंड लगाए प्रधानमंत्री ने प्रयागराज जाकर पांच सफाई कर्मचारियों के पैर धोए। अछूतों से लेकर द्विजों तक सबके लिए जबरदस्त विजुअल था।

भाजपा के भीतर माना जा रहा था कि इस मास्टर स्ट्रोक से देश की दलित राजनीति बदल जाएगी। मायावती जैसे दलित नेता उड़कर कहां जाएंगे पता भी नहीं चलेगा। ऐसा हो सकता था अगर प्रधानमंत्री घोषणा कर देते कि आज के बाद एक भी सफाई कर्मचारी की मौत सीवर में दम घुटने से नहीं होने दी जाएगी। सीवर सफाई का काम मशीनें करेंगी अब सफाई कर्मचारियों को मैले में उतरने की जरूरत नहीं है। ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि दलितों की जिंदगी से सरोकार से अधिक विजुअल की ताकत पर ज्यादा भरोसा था।

कुछ ही दिनों बाद ये सफाई कर्मचारी मीडिया में कम वेतन, जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न की शिकायत करते दिखाई देने लगे। उनकी हताशा बहुत बढ़ गई थी, क्योंकि देश के सबसे शक्तिशाली आदमी ने उनके पैर धोए थे फिर भी उनकी जिंदगी पहले ही जैसी लीचड़ थी। इन विशेष पैरों वाले सफाई कर्मचारियों की ही तरह, हर दिन बनाए जाते अनगिनत विजुअल्स में शामिल नागरिकों की हताशा और व्यर्थाबोध भी राजनेताओं को पहले से अधिक अविश्वसनीय बनाएंगे। यह पक्की बात है।

> दरअसल भारतीय राजनीति पर जब से कार्पोरेट का प्रभाव बढ़ा, जनता से दूरी बढ़ी और चुनाव केंद्रित होती गई, इस तरह के टोटके बढ़ते गए, जो कार्पोरेट और मैनेजमेंट की चतुर दुनिया से आयात किए गए हैं।

आमने

हमारी टीम में सिर्फ रेस के घोड़े मिलेंगे, बाकी घोड़े हम नहीं रखते। हम लंबी रेस के घोड़े हैं। सोसायटी में खाद नहीं मिल रहा, सब बाजार में उपलब्ध है। पूर्व कृषि मंत्री ने हरदा में नकली खाद की फैक्ट्री खोल ली है। हमने किसानों के हित में जल्द बड़ा आंदोलन करने का ऐलान किया, जो राज्य की राजनीति में नया मोड़ ला सकता है।

- **अरुण यादव**, कांग्रेस नेता

सामने

कांग्रेस में अब कौन घोड़ा है, कौन गधा है, ये समझना बड़ा मुश्किल है, वो किस पर दांव लगाएंगे, किसको दौड़ाएंगे, किसको बैठाएंगे, किसको आउट करेंगे, ये उनका विषय है। ये हमारा विषय नहीं है। हमारी सरकार और पार्टी तो निरंतर गरीबों के कल्याण और विकास के लिए काम कर रही है। अंतिम छोर के व्यक्ति के चेहरे पर खुशी लाना हमारी सरकार की मंशा है।

- **ज्ञानेश्वर पाटिल**, बीजेपी सांसद

उत्तराखंड: भविष्य की चुनौतियां एवं रोडमैप

प्रो. एच.सी. पुरोहित

देहरादून

उत्तराखंड का गठन 9 नवंबर, 2000 को उस स्वप्न के साथ हुआ था कि हिमालय की गोद में बसे इस प्रदेश को उसकी भौगोलिक परिस्थितियों और सांस्कृतिक विशिष्टताओं के अनुरूप विकास का अवसर मिले। राज्य के गठन के बाद के शुरुआती वर्षों में उत्तराखंड देश के तीव्र गति से विकसित होने वाले राज्यों में से एक रहा है।

वर्ष 2001 से 2010 के बीच इसकी वार्षिक आर्थिक वृद्धि दर 9 से 10 प्रतिशत के बीच रही, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक थी। हरिद्वार, रुद्रपुर, पंतनगर और देहरादून जैसे औद्योगिक केंद्रों में निवेश ने राज्य की अर्थव्यवस्था को नई पहचान दी। वित्त वर्ष 2024-25 में उत्तराखंड का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) लगभग 3.78 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस अवधि में राज्य की प्रति व्यक्ति सालना आय भी बढ़कर लगभग 2.74 लाख रुपये तक पहुंच गई है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि उत्तराखंड निरंतर तीव्र आर्थिक वृद्धि की दिशा में अग्रसर है।

उत्तराखंड का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल लगभग 53,483 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें से लगभग 86 प्रतिशत भाग पर्वतीय तथा केवल 14 प्रतिशत मैदानी क्षेत्र है। राज्य का लगभग 65 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, जिससे भूमि उपयोग और शहरीकरण की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। यही भौगोलिक विषमता राज्य की नीतियों, संसाधन उपयोग और प्रतिनिधित्व की संरचना को विशेष रूप से प्रभावित करती है। इस कारण पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों के बीच विकास का संतुलन बनाना उत्तराखंड की सबसे बड़ी प्रशासनिक और नीतिगत चुनौती रही है। पर्यटन और सेवा क्षेत्र उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुके हैं। चारधाम यात्रा, योग, आयुर्वेद और पारिस्थितिक (इको) पर्यटन की वैश्विक पहचान ने राज्य को नई दिशा दी है। इसलिए अब आवश्यकता सतत पर्यटन की है, जिससे प्रकृति और अर्थव्यवस्था में संतुलन बना रहे। राज्य सरकार द्वारा राज्य में प्रवेश करने वाले वाहनों से 'ग्रीन सेस' लेने का निर्णय इस दिशा में एक कारगर पहल सिद्ध हो सकता है।

राज्य की ऊर्जा नीति भी उल्लेखनीय रही है। लगभग 25,000 मेगावाट की जलविद्युत क्षमता में से 4,000 मेगावाट का दोहन हो चुका है। सौर और पवन ऊर्जा में निवेश ने हरित संक्रमण की दिशा में राज्य को अग्रणी बनाया है। शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। साक्षरता दर 71 प्रतिशत से बढ़कर 87 प्रतिशत हो चुकी है। इन उपलब्धियों के बावजूद, राज्य के विकास की सबसे बड़ी चुनौती क्षेत्रीय असंतुलन है। पर्वतीय क्षेत्र, जो राज्य की आत्मा और पहचान हैं, नीति और प्रतिनिधित्व के स्तर पर अपेक्षाकृत उपेक्षित महसूस करते हैं।

निर्वाचन व्यवस्था में विधानसभा क्षेत्रों का निर्धारण जनसंख्या के आधार पर होने के कारण मैदानी जिलों का प्रतिनिधित्व लगातार बढ़ रहा है। हरिद्वार जैसे जिलों में जनसंख्या घनत्व, जहां 800-900 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर तक पहुंच गया है, वहीं पिथौरागढ़ या चमोली जैसे पर्वतीय जिलों में यह मात्र 100-150 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। परिणामस्वरूप जनसंख्या के अनुपात में सीट निर्धारण से पर्वतीय जिलों की राजनीतिक आवाज कमजोर होती जा रही है। यह स्थिति न केवल लोकतांत्रिक असमानता को जन्म देती है, बल्कि विकास की प्राथमिकताओं को भी प्रभावित करती है। एक पर्वतीय क्षेत्र के विधायक का क्षेत्रफल औसतन 3000 से 4000 वर्ग किलोमीटर तक फैला होता है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में यह केवल 200-300 वर्ग किलोमीटर का होता है। फिर भी दोनों को समान प्रतिनिधित्व देना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता। शासन की कठिनाइयां और जनता तक पहुंच की सीमाएं पर्वतीय प्रतिनिधि के लिए कहीं अधिक हैं।

इस संदर्भ में यह विचार प्रासंगिक है कि क्या अब समय नहीं आ गया है, जब उत्तराखंड में विधानसभा क्षेत्रों के निर्धारण में केवल जनसंख्या नहीं, बल्कि भौगोलिक विषमता और क्षेत्रफल को भी स्थान मिले, जिससे नीति-निर्माण में पर्वतीय दृष्टि को स्थायी स्थान मिल सके। राजनीतिक दृष्टि से यह आसान नहीं है, क्योंकि इसके लिए अनुच्छेद-170 में संशोधन की आवश्यकता होगी। लोकतंत्र का अर्थ केवल 'एक व्यक्ति-एक वोट' नहीं, बल्कि 'हर क्षेत्र-हर आवाज' भी है। इसलिए प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पर्वतीय आंचलों को विधानसभा में समुचित प्रतिनिधित्व देने के लिए आवश्यक है कि पर्वतीय क्षेत्रों में विधानसभा सीटों का परिसीमन आवश्यकता के आधार पर हो। यदि इसे विकासखंड़ों के मानक पर आधारित किया जाए, तो यह अधिक तर्कसंगत और न्यायोचित होगा।

पच्चीस वर्षों में उत्तराखंड ने यह सिद्ध किया है कि यदि इच्छाशक्ति और नीति में स्पष्टता हो, तो सीमाएं भी संभावनाओं में बदल सकती हैं। अगले पच्चीस वर्षों में राज्य का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब हिमालय की ऊंचाइयों से लेकर तराई की हरियाली तक हर क्षेत्र समान अवसर, समान आवाज और समान सम्मान का अनुभव करें। यही सच्चे अर्थों में उत्तराखंड के निर्माण का उद्देश्य था और यही उसकी आगामी यात्रा की दिशा भी होनी चाहिए।

> अगले पच्चीस वर्षों में राज्य का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब हिमालय की ऊंचाइयों से लेकर तराई की हरियाली तक हर क्षेत्र समान अवसर, समान आवाज और समान सम्मान का अनुभव करें।

सोशल फोरम

वीआईपी आवगमन, ट्रैफिक डायवर्जन और त्रस्त जनता

पूरा देश वीआईपी आवगमन के कारण ट्रैफिक जाम व ट्रैफिक डाइवर्जन से त्रस्त है। कई बार तो जनसामान्य को सड़क पर पैदल चलने से भी रोका जाता है। घंटों लोगों को बेवजह सड़क पर रोका जाता है या दूर-दराज के रास्तों से उनके गंतव्य को भेजा जाता है। इससे आम लोगों का कीमती समय तो बर्बाद होता ही है। लोगों की गाड़ी कमाई का लाखों लीटर डीजल-पैट्रोल भी बर्बाद होता है। डीजल पैट्रोल की बर्बादी सीधे-सीधे विदेशी मुद्रा की भी बर्बादी है। नीली-लाल बत्ती के खौफ से लोग मन मरोसकर रह जाते हैं। इस खौफ से जाम में फंसकर कई मरीज अस्पताल पहुंचने से पहले ही स्वर्ग पहुंच गए। अब वीआईपी आवागमन के दिनों में स्कूलों को भी बंद किया जा रहा है। ये वीआईपी स्कूली बच्चों से भी खौफजदा हैं। वीआईपी के आवागमन पर रास्ते की दुकानों बैंक व बाजार को बंद कराया दिया जाता है। सब कुछ जीरो जोन किया जा रहा है। आज के दौर में ऐसे जननेता तो है नहीं, जिनके दर्शन के लिए आम लोग उमड़ पड़ें। सोशल मीडिया के इस दौर में नेताओं के भाषणों की अहमियत भी खत्म हो चुकी है। इसलिए वीआईपी नेताओं को सड़क पर देखने-सुनने वाली नाउम्मीद भीड़ अब आज के सभी नेताओं से दूर रहती है।

संजीव भगत

नैनीताल

इन नेताओं के आवागमन के लिए सड़क पर कोई स्पष्ट नियम नहीं हैं। सड़क पर खड़े सिपाही के नियम ही सर्वोच्च कायदे कानून हैं। वीआईपी सुरक्षा को लेकर सड़क पर पुलिस के नियम हमेशा अलग होते हैं। देश और राज्य के दो-चार सर्वोच्च नेताओं को छोड़कर बाकी नेताओं को आम जनता पहचानती ही नहीं। न वे स्थानीय आम जनता के किसी काम के हैं। पुलिस प्रशासन को जनता की तकलीफ से कोई सरोकार नहीं है। वे सारी मशक्कत अपनी नौकरी बचाने के लिए करते हैं। उनके लिए नेताओं की सेवा ही देशसेवा है। नैनीताल, कैंची मंदिर आने वाले वीआईपी भक्तों के कारण इस क्षेत्र की जनता रोज जाम और ट्रैफिक डाइवर्जन भुगतने के लिए अभिशप्त है। अब करें क्या? पुलिस प्रशासन से कोई उम्मीद नहीं। अंतिम उम्मीद फिर वीआईपी से ही है कि वे केवल हवाई मार्ग से ही यात्रा करें। धरती पर न्यूनतम कदम रखें। इससे सरकार व जनता दोनों का पैसा व वक्त बचेगा। वीआईपी स्वयं ऐसे उच्च मानदंड स्थापित करें कि उनके सड़क से गुजरते वक्त आम जनता को कोई परेशानी न हो।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

उच्च शिक्षा संस्थानों का गिरता वैश्विक स्तर चिंताजनक

हाल ही में क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यू.एस.), जोकि वैश्विक स्तर का उच्च शिक्षा विश्लेषक है, के द्वारा एशियाई विश्वविद्यालयों की ताजा रैंकिंग जारी की गई है। इस रैंकिंग में भारतीय संस्थानों की स्थिति में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दूसरी तरफ चीन, मलेशिया, दक्षिणी कोरिया और सिंगापुर के संस्थानों ने कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। आंकड़ों के अनुसार सर्वाधिक गिरावट आईआईटी मुंबई की रैंकिंग में आई है। यह वर्ष 2025 की रैंकिंग में 48 वें स्थान पर था, जबकि 2026 की रैंकिंग में यह 71 वें स्थान पर है। उल्लेखनीय है कि 2026 की रैंकिंग में शीर्ष दस स्थानों पर हांगकांग, चीन व सिंगापुर के संस्थान काबिज हैं। भारत के संस्थानों की स्थिति में गिरावट कहीं न कहीं हमारे लिए एक चिंताजनक संकेत है। स्पष्ट है कि हम उन संकेतकों में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं, जिनके आधार पर उच्च शिक्षा संस्थानों का समग्र वैश्विक मूल्यांकन किया जाता है।

शिशिर शुक्ला

असिस्टेंट प्रोफेसर

शाहजहांपुर

आखिर क्या कारण है कि हम शीर्ष पर काबिज होने से चूक रहे हैं। यदि इस रैंकिंग के मापदंडों पर गौर किया जाए, तो उनमें से प्रमुख संकेतक हैं- एकेडमिक ख्याति, नियोक्ता ख्याति, शिक्षक विद्यार्थी अनुपात, अंतर्राष्ट्रीय शोध नेटवर्क, प्रति शिक्षक शोध पत्र, साइटेशन, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक, अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी एवं पीएचडी से संबंधित स्टाफ। स्पष्ट है कि रैंकिंग को निर्धारित करने में शोध की एक अहम भूमिका है। कितनी विडंबनापूर्ण बात है कि जहां एक ओर देश में शिक्षण संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई है, वहीं उनकी गुणवत्ता, शोध-उत्पादकता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता में गिरावट देखने को मिल रही है। यह गिरावट केवल शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाती, बल्कि यह भारत के ज्ञान-आधारित विकास मॉडल के लिए भी गंभीर चेतावनी है। हमें इस सत्य को स्वीकारना होगा कि हमारे शिक्षण संस्थानों में शिक्षण पर शोध की अपेक्षा अधिक ध्यान दिया जाता है। निस्संदेह शिक्षणकार्य को प्राथमिकता देनी चाहिए, किंतु शोध के प्रति रूझान बढ़ाने की भी आवश्यकता है ताकि हम वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान सुनिश्चित कर सकें। इसके लिए शासन के स्तर से भी शोध कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक अभियान चलाते हुए ऐसे कदम उठाए जाएं, जिससे शोधार्थी शोध को लेकर चिंतित एवं निराश होने की बजाय आशान्वित एवं प्रोत्साहित हों। बेहतर आर्थिक संसाधनों की सहायता से इस योजना को अंजाम दिया जा सकता है। इसके अतिरिक्त उच्च शिक्षण संस्थानों में बेहतरीन पुस्तकालय एवं तकनीकी सुविधाओं की प्रचुरता भी सुनिश्चित करनी होगी।

संसाधनों की कमी का एक दुष्प्रभाव यह भी होता है कि भारत की अधिकांश प्रतिभा दूसरे देशों में रोजगार एवं कैरियर के अच्छे अवसर पाकर यहां से पलायन का रास्ता पकड़ लेती है और जिसका अंतिम परिणाम यह होता है कि हम उस प्रतिभा के पलायन के साथ ही अनेक संभावनाओं से हाथ धो बैठते हैं। चीन, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे देशों ने शिक्षा में भारी निवेश कर अपने विश्वविद्यालयों को विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थानों पर पहुंचाया है। इन राष्ट्रों ने शिक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखा है। वहां सरकार, उद्योग और शैक्षिक जगत का त्रिकोणीय सहयोग शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करता है। भारत में यह सहयोग अभी शुरुआती अवस्था में है। भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों की गिरती रैंकिंग केवल संख्यात्मक गिरावट नहीं है अपितु यह एक चेतावनी है कि भारत की विशाल जनसंख्या यदि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा से वंचित रही, तो कहीं न कहीं हम अपनी पहचान खो बैठेंगे। गिरती रैंकिंग को सुधारना केवल प्रतिष्ठा का प्रश्न ही नहीं, बल्कि यह राष्ट्र के बौद्धिक भविष्य की सुरक्षा से भी जुड़ा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

फोर्स अर्बानिया
लंबे सफर की नई साथी

बड़े परिवार या ग्रुप में ट्रिप प्लान करना आसान नहीं होता। 5 से 17 लोगों का परिवार हो, तो हर बार 3-4 गाड़ियां निकालनी पड़ती हैं, जिससे न तो सब एक साथ सफर का मजा ले पाते हैं और न ही खर्चे कम होते हैं, लेकिन अब यह मुश्किल खत्म हो सकती है, क्योंकि Force Motors लेकर आई है Urbania। यह एक ऐसी 17 सीटर वैन, जो पूरे परिवार को एक ही सफर में जोड़ देती है। Force Urbania सिर्फ एक गाड़ी नहीं, बल्कि बड़े परिवारों और ट्रैवल ग्रुप्स के लिए मूविंग होम है। ऐसे में अगर आप फैमिली ट्रिप्स या बिजनेस टूर के लिए एक भरोसेमंद गाड़ी चाहते हैं, तो Force Urbania अच्छा ऑप्शन हो सकता है। *-फीचर डेस्क*

जॉइंट फैमिली और बिजनेस यूजर्स के लिए परफेक्ट

Urbania को खासतौर पर उन यूजर्स के लिए डिजाइन किया गया है, जिन्हें एक बड़ी, स्टाइलिश, भरोसेमंद और मल्टी-पर्पज वैन चाहिए। चाहे आप परिवार के साथ हिल स्टेशन जा रहे हों या बिजनेस ट्रिप पर, यह वैन हर मौके के लिए फिट बैठती है। इसकी विशाल केबिन, प्रीमियम इंटीरियर और लग्जरी बस जैसा कंफर्ट इसे फैमिली और कॉर्पोरेट दोनों ही यूज़र्स के बीच लोकप्रिय बना रहा है।

स्पेशियस इंटीरियर, लग्जरी का अहसास

Urbania का केबिन स्पेस किसी मिनी लग्जरी बस से कम नहीं। हर सीट पर AC वेंट, फुल LED लाइटिंग, USB चार्जिंग पोर्ट और टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे फीचर्स मौजूद हैं। इसके प्रीमियम डैशबोर्ड, मॉडर्न इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और ब्लूटूथ ऑडियो सिस्टम लंबी यात्राओं को और मजेदार बनाते हैं। साथ ही पावर विंडो और सेंट्रल लॉकिंग जैसी सुविधाएं ड्राइवर को भी सुविधा देती हैं।

पावरफुल इंजन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस

Force Urbania में 2596cc, 4-सिलेंडर डीजल इंजन है, जो 115hp की पावर और 350Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन हाईवे, ढलान या भारी लोड, हर जगह संतुलित परफॉर्मेंस देता है। 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स स्मूद शिफ्टिंग ऑफर करता है और Urbania शहर में लगभग 10-12 km/l, जबकि हाईवे पर 14-16 km/l तक का माइलेज देती है।

सेफ्टी फीचर्स

- Urbania में सेफ्टी को लेकर Force Motors ने कोई कसर नहीं छोड़ी है।
- इसमें दिए गए हैं-ड्राइवर और को-ड्राइवर एयरबैग
- ABS (Anti-lock Braking System)
- EBD (Electronic Brakeforce Distribution)
- ESC (Electronic Stability Control)

रियर कैमरा और पार्किंग सेंसर

- लंबी यात्राओं के दौरान ये फीचर्स यात्रियों और ड्राइवर दोनों को अतिरिक्त भरोसा देते हैं।

वेरिएंट्स और कीमत

- Urbania तीन व्हीलबेस वेरिएंट्स- शॉर्ट, मीडियम और लॉन्ग में उपलब्ध है। आप इसे 13, 15 या 17-सीटर विकल्प में चुन सकते हैं। 17 सीटर वेरिएंट की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत लगभग 30 लाख रुपये है, जबकि टॉप मॉडल के साथ कीमत थोड़ी बढ़ जाती है।

Google Maps का नया फीचर
गलत लेन में फंसने का झंझट खत्म

गूगल मैप्स ने नेविगेशन को अगले टेक लेवल पर पहुंचाने की तैयारी कर ली है। कंपनी ने एक ऐसा हाई-टेक फीचर पेश किया है, जो आपकी कार के कैमरे से लाइव फीड लेकर रियल टाइम में बताएगा कि कब और किस लेन में शिफ्ट करना है। इसे नाम दिया गया है -Live Lane Guidance। यह फीचर खासतौर पर उन वाहनों के लिए डिजाइन किया गया है, जिनमें Google Built-in सिस्टम मौजूद है। यानी यह स्मार्टफोन वाले ऐप पर नहीं चलेगा, बल्कि कार के इंटीग्रेटेड हार्डवेयर से जुड़ा रहेगा।

एआई+कैमरा मिलकर देंगे सबसे सटीक नैविगेशन

Google के मुताबिक यह नया फीचर कार में लगे फ्रंट-फेसिंग कैमरे से सड़क की लेन मार्किंग्स और रोड साइन पढ़ेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) उस लाइव वीडियो फीड को प्रोसेस करके Google Maps के नेविगेशन से लिंक करेगा। जैसे ही कार किसी जंक्शन या हाइवे टर्न के करीब पहुंचेगी, सिस्टम रियल टाइम में बताएगा कि किस समय किस लेन में जाना है। यह अलर्ट विजुअल और ऑडियो दोनों फॉर्मेट में मिलेगा, जिससे ड्राइवर को लेन बदलने में आखिरी मिनट की अफरा-तफरी नहीं होगी। इस टेक्नोलॉजी का फायदा खासतौर पर हाइवे और मल्टी-लेन रूट्स पर दिखेगा, जहां अब तक ड्राइवर को अचानक लेन कट या गलत टर्न की समस्या का सामना करना पड़ता था।

Polestar 4 से होगी शुरुआत

Google ने घोषणा की है कि Live Lane Guidance का पहला रोलआउट Polestar 4 इलेक्ट्रिक एसयूवी में किया जाएगा। शुरुआत United States और Sweden में होगी, जिसके बाद इसे अन्य देशों और ऑटो ब्रांड्स के वाहनों में भी धीरे-धीरे एक्सपैंड किया जाएगा।

गूगल के आंकड़ों के अनुसार हर महीने करीब 2 बिलियन यूजर्स Google Maps के नेविगेशन का इस्तेमाल करते हैं। अब कंपनी पारंपरिक ऐप अनुभव से आगे बढ़कर वाहन हार्डवेयर इंटीग्रेशन वाले ऑटो-टेक सेगमेंट में नई दिशा स्थापित कर रही है।

भारत में कब होगा लॉन्च

भारत में इस फीचर की लॉन्च टाइमलाइन फिलहाल घोषित नहीं की गई है, लेकिन ऑटो एक्सपर्ट्स का मानना है कि जैसे-जैसे देश में प्रीमियम ईवी और कनेक्टेड कार्स की संख्या बढ़ेगी, वैसे-वैसे इस तरह की तकनीकें भारतीय सड़कों पर भी जल्द दिख सकती हैं। Google Built-in वाले वाहनों जैसे Volvo, Polestar और Honda के कुछ नए मॉडल पहले से ही भारत में मौजूद हैं, इसलिए संभावना है कि आने वाले कुछ वर्षों में Live Lane Guidance भारतीय यूजर्स तक भी पहुंच जाए।

बाइक को भी चाहिए विंटर केयर
ठंड में स्टार्टिंग प्रॉब्लम सॉल्यूशन

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही बाइक का भी हाल कुछ वैसा ही हो जाता है, जैसा हमारा- ठंड लगते ही सबकुछ सुस्त पड़ जाता है। जैसे इस मौसम में आपको स्किन केयर की जरूरत होती है, वैसे ही बाइक को भी स्पेशल विंटर केयर चाहिए। अगर आपकी बाइक स्टार्ट होने में ज्यादा टाइम ले रही है या सेल्फ काम नहीं कर रहा, तो घबराइए नहीं। यहां जानिए कुछ आसान उपाय, जिनसे बाइक झटपट स्टार्ट होगी और ठंड में भी आपका सफर बेफिक्र रहेगा।

स्पार्क प्लग करें चेक

बाइक इंजन के ऊपरी हिस्से में व्हाइट कलर का स्पार्क प्लग होता है, जो इंजन को इग्निशन देता है। ठंड में या लंबे समय तक न चलाने पर यह वायर ढीला हो सकता है या उस पर डस्ट जम सकती है। ऐसे में स्पार्क प्लग निकालें, कपड़े से साफ करें और अच्छी तरह टाइट करें। इसके बाद बाइक स्टार्ट करने की कोशिश करें। फर्क तुरंत नजर आएगा।

इंजन कट-ऑफ स्विच भूल गए

कई बार बाइक को बंद करते वक्त लोग इंजन कट-ऑफ स्विच (रेड कलर वाला बटन) यूज करते हैं और बाद में उसे ऑन करना भूल जाते हैं। ऐसे में चाहे आप कितनी भी किक मार लें, बाइक स्टार्ट नहीं होगी। ऐसे में जब बाइक स्टार्ट न हो, तो सबसे पहले इंजन स्विच की पोजिशन चेक करें। छोटी सी गलती बड़ी परेशानी से बचा सकती है।

बैटरी की जांच करें

ठंड में बैटरी जल्दी डिस्चार्ज हो जाती है। अगर आपकी बाइक का सेल्फ काम नहीं कर रहा, तो संभावना है कि बैटरी कमजोर या खत्म हो चुकी है। इस स्थिति में बाइक को मेन स्टैंड पर लगाएं, चौथे गियर में डालें और पीछे का पहिया तेजी से घुमाएं। इस "जंप-स्टार्ट" तरीके से कई बार बाइक तुरंत स्टार्ट हो जाती है।

फ्यूल और क्लच की स्थिति देखें

कई बार छोटी-सी लापरवाही जैसे पेट्रोल खत्म होना या बाइक का गियर न्यूट्रल में न होना, स्टार्टिंग की समस्या बन जाती है। ऐसे में आप बाइक स्टार्ट करते समय पेट्रोल लेवल जरूर देखें और गियर न्यूट्रल करें। क्लच लिवर को ठीक से दबाएं ताकि इंजन स्मूथ इग्निशन दे सके।

एयर फिल्टर की सफाई जरूरी

बाइक चलाते समय झटका महसूस हो रहा है या इंजन रुक-रुक कर चल रहा है, तो समझ लें कि एयर फिल्टर में धूल या नमी जमा हो गई है। ऐसे में एयर फिल्टर को सर्विस सेंटर पर साफ करवाएं या जरूरत हो तो नया लगवाएं। साफ फिल्टर से बाइक का परफॉर्मेंस और माइलेज दोनों बेहतर होता है।

मॉय फर्स्ट राइड

आत्मनिर्भर बनने की ललक

कुछ नया सीखने और हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ललक सदैव रही। पापा- मम्मी ने इसी बात की प्रेरणा भी देते थे कि किसी पर आश्रित रहने की जगह प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना है। इसी कड़ी में मैंने कार चलाने की ठानी।

जब पहली बार ड्राइविंग सीट पर बैठी तो मन में थोड़ी सी हिचक थी कि चला पाऊंगी भी या नहीं, लेकिन अपनों का साथ मिला था, तो धीरे-धीरे कार चलाना सीख लिया। पहली बार जब मैं अकेले ड्राइविंग सीट पर बैठी, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। यह ऐसा पल था, जब कोई मेरे बगल की सीट पर मुझे गाइड करने वाला नहीं था। अब समझ में आता है कि हर महिला को कार या बाइक चलाना आना चाहिए ताकि उसे बाहर जाने के लिए किसी का इंतजार न करना पड़े।

-स्नेहा सिंह, कानपुर

यूरोपिय बाजारों में उतरेगा टीवीएस

मिलान (इटली)। भारतीय वाहन विनिर्माता टीवीएस मोटर कंपनी अपने वैश्विक विस्तार के तहत स्पेन और पुर्तगाल सहित यूरोप के और बाजारों में उतरने की योजना बना रही है। यह जानकारी कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेणु ने दी। कंपनी ने वैश्विक दोपहिया प्रदर्शनी ईआईसीएमए-2025 में आईसीई और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन में छह नए उत्पादों का अनावरण करते हुए अपनी शुरुआत की, का मानना है कि बढ़ते पोर्टफोलियो के साथ अब 'औद्योगिक बाजारों' का दोहन करने का समय आ गया है।

अमृत विचार
हल्द्वानी, सोमवार, 10 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2235, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13 किग्रा 1965, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1900, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2130, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छॉंटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : डालमियां -, पीलीभीत 4440, सितारगंज 4350, धामपुर -

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4400, मसूरी- 1400, बासमती- 9000, परमल- 2900

दाल दलहन : काला चना- 6200, साबुत चना दाल- 5400, मूंग साबुत- 7000, राजमा- 11100-13700, दाल उड़द-7900, साबुत मसूर दाल- 6300, मसूर दाल- 4900, उड़द साबुत- 8000, काबुली चना- 10000, अरहर दाल-10200, लोबिया/करमानी- 5800

कंपनियों के तिमाही नतीजे बदलेंगे बाजार की दिशा

महंगाई के आंकड़े, वैश्विक रुख और एफपीआई की गतिविधियों पर होगी निवेशकों की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह महंगाई के आंकड़ों, कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों और वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी शेयर बाजार के रुख को प्रभावित करेंगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा कि यह सप्ताह महत्वपूर्ण रहेगा, क्योंकि कई प्रमुख वृहद आर्थिक आंकड़े जारी होने वाले हैं। घरेलू मोर्चे पर, भारत के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति और थोक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जो महंगाई की दिशा और नीतिगत दृष्टिकोण के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे। सप्ताह के दौरान ओएनजीसी, बजाज फिनसर्व,

- ओएनजीसी, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और ऑयल इंडिया के आएंगे नतीजे

एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और ऑयल इंडिया जैसी प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों आएंगे, जिन पर सभी की निगाह रहेगी। इसके साथ रुपये-डॉलर का रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे।

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा, इस सप्ताह कई प्रमुख घरेलू और वैश्विक वृहद आर्थिक कारक बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। घरेलू मोर्चे पर, अक्टूबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर कड़ी नजर रखी जाएगी, क्योंकि इससे निवेशकों को ब्याज दर के भविष्य के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलने की संभावना है। वैश्विक स्तर पर, सभी की निगाहें अमेरिका में कुछ विभागों का कामकाज ठप होने (शटडाउन) पर रहेगी। इससे आर्थिक आंकड़ों को जारी नहीं किया जा सका है जिससे निवेशकों और नीति-निर्माताओं को वास्तविक स्थिति की जानकारी नहीं मिल पाई। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बाजार की दिशा आगामी घरेलू मुद्रास्फीति के आंकड़ों, एफआईआई प्रवाह, अमेरिकी शटडाउन व अमेरिका, भारत और चीन के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति पर निर्भर करेगी।

शीर्ष सात कंपनियों की पूंजी 88,635 करोड़ रुपये घटी

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 88,635 .28 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में भारती एयरटेल और टीसीएस रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

एफपीआई ने बाजार से निकाले 12,569 करोड़ रुपये

अक्टूबर में थोड़े विराम के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बिकवाली फिर शुरू कर दी है। कमजोर वैश्विक संकेतों और जोखिम-रहित धारणा के बीच नवंबर में अब तक एफपीआई ने भारतीय बाजार से 12,569 करोड़ रुपये की निकासी की। डिपॉजिटरी के अनुसार, अक्टूबर में एफपीआई ने शेयरों में 14,610 करोड़ का शुद्ध निवेश किया था, जो कई महीनों की निकासी के बाद आया था। सितंबर में एफपीआई ने 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये की निकासी की थी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि नवंबर के अब तक हर कारोबारी दिन जारी रही बिकवाली की नई प्रवृत्ति ने भारत के खराब प्रदर्शन में योगदान दिया है।

अमेरिका और चीन के आर्थिक आंकड़ों से पहले सोने में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों, व्यापार शुल्क को लेकर जारी अनिश्चितताओं और चीन के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों से पहले आने वाले सप्ताह में सोने की कीमतों में सुधार जारी रहने की उम्मीद है। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया। उन्होंने कहा कि कारोबारी मौद्रिक नीति पर स्पष्टता के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व की टिप्पणियों पर भी कड़ी नजर रखेंगे। इससे निकट भविष्य में सर्राफा कीमतों की दिशा तय होने की संभावना है।

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के ईबीजी - जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, सोने में स्वस्थ गिरावट या और सुधार की उम्मीद है, क्योंकि सभी का ध्यान मुद्रास्फीति के आंकड़ों, शुल्क पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई, फेड के भाषणों और चीनी आंकड़ों पर रहेगा। उन्होंने कहा कि सोने की कीमतें थोड़ी कम हुई, लेकिन

- अमेरिकी फेडरल रिजर्व की टिप्पणियों पर होगी कड़ी नजर

मजबूत डॉलर और सुस्त भौतिक मांग से इसकी बढ़त सीमित रही। खुदरा खरीदार कीमतों में और गिरावट की आशंका में बाजार से दूर हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलिवरी वाले सोने का वायदा भाव पिछले सप्ताह 165 रुपये की गिरावट के साथ शुक्रवार को 1,21,067 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एंजल वन के डीवीपी (शोध, गैर-कृषि जिंस एवं मुद्रा) प्रथमेश माल्या ने कहा, इस दौरान एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1,17,000-1,22,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में रहा।

भारत का डीपटेक क्षेत्र 2030 तक बढ़कर होगा 30 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के 'डीपटेक' क्षेत्र में तेजी से वृद्धि होने की संभावना है और इसके बाजार अवसर 2030 तक 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट कहती है कि रक्षा नवोन्मेषण और वैश्विक रोबोटिक्स में उछाल के कारण डीपटेक क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। भारत ने रक्षा डीपटेक पर खर्च में उल्लेखनीय बदलाव देखा है। पिछले एक दशक में राष्ट्रीय रक्षा बजट दोगुना होकर 80 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। यह विस्तार इसी अवधि के दौरान अमेरिका और चीन जैसे शीर्ष वैश्विक खर्च करने वाले देशों द्वारा दर्ज की गई वृद्धि दर से अधिक है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के डीपटेक अवसर पिछले पांच साल में 2.5 गुना बढ़े हैं और यह 2030 तक 30 अरब अमेरिकी डॉलर का विशाल बाजार बनने की ओर अग्रसर हैं। भारत, चीन के बाहर एकमात्र विश्वसनीय, कम लागत वाला केंद्र बनकर उभर रहा है। इसका डीपटेक आधार, यानी वित्त वर्ष 2024-25 तक 9-12

- रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स के अनुसार रक्षा नवोन्मेषण और वैश्विक रोबोटिक्स में उछाल से आई तेजी

अरब अमेरिकी डॉलर, भारत के रक्षा डीपटेक और वैश्विक रोबोटिक्स में खर्च द्वारा आगे बढ़ रहा है। चीन के बाहर एक विश्वसनीय, कम लागत वाले वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की उभरती स्थिति रोबोटिक्स में गहन तकनीकी प्रगति से और मजबूत हो रही है। 60 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के वैश्विक रोबोटिक मशीनों के बाजार के 2030 तक लगभग 230 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें ह्यूमनॉइड रोबोट एक प्रमुख श्रेणी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

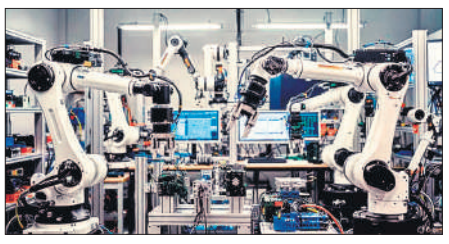

वृद्धि के वित्तपोषण के लिए विशेष कोष बनाए सरकार : सीआईआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की वृद्धि को गति देने और रणनीतिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए जरूरी

उद्योग निकाय सीआईआई ने रविवार को सरकार से देश की दीर्घकालिक वृद्धि, जुझारू क्षमता और विदेशों में महत्वपूर्ण आर्थिक हितों की रक्षा के लिए एक विशेष कोष बनाने का आग्रह किया। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने कहा कि पेशेवर रूप से प्रबंधित एक मजबूत 'भारत विकास एवं रणनीतिक कोष' (आईडीएसएफ) की स्थापना की जानी चाहिए।

भारत की वृद्धि को गति देने और देश के रणनीतिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए इसकी जरूरत है। इसमें आगे कहा गया है कि एक राष्ट्रीय कोष के रूप में आईडीएसएफ घरेलू स्तर पर भारत की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने और विदेशों में महत्वपूर्ण आर्थिक हितों की सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक पूंजी

- आईडीएसएफ दो दशक में 1,300 से 2,600 अरब डॉलर के बीच प्रबंधित कोष का करेगा निर्माण

जुटाएगा। सीआईआई का मानना है कि अनुशासित योजना और वित्तपोषण के साथ, आईडीएसएफ अगले दो दशक में 2047 तक 1,300 से 2,600 अरब अमेरिकी डॉलर के बीच एक प्रबंधित कोष का निर्माण कर सकता है। इसमें सुझाव दिया गया कि समय के साथ चुनिंदा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में सरकार की इक्विटी का एक हिस्सा इस कोष में स्थानांतरित किया जा सकता है, जिससे ये उद्यम केवल विनिवेश के साधन न रहकर भारत के वैश्विक विस्तार के साधन बन सकते हैं।

इसके अलावा यह कोष बहुपक्षीय और द्विपक्षीय साझेदारों के साथ मिलकर निवेश करते हुए दीर्घकालिक घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बचत जुटाने के लिए बुनियादी ढांचा, हरित और प्रवासी बॉन्ड जारी कर सकता है।

वृद्धि के लिए भारत स्थायी वित्तीय इंजन बनाए

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत वृद्धि के लिए अपना स्थायी वित्तीय इंजन बनाए। उन्होंने कहा कि भारत अवसरों के एक निर्णायक दौर में प्रवेश कर रहा है। हम पहले से ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं, लेकिन 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल करने के लिए, हमें दीर्घकालिक पूंजी के संरचनात्मक, स्थाई स्रोतों की जरूरत है जो वार्षिक बजट चक्र से परे हों। उन्होंने कहा कि आईडीएसएफ एक संप्रभु और पेशेवर रूप से प्रबंधित साधन होगा, जो राष्ट्रीय क्षमता तथा रणनीतिक सुरक्षा में निवेश करेगा। सीआईआई का प्रस्ताव इस मान्यता पर आधारित है कि बुनियादी ढांचे, ऊर्जा रूपांतरण, विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और मानव विकास में भारत की महत्वाकांक्षाओं के लिए ऐसे पैमाने पर धन की आवश्यकता होगी, जिसे सिर्फ वार्षिक बजटीय आवंटन से पूरा नहीं किया जा सकता।

विपक्ष घुसपैठिया, मोदी बना रहे हैं औद्योगिक कॉरिडोर : शाह

सासाराम एवं अरवल की जनसभा को गृहमंत्री ने किया संबोधित

सासाराम/अरवल, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी गठबंधन पर बिहार में घुसपैठियों के लिए कॉरिडोर बनाने की कोशिश का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य में औद्योगिक कॉरिडोर स्थापित कर रहे हैं। सासाराम एवं अरवल की जनसभा में शाह ने कहा, भविष्य में पाकिस्तान पर जो मोर्टार दागे जाएंगे, वे बिहार के आयुध कारखाने में बनाए जाएंगे।

शाह ने कहा, हाल ही में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने वोटर अधिकार यात्रा निकाली। यह यात्रा बिहार के गरीबों, दलितों और अति पिछड़ों के जीवन में सुधार लाने के लिए नहीं थी, बल्कि यह घुसपैठियों की रक्षा के लिए थी। शाह ने आरोप लगाया कि विपक्ष की वोट बैंक की राजनीति ने उन्हें घुसपैठिया कॉरिडोर बनाने की कोशिश करने पर मजबूर किया है, जबकि प्रधानमंत्री मोदी राज्य में औद्योगिक कॉरिडोर स्थापित कर रहे हैं। राहुल गांधी के इस आरोप पर कि देश में वोट चोरी हो रही है, शाह ने कहा, उन्हें सच में ऐसा लगता है, तो वे निर्वाचन आयोग में औपचारिक शिकायत क्यों नहीं करते? जब केंद्र में मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और लालू यादव की सरकार थी, तब आतंकवादी देश में खुलकर हमले करते थे और अब हम आतंकियों को उनके घरों में घुसकर मार रहे हैं। भविष्य में अगर पाकिस्तान से कोई आतंकवादी हमला करने की हिम्मत करता है, तो उनके बमों का जवाब मोर्टार से दिया जाएगा और ये मोर्टार यहीं बिहार के सासाराम में बनेंगे, जहां मोदी रक्षा कॉरिडोर बना रहे हैं।

अरवल में जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

धर्म के आधार पर देश को बांटने की कोशिश कर रही है कांग्रेस : राजनाथ सिंह

औरंगाबाद/सासाराम। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के कांग्रेस मतलब मुसलमान संबंधी बयान पर तंज कसते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस देश को धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश कर रही है। चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के प्रचार के आखिरी दिन औरंगाबाद और सासाराम में चुनावी रैलियों में सिंह ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) धर्म, जाति या संप्रदाय के आधार पर लोगों को नहीं बांटता, बल्कि मानवता की राजनीति में विश्वास करता है। उन्होंने कहा कि क्या आपने सुना है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने क्या कहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मतलब मुसलमान और मुसलमान मतलब कांग्रेस। इसका क्या अर्थ है। यह देश को बांटने का प्रयास है। क्या यही कांग्रेस की राजनीति है? यही उसकी संस्कृति है। सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद अपनी तुष्टीकरण की राजनीति के लिए राजग को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस और राजद समाज को जाति, धर्म और समुदाय के नाम पर विभाजित करना चाहते हैं।

मोदी एक दिन वोट चोरी के लिए पकड़े जाएंगे : राहुल

किशनगंज/पूर्णिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री शाह वोट चोरी में लिप्त हैं और चाहे वे कहीं भी चले जाएं, एक दिन पकड़े जाएंगे। किशनगंज की चुनावी रैली में राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और आरएसएस देश को बांटने की साजिश कर रहे हैं, जबकि विपक्षी गठबंधन देश को एकजुट करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी, शाह और चुनाव आयोग के पास हमारे वोट चोरी के आरोपों का कोई जवाब नहीं है, क्योंकि सच्चाई अब जनता के सामने है। राहुल ने दावा किया कि उन्होंने हाल ही में हरियाणा में बड़े पैमाने पर वोट चोरी का खुलासा किया है। हरियाणा में दो करोड़ मतदाता हैं, लेकिन मतदाता सूची में 25 लाख फर्जी नाम है।

कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी छापेमारी, नौ लोग हिरासत में

श्रीनगर, एजेंसी

काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने रविवार को आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई के तहत घाटी में छापेमारी कर एक महिला समेत नौ लोगों को हिरासत में ले लिया। प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवाद का ऑनलाइन महिमामंडन कर युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की जानकारी पर कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) की टीम ने श्रीनगर, कुलगाम, बारामूला, शोपियां व पुलवामा में 10 स्थानों पर छापेमारी की।

प्रवक्ता ने कहा, स्थानीय पुलिस के सहयोग से चलाया अभियान उन व्यक्तियों पर केंद्रित था, जिन पर हिंसा भड़काने, राष्ट्रविरोधी दुष्प्रचार करने और सांप्रदायिक घृणा को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया मंच का दुरुपयोग करने का आरोप है। सिम कार्ड, मोबाइल फोन, टैबलेट सहित कई सबूत जब्त किए गए हैं।

किश्तवाड़-कठुआ में सिम विक्रेताओं की जांच शुरू

जम्मू। पुलिस ने रविवार को सुरक्षा बढ़ाने और अनधिकृत वितरण पर अंकुश लगाने के लिए कश्मीर जिले में सिम विक्रेताओं की दुकानों पर व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस समन्वित जिलाव्यापी अभियान के तहत सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में सिम विक्रेता दुकानों का निरीक्षण किया।

जम्मू में कई जगहों पर हुई छापेमारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जम्मू के कई इलाकों में पाकिस्तान में बैठे आकाओं के इशारे पर काम कर रहे स्थानीय आतंकियों और उनके 'ओवरग्राउंड वर्कर्स' (ओजीडब्ल्यू) के ठिकानों की तलाशी ली। रामबन, किश्तवाड़, डोडा, कठुआ, रियासी, पूंछ और राजौरी जिलों में कई जगहों पर तलाशी और घेराबंदी जारी है। जम्मू के डोडा जिले में अभियान के बीच कई संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

सब लोग चाहें तो भारत कल तक हिंदू राष्ट्र बन सकता है : भागवत

बेंगलुरु, एजेंसी

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत के 1.4 अरब नागरिक सामूहिक रूप से ऐसा निर्णय लें तो भारत कल सुबह तक हिंदू राष्ट्र बन सकता है। भागवत ने संघ की 100 वर्ष की यात्रा पर शताब्दी व्याख्यान श्रृंखला के दौरान रविवार को एक संवाद में कहा कि हिंदू राष्ट्र का विचार मजबूत, एकजुट और आत्मविश्वासी भारत की नींव का प्रतिनिधित्व करता है।

उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र की अवधारणा राजनीतिक नहीं बल्कि सभ्यतागत है, भागवत ने कहा कि हिंदू राष्ट्र भारत की पहचान और ताकत का सार है। इसका अर्थ सद्भाव, समानता और एकता है - प्रभुत्व नहीं। यह उस सांस्कृतिक आधार को दर्शाता है जो देश को एक साथ रखता है। भागवत ने कहा कि भारत सभी देशों के साथ मित्रता चाहता है, लेकिन चीन के साथ चल रही जटिलताओं के बीच उसे अपनी संप्रभुता की रक्षा करनी चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने चीन के साथ भारत के संबंधों पर कहा कि भारत का

संघ की 100 वर्ष की यात्रा : नए क्षितिज कार्यक्रम को संबोधित करते मोहन भागवत।

- बोले- हिंदू राष्ट्र की अवधारणा राजनीतिक नहीं बल्कि सभ्यतागत है

उद्देश्य हर देश के साथ मित्रता स्थापित करना है, लेकिन उसे अपनी सीमाओं और संप्रभुता की रक्षा के लिए सतर्क और मज़बूत रहना होगा। भारत होने के नाते, हम दुनिया के हर देश के साथ मित्रता स्थापित करना चाहते हैं। लेकिन चीन के साथ जटिलताओं के बीच हमें अपनी संप्रभुता की रक्षा करनी होगी। उन्होंने चीन पर विस्तारवादी होने का आरोप लगाते हुए कहा, वे प्रभुत्व स्थापित करना चाहते हैं। 1950 में उनका ग्रेटर चाइना का सपना था, जिसमें पड़ोसी क्षेत्र भी शामिल थे।

आरएसएस को व्यक्तियों के निकाय के रूप में मान्यता प्राप्त

भागवत ने संगठन पर बिना पंजीकरण के काम करने का आरोप लगाने वाले कांग्रेस नेताओं पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि उनके संगठन को व्यक्तियों के निकाय के रूप में मान्यता प्राप्त है। भागवत ने कहा, आरएसएस की स्थापना 1925 में हुई थी, तो क्या आप उम्मीद करते हैं कि हम ब्रिटिश सरकार के पास पंजीकरण कराते? आजादी के बाद भारत सरकार ने पंजीकरण अनिवार्य नहीं बनाया। भागवत ने स्पष्ट किया, हमें व्यक्तियों के निकाय के रूप में वर्गीकृत किया गया है और हम मान्यता प्राप्त संगठन हैं। आयकर विभाग और अदालतों ने आरएसएस को व्यक्तियों का निकाय माना है और संगठन को आयकर से छूट दी गई है। हम पर तीन बार प्रतिबंध लगाया गया। ऐसे में सरकार ने हमें मान्यता दी। हमारा अस्तित्व नहीं था, तो किस पर प्रतिबंध लगाया?

प्रशिक्षण शिविर में देर से पहुंचे राहुल, मिली 10 पुशअप की सजा

पचमढ़ी। मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में आयोजित जिलाध्यक्षों की प्रशिक्षण शिविर अपने तय समय से शुरू नहीं हो सका, इसका कारण कांग्रेस नेता राहुल गांधी का निर्धारित समय पर नहीं पहुंच बताया गया।

प्रशिक्षण विभाग के प्रमुख सचिन राव ने कहा कि शिविर में अनुशासन का पालन नहीं किए जाने पर सजा दी जाती है। इस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मेरे लिए क्या सजा तय की गई है। राव ने कहा कि आपको 10 पुशअप लगाने की सजा सुनाई जाती है। इसके बाद कांग्रेस नेता ने इसे स्वीकार करते हुए वहां मौजूद सभी जिलाध्यक्षों के सामने ही 10 पुशअप लगाए। इस दौरान राहुल गांधी ने जुजुत्सु का अभ्यास करते हुए बताया कि अपनी जमीन पर पकड़ कैसे मजबूत होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आपके पैर मजबूती से जमीन पर होने चाहिए। यदि जमीन छोड़ दी तो आपकी पकड़ कमजोर हो जाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि आपको असली ताकत नेताओं की परिक्रमा से नहीं, जनता के बीच पकड़ मजबूत करने से मिलेगी।

सुकमा में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ का जवान घायल

सुकमा (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) में रविवार को विस्फोट होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान जख्मी हो गया।

पुलिस ने बताया कि यह घटना अपराह्न 1.45 बजे फुलबगड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गोगुंडा के पास पहाड़ियों में उस समय हुई जब सुरक्षाकर्मियों की टीम अभियान पर थी। सीआरपीएफ की 74वीं बटालियन का जवान आईईडी पर चढ़ गया, जिससे विस्फोट हुआ और उसके पैर जख्मी हो गए।

केरल राज्य ने वंदे भारत में बच्चों से संघ का गीत गायन कराने की जांच के दिए आदेश

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

केरल सरकार ने एर्नाकुलम से बेंगलुरु जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन के बाद ट्रेन में छात्रों से आरएसएस के गीत का गायन कराने के दक्षिणी रेलवे के कृत्य की जांच का रविवार को आदेश दिया। सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने लोक शिक्षण निदेशक (डीपीआई) को इस संबंध में जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

शिवनकुट्टी ने कहा कि सरकार इस घटना को अत्यंत गंभीरता से ले रही है। सरकारी कार्यक्रमों में बच्चों का राजनीतिकरण करना और किसी खास समूह के सांप्रदायिक एजेंडे को बढ़ाने के लिए उनका इस्तेमाल करना संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। मंत्री ने कहा कि लोक शिक्षण निदेशक (डीपीआई) को तुरंत जांच कर रिपोर्ट

- राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री शिवनकुट्टी ने डीपीआई जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का दिया निर्देश

सौंपने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर आगे उचित कार्रवाई की जाएगी। शिवनकुट्टी ने कहा कि देश के धर्मनिरपेक्ष एवं राष्ट्रीय मूल्यों को बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और इन सिद्धांतों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने नई ट्रेन में छात्रों द्वारा आरएसएस का गीत गाने को रविवार को सही ठहराया। उन्होंने त्रिशूर में पत्रकारों से कहा कि यह बच्चों के निश्छल जश्न का हिस्सा था।

वर्ल्ड ब्रीफ

ब्रिटेन में आव्रजन रोकने को लागू हो सकता है डेनमार्क मॉडल

लंदन। ब्रिटेन की गृहमंत्री शबाना महमूद बढ़ते आव्रजन से निपटने के लिए 'डेनमार्क मॉडल' अपनाने पर विचार कर रही हैं, जिसमें कड़े नियंत्रण और शरण प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की योजना शामिल है। ब्रिटिश मीडिया ने इस सप्ताहांत यह खबर दी। डेनमार्क को यूरोप में आव्रजन के मामले में सबसे कठोर देशों में से एक माना जाता है। खबर है कि महमूद ने हाल में गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को डेनमार्क मॉडल का अध्ययन करने के लिए कोपेनहेगन भेजा है ताकि उस मॉडल को ब्रिटेन में भी लागू किया जा सके। डेनमार्क संघर्षरत इलाकों से आकर सफलतापूर्वक शरण प्राप्त करने वाले अधिकांश लोगों को केवल अस्थायी आधार पर ही तबतक रहने की अनुमति देता है जबतक सरकार उनके गृह देशों को उनके लौटने के लिए सुरक्षित घोषित नहीं कर देती।

प्राचीन शहर रोमन विसुवियस की खुदाई में एक मिस्री पात्र मिला

रोम। प्राचीन रोमन शहर विसुवियस के 'स्ट्रीट फूड' क्षेत्र के खंडहरों में एक बहुमूल्य मिस्री बर्तन (फूलदान) फिर से मिला है जो प्राचीन रोम और मिस्र सभ्यताओं के बीच सांस्कृतिक और व्यावसायिक संबंधों को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि प्राचीन रोमन शहर विसुवियस 79 ईसा पूर्व में विसुवियस पर्वत के ज्वालामुखी विस्फोट के बाद लावा में दब गया था। इसे पोम्पेई शहर के नाम से भी जाना जाता है और इसे वर्तमान में यूनेस्को के विरासत स्थल का दर्जा भी प्राप्त है। इस प्राचीन शहर को 1599 में खुदाई के बाद फिर से खोजा गया था, लेकिन तब उसकी ऐतिहासिक महत्ता को समझा नहीं गया था। इसे दोबारा 1748 ईस्वी में खोजा गया, जब इतालवी इंजीनियर रोको जोआक्विनो डी 'अल्कुबिएरे ने खुदाई शुरू की।

सैकड़ों प्रवासियों से भरी नाव मलेशिया के तट पर पलटी, ज्यादातर लापता

कुआलालंपुर। म्यांमार से लगभग 300 प्रवासियों को ले जा रही एक नाव पिछले सप्ताह थाईलैंड और मलेशिया की सीमा के पास हिंद महासागर में पलट गई। एक शव समुद्र में तैरता हुआ मिला, 10 लोगों को बचा लिया गया और कई लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि नाव के डूबने का समय और सटीक स्थान तत्काल ज्ञात नहीं हो सका। एक मलेशियाई अधिकारी ने कहा कि जहाज संभवतः थाई जलक्षेत्र में पलट गया था तथा चेतावनी दी कि खतरनाक समुद्री मार्गों का उपयोग करके प्रवासियों का शोषण करने में सीमा पार के गिरोह तेजी से सक्रिय हो रहे हैं। एक पुलिस प्रमुख ने बताया कि बचाए गए लोगों में से कुछ रोहिंग्या मुसलमान हैं जो मुख्य रूप से म्यांमा में रहते हैं, जहां उन्हें दशकों से उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

थाईलैंड : तय समय के बाद शराब पी तो लगेगा 10,000 बाट का जुर्माना

बैंकाक, एजेंसी

- **तीखी आलोचना की जा रही है सरकार के नए कानून की**

थाईलैंड में नया शराब नियंत्रण कानून आठ नवंबर से प्रभावी हो गया, जिसमें निर्धारित समयसीमा के बाद शराब पीने वालों पर जुर्माना लगाने का प्रावधान है। इससे पर्यटन एवं नाइटलाइफ़ को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

स्थानीय मीडिया ने रविवार को बताया कि थाईलैंड के पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र ने अल्कोहल नियंत्रण अधिनियम (संख्या दो) बी.ई. 2568 पर चिंता व्यक्त की है, जिसमें कानूनी रूप से बिक्री के बाद तय समय के अतिरिक्त शराब पीने पर दंड का प्रावधान है। यह कानून शराब की खपत पर कड़ा नियंत्रण रखने के उद्देश्य से बनाया गया है। नई व्यवस्था के अंतर्गत समयसीमा का उल्लंघन करने पर सिर्फ विक्रेताओं को ही नहीं बल्कि उपभोक्ताओं को भी दंड का सामना करना पड़ सकता है। सुबह 11:00-14:00 और शाम 6:00-24:00 के बाद रेस्टोरेंट में बैठकर शराब पीने पर 10,000 बाट तक का जुर्माना लग सकता है। इस कदम की स्थानीय एवं विदेशी मीडिया दोनों ने आलोचना की है और थाईलैंड आने वाले पर्यटकों को सावधानी बरतने की चेतावनी दी है। यह घोषणा तुरंत ऑनलाइन वायरल हो गई जिसे अंतरराष्ट्रीय लोगों और व्यापारिक समुदाय की ओर से तीखी नकारात्मक प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई।

दुनिया में बदल रहीं आव्रजन नीतियां

प्रवासियों पर टेढ़ी नजर

कोई समय था, जब दुनिया में प्रवासियों को श्रम बल और प्रतिभाओं की कमी पूरी करने के नजर से देखा जाता था लेकिन कुछ वर्षों से उन्हें राष्ट्रीय व आर्थिक सुरक्षा के लिए चुनौती माना जाने लगा है। दुनिया के कई देशों में आव्रजन को लेकर सख्ती शुरू हो गई है। आव्रजन नीतियों की नए सिरे से समीक्षा करने के साथ कड़े नियम और प्रावधान तय किए जा रहे हैं ताकि प्रवासियों की संख्या को नियंत्रित किया जा सके। अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार करने के साथ हथकड़ी-बेड़ियों में जकड़कर अपमानजनक तरीके से उनके देशों में वापस भेजने के अमेरिकी कदम की पूरी दुनिया में आलोचना हुई है। ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा समेत कई और देशों में सरकारों ने प्रवासियों पर नजर टेढ़ी की है। आव्रजन नीतियों में बदलाव करने वाले देशों में भारत भी शामिल है। यह अलग बात है कि दूसरे देशों में सबसे ज्यादा संख्या भारतीय प्रवासियों की ही है।

आव्रजन पर इतनी हलचल क्यों

- आव्रजन का श्रम बाजार पर प्रभाव राजनीतिक बहस के केंद्र में है। डर है कि आव्रजन से स्थानीय लोगों के लिए नौकरियां और वेतन कम हो सकते हैं।
- यह भी आम शिकायत है कि प्रवासन से सार्वजनिक आवास, स्वास्थ्य और कल्याणकारी संसाधनों जैसी सेवाओं पर बहुत अधिक दबाव पड़ता है।
- कभी-कभी आव्रजन को सांस्कृतिक व राष्ट्रीय पहचान के लिए खतरे के साथ सुरक्षा चिंताओं और आतंकवाद से जुड़ी आशंकाओं से जोड़ा जाता है।
- कई देशों में प्रवासन का मुद्दा राजनीतिक लाभ के लिए काफी इस्तेमाल किया जाता है, इससे प्रवासियों के प्रति नकारात्मक नजरिया पैदा होता है।

आव्रजन नीतियों की समीक्षा

- यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देश अपनी आव्रजन नीतियों की समीक्षा कर रहे हैं और उन्हें सख्त बना रहे हैं।
- यूरोपीय संघ ने प्रवासन और शरण पर नई संधि अपनाई है, जिसमें सीमाओं पर सख्ती के साथ निर्वासन प्रक्रिया तेज की गई है।
- राजनीतिक मुद्दा बनने के कारण अमेरिका, ब्रिटेन, पोलैंड समेत कई देशों में मूल निवासियों ने आव्रजन विरोधी प्रदर्शन किए हैं।

इन देशों में सर्वाधिक भारतीय

- विदेश मंत्रालय की मई 2024 तक की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय प्रवासियों की सर्वाधिक संख्या संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका, सऊदी अरब, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा और मलेशिया हैं।

भारतीय प्रवासी

- आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार लगभग 3 .54 करोड़ भारतीय अनिवासी (एनआरआई) और भारतीय मूल के व्यक्ति दुनिया भर के देशों में रह रहे हैं। इस आंकड़े के साथ दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। भारत हर साल लगभग 2 .5 मिलियन प्रवासियों के साथ दुनिया में सबसे ज्यादा प्रवासी भेजने वाला देश है। अरब, यूरोप और अमेरिकी देशों में इनकी सबसे ज्यादा संख्या है।

भारत में सख्ती

हाल ही में लागू किए गए आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 के तहत गृह मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश डिटेंशन सेंटर बनाएंगे, ताकि अवैध रूप से विदेशियों की आवाजाही को तब तक प्रतिबंधित किया जा सके, जब तक कि उन्हें निर्वासित नहीं कर दिया जाता।

पाकिस्तान: 27वें संविधान संशोधन के विरुद्ध देशव्यापी प्रदर्शन का एलान

बहुदलीय विपक्षी गठबंधन ने लगाया संवैधानिक संस्थाओं को पंगु करने का आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की संसद प्रस्तावित 27वें संविधान संशोधन को पारित करने की तैयारी कर रही है, वहीं विपक्ष ने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि यह संशोधन संविधान की नींव हिला देगा। विपक्ष ने इसके खिलाफ रविवार से देशव्यापी प्रदर्शन की घोषणा की है।

कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने शनिवार को ऊपरी सदन सीनेट में संशोधन प्रस्ताव पेश किया और सभापति यूसुफ रजा गिलानी ने इसे मतदान से पहले चर्चा के लिए सदन की समिति के पास भेज दिया। समिति के अध्यक्ष फारूक नाइक ने मीडिया को बताया कि वे सदस्यों के बीच आम सहमति बनाकर कार्य पूरा करेंगे। सरकार को आशा है कि सोमवार को मतदान होने पर उसे कम से कम 64 सीनेटर का दो-तिहाई बहुमत मिल जाएगा। सीनेट के बाद, इसे 'नेशनल असेंबली' में पेश किया जाएगा, जहां इसे फिर से दो-तिहाई बहुमत से पारित होना होगा। अंतिम चरण में इसे कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी मिलनी जरूरी होगी।

बहुदलीय विपक्षी गठबंधन तहरीक-ए-तहाफुज आईन-ए-पाकिस्तान (टीटीएपी) ने संशोधन के खिलाफ देशव्यापी विरोध आंदोलन की घोषणा की है। रविवार को कई शहरों में जोरदार प्रदर्शन हुए। मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) के प्रमुख अल्लामा राजा नासिर अब्बास ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान में लोकतांत्रिक संस्थाएं पंगु हो गई हैं। राष्ट्र को प्रस्तावित 27वें संशोधन के खिलाफ कदम उठाना चाहिए।

एमडब्ल्यूएम, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के साथ टीटीएपी का हिस्सा है। इस गठबंधन में पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (पीकेएमएपी), बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल (बीएनपी-एम) और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) भी शामिल हैं।

पाकिस्तान में संविधान संशोधन के खिलाफ पीओके में भी प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

पीएम को जवाबदेही से छूट दिलाने वाला संशोधन वापस

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को अपनी पार्टी के कुछ सीनेटरों द्वारा प्रधानमंत्री को जवाबदेही से छूट देने की मांग वाला संशोधन प्रस्ताव वापस लेने का निर्देश दिया। शरीफ ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि उन्हें अजरबैजान से लौटने पर इस घटना की जानकारी मिली। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रस्ताव कैबिनेट द्वारा अनुमोदित मसौदे का हिस्सा नहीं था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, एक निर्वाचित प्रधानमंत्री को अदालत और जनता दोनों के प्रति पूरी तरह से जवाबदेह रहना चाहिए।

सेना से सुप्रीम कोर्ट तक होगा बदलाव, राष्ट्रपति की ढाल बनेगा संशोधन

संशोधन में अनुच्छेद 243 में परिवर्तन का प्रस्ताव है, जिसके तहत 'चेयरमैन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी' (सीजेसीएससी) के पद को समाप्त कर 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज' नामक नया पद शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया है। अन्य प्रस्तावों में संघीय संवैधानिक न्यायालय की स्थापना और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया में संशोधन शामिल हैं। इसका उद्देश्य उच्चतम न्यायालय की शक्तियों को कम करना भी है, जिसमें कुछ प्राधिकारों को प्रस्तावित संवैधानिक न्यायालय में स्थानांतरित करना तथा राष्ट्रपति को आजीवन आपराधिक कार्यवाही से मुक्ति प्रदान करना शामिल है। विपक्ष इसे न्याय पालिका को शक्तिहीन बनाने का प्रयास बता रहा है।

बांग्लादेश : ढाका लॉकडाउन की घोषणा के बाद पुलिस अलर्ट, अभ्यास किया

ढाका। बांग्लादेश पुलिस ने देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के 13 नवंबर को होने वाले 'ढाका लॉकडाउन' कार्यक्रम से पहले राजधानी में बड़े पैमाने पर समन्वित सुरक्षा अभ्यास किया है। खबरों के मुताबिक अगले हफ्ते संभावित हिंसक विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए शनिवार को 7,000 पुलिसकर्मियों ने अंतरिम सरकार प्रमुख मुहम्मद यूनुस के आवास समेत 142 स्थानों पर अभ्यास किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ढाका में पुलिस की मौजूदगी बढ़ गई है जिससे 13 नवंबर को कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजधानी में लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। अवामी लीग के अध्यक्ष मंडल के सदस्य जहांगीर कबीर नानोक ने 13 नवंबर के लिए 'लॉकडाउन' की घोषणा की है। नानोक इस समय भारत में हैं। पुलिस ने हालांकि पुष्टि नहीं की है कि मौजूदा तैनाती उनकी घोषणा से जुड़ी है या नहीं।

शटडाउन से अमेरिका पस्त, नाटो सहयोगियों और यूक्रेन को 5 अरब डॉलर का हथियार निर्यात रोका

वाशिंगटन, एजेंसी

रिपब्लिकन नेताओं ने डेमोक्रेट्स पर लगाया देश के रक्षा उद्योग को नुकसान पहुंचाने का आरोप

शटडाउन से अमेरिका में हालात दिन ब दिन और खराब होते जा रहे हैं। अमेरिका ने यूक्रेन और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सहयोगियों को अनुमानित पांच अरब डॉलर मूल्य के हथियारों के निर्यात पर रोक लगा दी है। इस बीच अमेरिका में शटडाउन रविवार को 40वें दिन में प्रवेश कर गया।

एक अधिकारी ने बताया, शटडाउन से वास्तव में हमारे सहयोगियों, साझेदारों तथा अमेरिकी उद्योग को विदेशों में महत्वपूर्ण क्षमताओं का प्रदर्शन करने में नुकसान हो रहा है। डेनमार्क, क्रोएशिया और पोलैंड जैसे यूरोपीय सहयोगियों को अमराम मिसाइलों, एजिस लड़ाकू प्रणालियों और हिमार्स जैसी महत्वपूर्ण हथियार प्रणालियों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में रोके गए लेनदेन में व्हाइट हाउस से ब्रुसेल्स को सीधे हथियारों की बिक्री तथा निजी अमेरिकी रक्षा कंपनियों को हथियार निर्यात करने के लिए लाइसेंस देना शामिल है। शस्त्र निर्यात नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत शस्त्र बिक्री प्रस्तावों की कांग्रेस द्वारा समीक्षा करने के बाद इन विशेष बिक्री की प्रक्रिया सामान्यतः सीधी और निर्विवाद होगी।

उन्होंने कहा कि हाल ही में सरकार के शटडाउन से यह प्रक्रिया बहुत बाधित हुई है और धीमी हो गई है क्योंकि प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कांग्रेस समिति के कर्मचारियों को जानकारी देने के लिए जिम्मेदार विदेश विभाग के कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है। समस्या तब और जटिल हो गई जब जारी राजनीतिक गतिरोध के बीच देश के राजनीतिक-सैन्य मामलों के ब्यूरो में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या पिछले महीने हथियारों की बिक्री के लिए अपने सामान्य स्तर के एक चौथाई से भी कम हो गई है। इस बीच यूक्रेन को आवश्यक हथियारों की आपूर्ति में देरी के लिए डेमोक्रेट्स को दोषी ठहराते हुए, रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने कहा कि इससे अमेरिका के रक्षा औद्योगिक आधार को काफी नुकसान पहुंचा है।

दूसरे दिन भी 1000 से ज्यादा उड़ानें हुई निरस्त

वाशिंगटन। विमानन कंपनियों ने शटडाउन के कारण शनिवार को फिर 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। चार्लोट हवाई अड्डे पर सबसे ज्यादा असर पड़ा, जहां 130 उड़ानें रद्द कर दी गईं। अटलांटा, शिकागो, डेनवर और न्यूजर्सी के नेवार्क हवाई अड्डों पर भी व्यवधान देखा गया। रडार केंद्रों और नियंत्रण टावरों में कर्मचारियों की कमी के कारण न्यूयॉर्क के आसपास के कई हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द और विलंबित हो गईं।

रेडक्रॉस को गाजा में मिला इजराइली बंधक का शव

तेल अवीव। इजराइल ने कहा है कि रेडक्रॉस को गाजा में एक बंधक का शव मिला है। हमास ने घोषणा की है कि वह हदर गोल्डिन का शव छोड़ रहा है। गोल्डिन इजराइली एक सैनिक था जिसकी 2014 में हत्या कर दी गई थी और शव को 11 वर्षों से रखा गया था। इजराइली सैनिक के शव को पहचान के लिए इजराइल और राष्ट्रीय फॉरेंसिक संस्थान में भेज दिया जाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मू की अंगोला यात्रा के दौरान हुए तीन समझौते

लुआंडा हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत करते अंगोला के विदेश मंत्री।

लुआंडा, एजेंसी

भारत ने अंगोला को रक्षा खरीद के लिए ऋण मुहैया कराने, कृषि और औषधि क्षेत्र में परस्पर सहयोग के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों अंगोला की सरकारी यात्रा पर हैं और उनकी मौजूदगी में रविवार को इन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

इससे पहले यहां के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको ने प्रेसिडेंशियल पैलेस में राष्ट्रपति मुर्मू का भव्य स्वागत किया। वह अंगोला और बोत्सवाना की राजकीय यात्रा पर हैं। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इन देशों की पहली राजकीय यात्रा है। इस अवसर पर मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि वह अंगोला की प्रगति, विकास कार्यों की प्रशंसा करती हैं और एक समृद्ध अंगोला की कामना करती हैं। उन्होंने कहा कि भारत और अंगोला ने परस्पर सहयोग के नए क्षेत्रों की तलाश, निवेश और व्यापार को बढ़ाने पर सहमति प्रकट की है।

भारत और अंगोला मत्स्य पालन, एक्वाकल्चर, मरीन के क्षेत्र में भी परस्पर सहयोग पर भी सहमत हुए हैं। उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता जताई कि अंगोला वैश्विक बायोफ्यूल एलायंस समूह में शामिल हो गया है।

नेपाल : मनांग जिले में लापता हुए भारतीय पिता-पुत्री के शव मिले

काठमांडू। नेपाल में पर्यटक के रूप में आए और पिछले महीने से लापता एक भारतीय व्यक्ति और उसकी बेटी के शव रविवार को एक मठ के पास पहाड़ी इलाके से बरामद किए गए।

सशस्त्र पुलिस बल के उप प्रवक्ता शैलेंद्र थापा ने बताया कि मनांग जिले के दिसयांग स्थित मालेरिपा मठ के पास से 52 वर्षीय जिग्नेस कुमार लल्लूभाई पटेल और उनकी 17 वर्षीय बेटी के शव बरामद किए गए हैं। दोनों 20 अक्टूबर को दिसयांग स्थित ग्यालसेन होटल से यह बताकर निकले थे कि वे मालेरिपा मठ जा रहे हैं। जब

- **नजारे देखने को पहाड़ी पर चढ़ने के बाद हादसे का हो गए शिकार**

वे नहीं लौटे, तो होटल कर्मचारियों ने मनांग स्थित नेपाल पर्वतीय बचाव प्रशिक्षण स्कूल से उन्हें ढूंढने में मदद मांगी। स्कूल की कोशिशों का कोई नतीजा नहीं निकलने पर प्रशिक्षित पर्वतीय बचाव दल भेजा गया। टीम को मठ से 100 मीटर ऊपर बर्फ के नीचे दबे शव मिले। पुलिस ने संभावना जताई कि मठ घूमने आए पिता-पुत्री बेहतर दृश्य देखने के लिए पहाड़ी पर गए और दुर्घटना का शिकार हो गए।

शांति के लिए सहयोगियों को नहीं मना पा रहे हैं ट्रंप

मॉस्को, एजेंसी

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रविवार को कहा कि यूक्रेन संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए वोलोदिमीर जेलेंस्की और नाटो सहयोगियों को मनाने में अमेरिका को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। लावरोव की यह टिप्पणी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच शिखर वार्ता के असफल प्रयासों के कुछ सप्ताह बाद आई है।

दोनों नेताओं के बीच अलास्का के एंकरेज में वार्ता में रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए कोई सहमति नहीं बन पाई थी। लावरोव ने एक साक्षात्कार में कहा, अमेरिका ने उस समय (अलास्का शिखर सम्मेलन में) हमें आश्वासन दिया था कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की शांति के प्रयास में बाधा नहीं डालेंगे। ज़ाहिर है, इस मुद्दे पर कठिनाइयां उत्पन्न हुई हैं।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, जहां तक हमें जानकारी है कि नाटो और ब्रिटेन अमेरिका को इस बात के लिए राजी करने का प्रयास कर रहे हैं कि वह राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से संकट को हल करने के अपने इरादे को त्याग दे और रूस पर सैन्य दबाव बनाने के प्रयासों में पूरी तरह शामिल हो जाए, यानी अंततः 'युद्ध दल' का हिस्सा बन जाए।

- **रूसी विदेश मंत्री ने कहा- ट्रंप को युद्ध में शामिल करने हो रहा प्रयास**

यूक्रेनी हमलों से रूस के दो प्रमुख शहरों में बिजली गुल

कीव। यूक्रेन की ओर से शनिवार रात किए गए हमलों के कारण सीमा से लगे रूस के दो प्रमुख शहरों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। रूस और यूक्रेन एक-दूसरे के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर लगभग प्रतिदिन हमले कर रहे हैं। लगभग चार साल से जारी युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले कूटनीतिक प्रयास बेनतीजा साबित हो रहे हैं। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने बताया कि ड्रोन हमले के कारण वोरोनिश के कुछ हिस्सों में अस्थायी रूप से बिजली बाधित हो गई और 'हीटिंग सिस्टम' (सर्दियों में इमारतों या संयंत्रों को गर्म रखने की प्रणाली) ठप हो गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 10 नवंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 11 नवंबर 00 .07 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

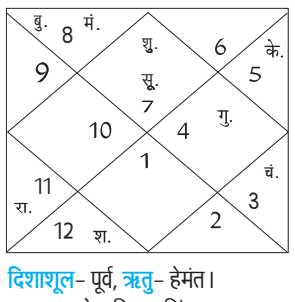

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर। ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र- पुनर्वसु 18 .48 तक तत्पश्चात पुष्य।

मेष — आज कारोबार में विस्तार को लेकर तुरंत बड़ा धन खर्च न करें। अटके हुए मामलों को अधिक छेड़ना उचित नहीं है। जिन विषयों के बारे में आपके पास पर्याप्त ज्ञान नहीं है, उन्हें लेकर कोई दावा न करें। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है।

वृष — आज सभी कार्य आपके अनुसार ही होते प्रतीत होंगे। सकारात्मक परिणाम आपको मानसिक संतुष्टि प्रदान करेगा। संपत्ति को लेकर बड़ी डील कर सकते हैं। व्यापार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

मिथुन — आज आर्थिक मामलों को लेकर थोड़ी अधिक समझदारी दिखाने की आवश्यकता है। महत्वपूर्ण कार्यों को लेकर लापरवाही न करें। ऐसे लोगों से मिलना पड़ सकता है, जिनसे आप बिल्कुल मिलना नहीं चाह रहे थे।

कर्क — आज एक साथ अनेक कार्यों को साधने का प्रयास कर सकते हैं। रुके हुए आर्थिक कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय में परिवर्तन का विचार मन में आएगा। कार्यक्षेत्र में लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे। शरीर स्वस्थ और मन अत्यंत प्रसन्न रहने वाला है।

सिंह — आज सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन करें। किसी बात को लेकर बहस की स्थिति बन सकती है। आपको अपनी छवि की चिंता रहेगी। आपको अत्यधिक मेहनत करने की आवश्यकता है। व्यर्थ की बातों में अधिक ध्यान न दें।

कन्या — आज कारोबारी यात्रा होने के योग बन रहे हैं। नई योजनाओं पर धन निवेश कर सकते हैं। बेरोजगार लोगों को नई जॉब मिल सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। थोड़ी सी मेहनत से अधिक लाभ प्राप्त होगा।

तुला — आज कारोबार में आपको अचानक कुछ निर्णय लेने पड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों को सुबह शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कर लें। विरोधियों से आपको सावधान हो जाना चाहिए। सभी कार्यों को शांतिपूर्ण तरीके से पूरा करने का प्रयास करें।

वृश्चिक — आज मित्रों के साथ खटास हो सकती है। अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करें। सरकारी कार्य देरी से पूर्ण होंगे। अति आत्मविश्वास के कारण आप कई लोगों के निशाने पर आ सकते हैं। नजदीकी मित्रों के साथ अपने संबंध मधुर रखें।

धनु — आज किसी से उधार लेने से बचें। नकारात्मक विचारों का असर आपके प्रदर्शन पर पड़ सकता है। परिश्रम का सार्थक परिणाम नहीं मिलेगा। असंतुलित खानपान के कारण मुख में छाले और गैस की समस्या हो सकती है।

मकर — आज दिनचर्या में नई आदतों को सम्मिलित न करें। छोटी-छोटी गलतियों को नजर अंदाज न करें। आपके व्यावसायिक संपर्क बढ़ेंगे। उच्च अधिकारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में आपको अधिक ध्यान देना पड़ेगा।

कुंभ — आज आपकी सभी रुकावटें दूर हो जाएंगी। बाहरी लोगों को अपने व्यक्तिगत कार्यों में अधिक न उलझने दें। व्यवसाय में बेहतरीन ऑर्डर मिल सकते हैं। यदि घर से बाहर जा रहे हैं, तो अतिरिक्त धन लेकर निकलें। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे।

मीन — आज व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सावधानी रखनी चाहिए। बजट के संतुलन को लेकर ही काम करें। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर परेशान रहेंगे। सुरक्षा संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करें। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं।

सुडोकू -156

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1		2						
							4	5
			4	6				
		1	3					
	8	5						
				5	1			
			5	9				
	7	6						
				7		1		8

सुडोकू - 155 का हल

6	8	9	1	5	2	3	4	7
4	5	1	7	3	6	9	8	2
2	7	3	9	8	4	6	5	1
3	4	5	2	6	9	1	7	8
9	2	6	8	7	1	4	3	5
8	1	7	5	4	3	2	9	6
7	9	4	6	1	8	5	2	3
1	3	8	4	2	5	7	6	9
5	6	2	3	9	7	8	1	4

मैं ट्यूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स में प्रतिस्पर्धा करने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए बहुत उत्सुक था, लेकिन एथेंस में आज के फाइनल के बाद, मुझे यह बताते हुए दुख हो रहा है कि मुझे अपनी चोट के कारण नाम वापस लेना पड़ रहा है। मैं प्रशंसकों से माफी चाहता हूँ।

-नोवाक जोकोविच

स्टेडियम

हल्द्वानी, सोमवार 10 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

लखनऊ सुपर जायंट्स के फील्डिंग कोच बन सकते हैं अभय शर्मा

नई दिल्ली। भारत की अंडर-19 टीम के पूर्व क्षेत्ररक्षण कोच अभय शर्मा अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के साथ फील्डिंग कोच के रूप में जुड़ सकते हैं। अभय शर्मा इससे पहले युगांडा की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच थे। वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। एलएसजी आईपीएल के पिछले दो सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और दोनों अवसरों पर सातवें स्थान पर रही। फ्रेंचाइजी ने हाल ही में टॉम मूडी को अपना क्रिकेट निदेशक तथा न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को अपना रणनीतिक निदेशक नियुक्त किया। जस्टिन लैंगर टीम के मुख्य कोच जबकि ऋषभ पंत कप्तान हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने कहा कि अभय को प्रमुख भारतीय क्रिकेटरों के साथ काम करने का व्यापक अनुभव है और यह एलएसजी के लिए उपयोगी साबित होगा।

मेसी के दो गोलों से इंटर मियामी ईस्ट सेमीफाइनल में

फोर्ट लाउडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के दो गोल और दो गोल में मदद करने से इंटर मियामी शनिवार को ईस्टर्न कांफ्रेंस प्लेऑफ सीरीज के पहले दौर के निर्णायक तीसरे मैच में तीसरी वरीयता प्राप्त नैशविले एससी को 4-0 से हराकर ईस्ट सेमीफाइनल्स में पहुंच गया। इससे अब मेसी और इंटर मियामी एमएलएस कप खिताब से तीन जीत दूर हैं। मेसी ने पहले हाफ में दो गोल दागे जबकि तादेओ अलेंदे को दूसरे हाफ में दो गोल करने में मदद की। इस तरह इंटर मियामी ने सीरीज में नैशविले को 8-3 से हरा दिया। मेसी ने इन सभी आठ गोल में योगदान दिया जिनमें से पांच गोल उन्होंने किए और बाकी तीन गोल करने में मदद की। इंटर मियामी अब ईस्ट सेमीफाइनल मैच के लिए एफसी सिनसिनाटी से भिड़ेगा। यह नॉकआउट होगा। इंटर मियामी और सिनसिनाटी का विजेता ईस्ट फाइनल में शीर्ष वरीय फिलेडेल्फिया यूनियन और पांचवें वरीय न्यूयॉर्क सिटी एफसी के बीच होने वाले विजेता से भिड़ेगा। एमएलएस कप फाइनल छह दिसंबर को होगा।

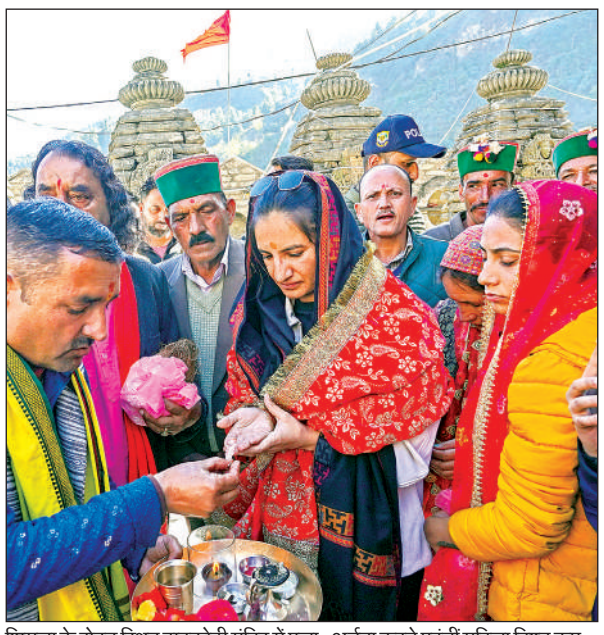

शिमला के रोहड़ू स्थित हाटकोटी मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचीं महिला विश्व कप विजेता टीम की खिलाड़ी रेणुका सिंह। एजेंसी

एक साल में संघर्षों से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की : शेफाली

चंडीगढ़, एजेंसी

भारत की महिला विश्व कप विजेता टीम की सदस्य शेफाली वर्मा ने रविवार को कहा कि पिछले एक साल में उन्हें काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा और उन्होंने अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए 'कड़ी मेहनत' की और टीम को ऐतिहासिक विश्व कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

चोटिल प्रतिका रावल की जगह टीम में शामिल की गईं 21 वर्षीय शेफाली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में मेजबान टीम की 52 रन की जीत के दौरान 87 रन की पारी खेलने के अलावा 36 रन देकर दो विकेट भी चटकाए जिसके लिए उन्हें मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

शेफाली ने यहां एक सम्मान समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा पिछला एक साल मेरे लिए बहुत कठिन रहा। मुझे बहुत संघर्षों का सामना करना पड़ा लेकिन मैं कड़ी मेहनत करती रही और ईश्वर ने मेरी मेहनत का फल मुझे दिया। शेफाली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल की पूर्व संध्या पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह अंतिम चार के मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन हरियाणा की इस खिलाड़ी ने खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। शेफाली ने कहा सेमीफाइनल से पहले जब मैं भारतीय टीम में शामिल हुई तो मैंने विश्व कप जीत में योगदान देने की ठान ली थी। फाइनल हमेशा एक बड़ा मंच होता है। शुरुआत में मैं थोड़ी घबराई हुई थी लेकिन मैंने खुद को शांत किया, अपनी रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया और उसे अच्छी तरह से लागू किया। अपने गृहनगर रोहतक पहुंचने पर भव्य स्वागत के बाद इस आक्रामक सलामी बल्लेबाज ने लड़कियों से आत्मविश्वास रखने और कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया और कहा कि परिणाम जरूर मिलेंगे। शेफाली ने कहा उन्हें हमेशा कड़ी मेहनत करनी चाहिए। चाहे वे कोई भी क्षेत्र चुनें। आत्मविश्वास भी रखना चाहिए और इससे परिणाम जरूर मिलेंगे। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पिछले रविवार को नवी मुंबई में हुए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला विश्व खिताब जीता। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को अपना आदर्श मानने वाली शेफाली ने कहा कि उनके सपनों को साकार करने में उनके परिवार के सहयोग की अहम भूमिका रही है।

भारतीय नियमित टेस्ट गेंदबाजों का खराब प्रदर्शन

दक्षिण अफ्रीका 'ए' ने भारत 'ए' को पांच विकेट से हराया, 417 रनों के बड़े लक्ष्य को बिना परेशानी के हासिल किया

बेंगलुरु, एजेंसी

शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका 'ए' ने नियमित टेस्ट गेंदबाजों की मौजूदगी वाले भारत 'ए' के खिलाफ रविवार को दूसरे चार दिवसीय मैच के चौथे दिन पांच विकेट से यादगार जीत दर्ज की।

दक्षिण अफ्रीका 'ए' ने दिन की शुरुआत में बिना किसी नुकसान के 25 रन से आगे से खेलते हुए 417 रन के बड़े लक्ष्य का बिना किसी परेशानी के आसानी से पीछा कर लिया। जॉर्डन हरमन (91, 123 गेंद), लेसेगो सेनोक्वाने (77, 174 गेंद), तेम्बा बावुमा (59, 101 गेंद), जुबैर हमजा (77, 88 गेंद) और कॉनर एस्टरहुइजन (52 रन नाबाद, 54 गेंद) ने शानदार अर्धशतक जड़े जिससे दक्षिण अफ्रीका 'ए' ने तीन ओवर शेष रहते पांच विकेट पर 417 का स्कोर बना यादगार जीत दर्ज की। यह 'ए' मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ा स्कोर था। दक्षिण अफ्रीका 'ए' को पारी की हार से बचने के लिए चौथे दिन 392 रन बनाने थे। हरमन और सेनोक्वाने ने शुरुआती विकेट के लिए शानदार साझेदारी कर टीम को कमाल की शुरुआत दिलाई।

रन लेने के लिए दौड़ते दक्षिण अफ्रीका ए के बल्लेबाज तेम्बा बावुमा और जुबैर हमजा। एजेंसी

इस जोड़ी ने दिन के पहले सत्र में 27 ओवर में 114 रन बनाने के साथ 258 गेंद में 156 रन की साझेदारी की। शुरुआती सत्र के खेल के बाद दक्षिण अफ्रीका का स्कोर बिना किसी नुकसान के 139 रन था और तब तक यह साफ हो चुका था कि भारी रोलर के इस्तेमाल के कारण पिच से गेंदबाजों के लिए मदद कम हो गयी थी। भारत के अनुभवी गेंदबाजों का डटकर सामना करने के लिए हरमन और सेनोक्वाने को पूरा श्रेय दिया जाना चाहिए।

हरमन ने खासकर ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने तेज गेंदबाज आकाश दीप की गेंद पर कवर क्षेत्र के ऊपर से कुछ शानदार ड्राइव लगाए। वह हालांकि लंच के बाद के सत्र में प्रसिद्ध कृष्णा को रिटर्न कैच देकर शतक पूरा करने से पहले पवेलियन लौट गये। सेनोक्वाने भी इसके तुरंत बाद बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे की गेंद पर स्वीप करने से चूक कर पगबाधा करार दिए गए। हमजा और बावुमा ने इसके बाद क्रमशः आक्रामक और रक्षात्मक खेल का शानदार मिश्रण दिखाते हुए टीम के स्कोर कार्ड को आगे बढ़ाना जारी रखा। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी कर स्कोर को 300 के पास पहुंचाया। कृष्णा ने हमजा को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। अंगुली में चोट के कारण लगभग एक घंटे तक मैदान से बाहर रहे।

वॉशिंगटन को ऑस्ट्रेलिया में 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया

ब्रिस्बेन : भारतीय हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर को ऑस्ट्रेलिया में टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में टीम की 2-1 की जीत के बाद 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा रविवार को पोस्ट किए गए 'ड्रेसिंग रूम बीटीएस' शीर्षक वाले वीडियो में जब टीम परिचालन प्रबंधक (सीओओ) राहिल खाजा ने उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया तो सुंदर मुस्कुराते हुए नजर आए। 26 साल के सुंदर ने सीरीज के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी का पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा यहां आना और ऑस्ट्रेलिया में खेलने का मौका मिलना अद्भुत है। टीम की जीत में योगदान देकर मुझे बहुत खुशी हुई। भारत की टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में जीत के दौरान सुंदर के प्रदर्शन ने टीम के लिए उनकी उपयोगिता साबित की। होबार्ट में तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में हालांकि सुंदर को गेंदबाज के रूप में इस्तेमाल नहीं किया गया था और उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा गया। इसमें उन्होंने 23 गेंद में चार छक्कों और तीन चौकों की मदद से 49 रन बनाकर मैच विजयी पारी खेली और भारत को पांच विकेट से जीत दिलाई जिससे सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। फिर चौथे मैच में उन्हें अंतिम ओवरों तक गेंद नहीं दी गई, लेकिन उन्होंने दो ओवरों में पांच गेंदों पर तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को ढेर कर दिया जिससे भारत 48 रन से जीत गया। इस जीत ने आखिर में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को श्रृंखला 2-1 से जीतने में मदद की क्योंकि शनिवार को गाबा में पांचवां मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। सुंदर ने टीम के सीओओ खाजा के योगदान की सराहना करते हुए कहा उनसे यह पदक पाकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम जानते हैं कि वह (खाजा) हमारे कई कामों को आसान बनाने के लिए हर दिन कितनी मेहनत करते हैं। भावुक खाजा ने भी अपनी खुशी साझा की।

फिडे विश्व कप से गुकेश बाहर, तीन भारतीय टाई ब्रेक में

पणजी। ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंधा ने बीच के गेम में मिली मामूली बढ़त का पूरा फायदा उठाते हुए आर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर रॉबर्ट होवहानिस्यान को हरा दिया। इस तरह चार भारतीयों ने शनिवार को यहां जारी फ़िडे विश्व कप 2025 के चौथे राउंड में जगह पक्की कर ली, जबकि विश्व चैंपियन गुकेश डी. हारकर बाहर हो गए।

प्रज्ञानंधा, जिन्हें तीसरे राउंड में पहुंचने के लिए लंबा टाईब्रेक खेलना पड़ा और फिर काले मोहरों से पहला गेम ड्रॉ करना पड़ा, खुद को मुश्किल स्थिति में पा गए क्योंकि ऐसा लग रहा था कि होवहानिस्यान ने भारतीय की शुरुआती बढ़त को खत्म कर दिया है। लेकिन तीसरे सर्वोच्च रैंक वाले भारतीय खिलाड़ी के पास एक स्पष्ट रणनीति थी और उन्होंने 27वीं चाल में अपनी रानी और हाथी के साथ काले मोहरों के राजा पर दबाव बनाकर मैच पर नियंत्रण कर लिया।

आर्मेनियाई खिलाड़ी ने अंततः 42 चालों के बाद हार मान ली। कुल 10 भारतीय खिलाड़ी फ़िडे विश्व कप 2025 के तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। यह सिंगल-एलिमिनेशन नॉक-आउट टूर्नामेंट है जिसमें 82 देशों के 206 खिलाड़ी प्रतिष्ठित विश्वनाथन आनंद कप के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

रणजी ट्रॉफी : उत्तर प्रदेश जीत की ओर अग्रसर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रणजी ट्राफी में यूपी ने नागालैंड पर दूसरे दिन ही पकड़ मजबूत कर ली है। पहली जीत की तलाश में यूपी ने पहली पारी में माधव कौशिक के नाबाद 185, आर्यन जुयाल के 140 व आठवें नंबर पर बैटिंग करने उतरे शिवम मावी के 101 रनो की बदौलत छह विकेट पर 535 रन बनाकर पारी घोषित की। बल्लेबाजों के बाद यूपी के गेंदबाजों ने दूसरे दिन दमदार खेल का परिचय देते हुए महज 77 रन के योग पर नागालैंड के चार बल्लेबाजों को पवेलियन लौटाया। नगालैंड अभी भी पहली पारी के आधार पर 458 रन पीछे है।

रविवार को एक विकेट के नुकसान पर 301 रनों से आगे खेलते माधव कौशिक व आर्यन जुयाल ने यूपी की पारी को आगे बढ़ाया। तेजी से रन बनाने के चक्कर में आर्यन 140 पर इमलीबती की गेंद पर लौटे। इसके बाद शतक लगाकर खेल रहे माधव का साथ देने आए कप्तान करन शर्मा 17 रन ही बना पाए। वह आर जानथन की गेंद पर रोनित मोरे को कैच दे बैठे। कप्तान को आउट करने के बाद जानथन ने आराध्य यादव को 14, प्रियम गर्ग को चार व प्रशांतवीर को एक रन पर आउट कर यूपी के बड़े स्कोर की उम्मीद पर अंकुश लगाया। इसके बाद एक छोर पर डटे माधव कौशिक को आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए शिवम मावी का साथ मिला। एक छोर पर माधव ने संभलकर खेलते हुए पारी को संभाला। दूसरे छोर पर शिवम ने तेजी से रन बटोरना शुरू किया। शिवम ने 87 गेंदों पर 10 चौके व पांच छक्कों की मदद से 101 रनों की शतकीय पारी खेली। दूसरे छोर पर उनके साथ माधव कौशिक 185 रन बनाकर नाबाद रहे।

नागालैंड की ओर से गेंदबाजी में इमलीबती ने दो व कप्तान आर जानथन ने चार विकेट झटके। इसके बाद यूपी के 535 रनों के जवाब में नागालैंड की पारी 26 ओवर के खेल में ही बिखरने लगी। महज 77 रन के योग पर नागालैंड के शीर्ष चार बल्लेबाज लौट गए।

आकाश का रिकॉर्ड तोड़ना आसान नहीं होगा

सूरत : लगातार आठ गेंदों में छक्के लगाने वाले मेघालय के आकाश कुमार चौधरी ने पहली तीन गेंद पर सिर्फ दो रन बनाए। इसके बाद दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अगली आठ गेंदों को निशाना बनाया। उन्होंने 126वें ओवर में लिमार डाबी की सभी छह गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। रविवार के मैच से पहले चौधरी ने 30 प्रथम श्रेणी मैचों में केवल दो अर्धशतकों के साथ 14.37 की औसत से रन बनाए थे। उन्होंने 28 लिस्ट-ए मैच और 20 टी-20 मैच भी खेले हैं। सोबर्स ने अगस्त 1968 में नॉटिंघमशर की तरफ से ग्लेमोर्गन के खिलाफ काउंटी मैच में मैल्कम नैश के एक ओवर में छह छक्के लगाए थे। इस तरह से वह यह कारनामा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और मुख्य कोच रहे शास्त्री ने वानखेड़े स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी 1984-85 के मैच में मुंबई की तरफ से खेलते हुए बड़ौदा के तिलक राज के एक ओवर में छह छक्के लगाए थे। मेघालय के छह विकेट पर 628 रन पर पारी घोषित करने के जवाब में अरुणाचल प्रदेश की टीम पहली पारी केवल 73 रन पर सिमट गई। फॉलोऑन के बाद भी उसकी टीम तीन विकेट पर 29 रन बना कर संघर्ष कर रही थी।

- उप्र ने 535 रन बनाकर पहली पारी घोषित की, नागालैंड चार विकेट खोकर अभी 458 रन पीछे
- माधव ने नाबाद 185, आर्यन जुयाल 140 व शिवम मावी ने 101 रनों की शतकीय पारियां खेली

शतक बनाने के बाद उत्तर प्रदेश के शिवम मावी व माधव कौशिक। अमृत विचार

रिबाकिना ने डब्ल्यूटीए खिताब जीता

रियाद (सऊदी अरब), एजेंसी

छठी वरीयता प्राप्त और 2022 विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी एरिना सबालेंका को 6-3, 7-6 (0) से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीत लिया।

रायबाकिना ने शनिवार को रियाद के इनडोर हार्डकोर्ट पर हुए मुकाबले में आठ ऐस लगाए और मैच का एकमात्र ब्रेक भी हासिल किया। रायबाकिना ने अपने खिताबी अभियान में दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक, अमांडा अनिसिमोवा और जेसिका पेगुला पर जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल्स जीतने के बाद कहा यह सप्ताह अविश्वसनीय रहा। मुझे किसी नतीजे की उम्मीद नहीं थी और यहां तक सफर तय करना अविश्वसनीय रहा। चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सबालेंका के लिए यह सत्र के अंतिम टूर्नामेंट के फाइनल में दूसरी हार थी। इससे पहले वह 2022 के खिताबी मुकाबले में कैरोलिन गार्सिया से हार गई थीं। रिबाकिना लगातार तीसरे डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपना पहला खिताबी मुकाबला खेल रही थीं। शीर्ष आठ महिलाओं वाले इस टूर्नामेंट जीत हासिल करने से उन्हें 52.3 लाख अमेरिकी डॉलर की राशि हासिल की। डब्ल्यूटीए ने कहा कि यह महिला खेलों के इतिहास में सबसे बड़ी राशि है। सबालेंका ने उपविजेता के रूप में 27 लाख अमेरिकी डॉलर कमाए।

- नंबर एक रैंकिंग की खिलाड़ी एरिना सबालेंका को हराया

जोकोविच चोट के कारण एटीपी फाइनल्स से हटे

एथेंस। पूर्व विश्व नंबर 1 नोवाक जोकोविच ने एथेंस में फ़ाइनल में भाग लेने के कुछ ही घंटों बाद, चोट के कारण ट्यूरिन में होने वाले आगामी एटीपी फाइनल्स से अपना नाम वापस ले लिया है।

जोकोविच ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए यह जानकारी साझा की और सीजन के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में से एक से चूकने पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने लिखा, मैं ट्यूरिन में प्रतिस्पर्धा करने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए बहुत उत्सुक था, लेकिन एथेंस में आज के फ़ाइनल के बाद, मुझे यह बताते हुए दुख हो रहा है कि मुझे अपनी चोट के कारण नाम वापस लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा मैं प्रशंसकों से माफी चाहता हूँ जो मुझे खेलते हुए देखना चाहते थे।

सफलता एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप के पुरुष रिकर्व क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया

यशदीप ने कोरियाई तीरंदाजों को चौंकाया

ढाका, एजेंसी

यशदीप भोगे ने रविवार को यहां एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप के पुरुष रिकर्व क्वालीफिकेशन में कोरियाई तीरंदाजों को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि युवा अंशिका कुमारी ने भी महिला वर्ग में शीर्ष पांच में जगह बनाई।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुभवहीन इस जोड़ी के शानदार प्रदर्शन ने भारत को टीम रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया। दूसरे स्थान पर होने के कारण भारत इस खेल की सबसे मजबूत टीम दक्षिण कोरिया के हाफ में नहीं है। दक्षिण कोरिया उम्मीद के मुताबिक पुरुष और महिला दोनों वर्गों में शीर्ष पर रहा।

भारतीय रिकर्व तीरंदाजी लंबे समय से असफलता का सामना कर रही है, टीम 2023 के सत्र में पुरुष वर्ग में पदक हासिल करने में नाकाम रही, जहां केवल महिला टीम ही कांस्य पदक हासिल कर सकी थी। भोगे और अंशिका के शानदार प्रदर्शन ने इस सप्ताह उस सूखे को खत्म करने की उम्मीदें फिर से जगा दी हैं। भारत को हालांकि शीर्ष तीरंदाजों में शामिल दीपिका और धीरज के टीम मुकाबलों से बाहर होने से झटका भी लगा। यह दोनों तीरंदाज देश के शीर्ष तीन तीरंदाज में जगह बनाने में नाकाम रहे। जुलाई 2023 में चेंगदू 'समर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स' में अंतरराष्ट्रीय स्तर पिछली बार प्रतिस्पर्धा करने वाले भोगे ने 720 में से 687 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान हासिल किया और अपनी वापसी को यादगार बनाया। वह सेओ मिंगी (681) और किम येचन (679) की कोरियाई जोड़ी को पीछे छोड़ने में सफल रहे। उनके प्रयास ने भारत को कोरिया के बाद टीम रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया। दो बार के ओलंपियन, अतनु दास ने सातवें (668) जबकि राहुल 11वें स्थान पर रहे। इन तीनों ने धीरज बोम्मादेवरा (13वें; 665) को पछाड़कर पुरुष टीम लाइनअप पूरा किया। धीरज पेरिस ओलंपिक के बाद से संघर्ष करते रहे।

महिला वर्ग में अंशिका का शानदार प्रदर्शन

महिला रिकर्व वर्ग में 25 वर्षीय बिहार की तीरंदाज अंशिका 660 अंकों के साथ शीर्ष भारतीय बनकर उभरीं और कुल मिलाकर पांचवां स्थान हासिल किया। वह ओलंपियन अंकिता भक्त (नौवें; 655) और संगीता (11वें; 649) से आगे रही। चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, वह 649 अंकों के साथ 12वें स्थान पर रहीं और टीम कट से चूक गईं। कोरिया के तीरंदाजों ने शीर्ष तीन स्थान के साथ टीम में रैंकिंग में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। कम्पाउंड वर्ग में हालांकि भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन को जारी रखा।